रांची
हिन्दी दैनिक
वनांचल आई
हर खबर पर पहली नजर
PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:53 | सोमवार,27 अक्टूबर

अवकाश की सूचना

छठ पर्व के अवसर पर वनांचल आई कार्यालय 27 अक्टूबर 2025 को बंद रहेगा। अतः अगला अंक 29 अक्टूबर को उपलब्ध होगा।

बीमार मरीज ने अस्पताल की तीसरी मंजिल से कूदकर दी जान

ब्रीफ न्यूज

संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल में रविवार को इलाजरत मरीज ने तीसरी मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान टोंटो प्रखंड के पूरनापानी गांव निवासी 40 वर्षीय प्रधान होनहागा के रूप में की गई है। घटना मेल वार्ड की बताई जा रही है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार प्रधान होनहागा पिछले कई दिनों से बीमार थे और उनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा था। इसी दौरान अचानक उन्होंने अस्पताल की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। गिरने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जांच पुलिस ने की।

मंत्री शिल्पी तिर्की बनी बिहार चुनाव में एआईटीसी की ऑब्जर्बर

संवादाता

रांची बिहारविधानसभा चुनाव में झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस (एआईटीसी) की तरफ से ऑब्जर्बर बनाया गया है। इसको लेकर ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया ने पत्र जारी कर दी है। बिहार चुनाव में ऑब्जर्बर बनाए जाने के बाद कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया के प्रति आभार जताया है। मंत्री ने कहा है कि यह सौभाग्य की बात है कि उन्हें कांग्रेस पार्टी नेजिम्मेवारी सौंपी है।

समाजसेवी रामावतार पोद्दार का निधन

संवादाता

रांची : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी रामावतार पोद्दार के आकस्मिक निधन पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन में शोक की लहर है। सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन एवं संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने रविवार को शोक व्यक्त करते करते हुए कहा की स्वर्गीय पोद्दार का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। उनके निधन से समाज ने एक नेतृत्वकर्ता को खो दिया। रामअवतार पोद्दार ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा, संगठन निर्माण और मानवीय मूल्यों का प्रसार करने के लिए समर्पित कर दिया।

36 घंटे का महा निर्जला उपवास शुरू

अस्ताचलगामी सूर्य को आज दिया जाएगा अर्घ्य

संवाददाता

रांची। रांची : झारखंड समेत राजधानी रांची के विभिन्न हिस्सों में छठ महापर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। रविवार को खरना पूजन के साथ ही छठ व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू किया। व्रतियों ने शाम में चावल और गुड़ की खीर तथा रोटी बनाकर प्रसाद तैयार किया। इसके बाद सूर्य देव और छठ माता की पूजा कर गुड़ की खीर का भोग लगाया और प्रसाद ग्रहण किया। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य : श्रद्धालु अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारी में जुट गए। राजधानी के बड़ा तलाब, ककिे डैम और अन्य घाटों पर छठ मइया के भजनों की गूंज से माहौल भक्तिमय हो गया। शहर की गलियों में भी छठ पूजा की आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। व्रती आज शाम 05:14 बजे अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देंगे। उगते सूर्य को अर्घ्य और व्रत का समापन : छठ व्रति दूसरे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। रांची में छठव्रती सुबह 05:52 बजे भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। छठ गीतों की गूंज, दीपों की जगमगाहट और भक्तिमय माहौल ने पूरे शहर को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। छठ व्रत का चार दिन का क्रम : छठ व्रतियों ने चार दिन तक कठिन नियमों का पालन किया।

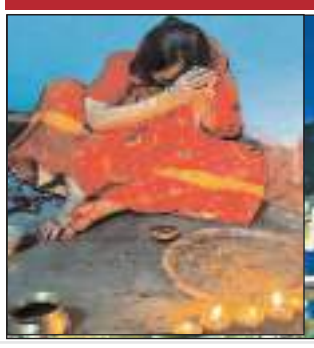

एचआईवी संक्रमित रक्त कांड मामले में सीएम की बड़ी कार्रवाई, जांच का आदेश

हेमंत सोरेन ने सिविल सर्जन समेत दो अधिकारियों को किया सस्पेंड

संवाददाता

पीड़ित बच्चों के परिवार को दी जाएगी दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि

मुख्यमंत्री का एक्शन

दोषियों को किसी भी सूरत में नहीं छोड़ेगी झारखंड सरकार .. उच्चस्तरीय जांच कर सात दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश .. राज्यस्तरीय बनाई गई विशेष टीम करेगी समीक्षा .. पीड़ित परिवारों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा .. संक्रमित बच्चों के इलाज, दवा और देखरेखका पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी

चाईबासा :जिला स्थित चाईबासा सदर अस्पताल में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने की चौंकाने वाली घटना ने राज्यभर में आक्रोश की लहर पैदा कर दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस गंभीर लापरवाही पर सख्त एक्शन लेते हुए पश्चिमी सिंहभूम जिले के सिविल सर्जन सर्जन डॉ. सुशांतो कुमार माझी सहित संबंधित सभी जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह जानकारी रविवार को मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से दी है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया है कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और सात दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की लापरवाही को उजागर करती हैं, बल्कि मानवता के खिलाफ अपराध के समान हैं। सरकार दोषियों को किसी भी सूरत में नहीं छोड़ेगी। राज्य सरकार ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर परिवार को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। साथ ही यह भी घोषणा की गई है कि संक्रमित बच्चों के इलाज, दवा और देखरेख का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में रक्त जांच प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ी की बात सामने आई है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी ब्लड बैंकों और संबंधित संस्थानों की जांच शुरू कर दी है। राज्य स्तर पर एक विशेष टीम बनाई गई है जो रक्त संक्रमण से संबंधित सभी प्रक्रियाओं की समीक्षा करेगी। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। संगठन प्रतिनिधियों ने कहा है कि यह लापरवाही नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही का मामला है, और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने जनता को आश्वासन दिया है कि दोषियों को शीघ्र न्यायिक दंड दिलाने और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार इस पूरे घटनाक्रम को 'शून्य सहनशीलतानीति' के तहत देख रही है।

हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार विकसित करने पर फोकस कर रही सरकार

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में हर स्तर पर तेजी से विकास कर रहा भारत : मुर्मु

राष्ट्रपति ने अस्पताल परिसर का भ्रमण कर आधुनिक पकरणों के बारे में जाना राष्ट्रपति के पहुंचने पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया स्वागत

एजेंसी

रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश आज स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हर स्तर पर बहुत ही तेज से विकसित हो रहा है। इसमें सरकार का योगदान भी महत्वपूर्ण है। बीमारियों से लोगों का बचाव करना और उन्हें बेहतर इलाज की सुविधा देना सरकार की पहली प्राथमिकता है। सरकार इसके लिए हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार विकसित करने पर फोकस कर रही है। राष्ट्रपति ने यह बातें गाजियाबाद के इंदिरापुरम में स्थित अत्याधुनिक सुविधायुक्त 1200 बेड के अस्पताल यशोदा मेडिसिटी का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहीं। राष्ट्रपति के यहां पहुंचने पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक नेउनका स्वागत किया।

सरेंडर कराने के नाम पर पीएलएफआई सुप्रीमो से ठग लिए गए थे 48 लाख

संवादाता

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को सरेंडर कराने के नाम पर साजिश रचकर गुजरात के एक शख्स ने उससे 48 लाख रुपये की ठगी कर ली थी। सरेंडर के नाम पर दिनेश गोप को ठगने के लिए गुजरात के नंदलाल स्वर्णकार ने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन चलने वाले राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ) का निलंबित कर्मचारी बताया था। ठगी की इस रकम में से नंदलाल ने 17 लाख रुपये लेकर डेयरी का व्यापार शुरू कर दिया। ईडी और एनआईए द्वारा की गई जांच के दौरान दिनेश गोप को ठगने के लिए रची गई इस साजिश का पदार्फाश हुआ है। गौरतलब है कि दिनेश गोप झारखंड का दुर्दांत उग्रवादी है। वह रांची, खूंटी, चाईबासा, सिमडेगा, गुमला समेत कई जिलों में सक्रिय प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई का प्रमुख है। उसके खिलाफ चार दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। उसे पुलिस ने नेपाल से गिरफ्तार किया था। अभी वह जेल में बंद है।गुजरात के नंदलाल स्वर्णकार ने खुद को पीएम ऑफिस के अधीन चलने वाले एनटीआरओ काबताया था कर्मचारी ..बेड़ो निवासी चंद्रशेखर ने पूछताछ के दौरान पहली बार ठगी के लिए रची गई साजिश की दी जानकारी ..दिल्ली के होटल अशोक में नंदलाल व नवीन भाई जयंती भाई पटेल को दिए गए थे 48 लाख कैश।

दायर शपथपत्र पर सीजेआई की बेंच में किया जाएगा विचार

सारंडा सैंक्चुरी पर सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली :सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सारंडा को सैंक्चुरी घोषित करने के मामले में सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ में होने वाली सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से दायर शपथपत्र पर विचार किया जाएगा। बता दें कि इस मामले की सुनवाई इससे पहले 17 अक्तूबर को हुई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट के निर्देश के आलोक में राज्य सरकार की ओर से शपथपत्र दायर कर सारंडा को सैंक्चुरी घोषित करने काउपक्रम दिया गया है। इसमें आठ अक्तूबर को दिए गए निर्देश के आलोक में सैंक्चुरी क्षेत्र में पड़ने वाले माइंस, वैध लीज और रहने वाली आबादी को सैंक्चुरी के प्रभाव क्षेत्र से मुक्त रखने का अनुरोधकिया गया है।

मन की बात पीएम ने छठ पर बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के लोगों को दी विशेष बधाई, बोल-

ससंस्कृति, प्रकृति व समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतीक है छठ

एजेंसी

स्वदेशी नस्ल के श्वानों को बढ़ावा देने पर जोर

प्रधानमंत्री ने रविवार को सुरक्षा बलों में भारतीय नस्ल के श्वानों को अपनाने और प्रशिक्षित करने की सराहना की। उन्होंने बताया कि पांच वर्ष पहले उन्होंने देशवासियों और सुरक्षा बलों से भारतीय नस्ल के कुत्तों को अपनाने का आग्रह किया था। बीएसएफ और सीआरपीएफ ने अपने दस्तों में भारतीय नस्ल के कुत्तों की संख्या बढ़ाई है। बीएसएफ का नेशनल ट्रेनिंग सेंटर ग्वालियर के टेकनपुर में है। यहां रामपुर हाउंड, मुधोल हाउंड और अन्य भारतीय नस्लों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन श्वानों के लिए प्रशिक्षण मैनुअल को भी संशोधित किया गया है ताकि उनकी विशेष क्षमताओं को उजागर किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारतीय नस्ल के श्वान अपने परिवेश और परिस्थितियों के अनुसार जल्दी ढल जाते हैं।' उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के बेंगलुरु स्थित डॉग ब्रीडिंग और ट्रेनिंग स्कूल में मोंग्रेल्स, मुधोल हाउंड, कोम्बाई और पांडिकोना जैसी भारतीय नस्लों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। पिछले वर्ष लखनऊ में आयोजित ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट में मुधोल हाउंड रिया ने विदेशी नस्लों को पीछे छोड़कर पहला पुरस्कार जीता था। उन्होंने बताया कि अब बीएसएफ ने अपने श्वानों को विदेशी नामों के बजाय भारतीय नाम देने की परंपरा शुरू की है।

नाई दिल्ली। : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में रविवार को छठ महापर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसे संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है, जो भारत की सामाजिक एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया कि यदि अवसर मिले तो इस पर्व में जरूर भाग लें। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह भारतीय समाज की एकता औरसमरसता का भी प्रतीक है। मन की बात के 127वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने त्योहारों, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, युवाओं की पहल, देसी नस्ल के कुत्तों को बढ़ावा, संस्कृत का पुनर्जागरण और राष्ट्रगीत वन्देमातरमजैसे विषय शामिल किए। प्रधानमंत्री ने छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के लोगों को विशेष बधाई दी और देशवासियों से पर्व में हिस्सा लेने का आग्रह किया। हैदराबाद के स्वतंत्रता संग्राम का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने निजाम के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने वाले कोमरम भीम के बारे में बताया। 22 अक्टूबर को ही उनकी जन्म-जयंती मनाई गई थी। उन्होंने कहा कि 20वीं सदी के प्रारंभ में हैदराबाद में निजाम के अत्याचार के खिलाफ देशभक्तों का संघर्ष चरम पर था। गरीब और आदिवासी समुदायों पर अत्याचार और भारी कर लगाए जा रहे थे। उस समय कोमरम भीम ने सिद्दीकी नामक अधिकारी को चुनौती दी और निजाम के अत्याचार के खिलाफ कई वर्षों तक संघर्ष किया। उन्होंने बताया कि उस दौर में जब निजाम के खिलाफ एक शब्द बोलना भी गुनाह था। उस नौजवान ने सिद्दीकी नाम के निजाम के एक अधिकारी को खुली चुनौती दे दी थी। निजाम ने सिद्दीकी को किसानों की फसलें जब्त करने के लिए भेजा था, लेकिन अत्याचार के खिलाफ इस संघर्ष में उस नौजवान ने सिद्दीकी को मौत के घाट उतार दिया। वे गिरफ्तारी से बच निकलने में भी कामयाब रहे। निजाम की अत्याचारी पुलिस से बचते हुए वे सैकड़ों किलोमीटर दूर असम जा पहुंचे। कोमरम भीम ने 40 वर्ष की आयु में कई आदिवासी समाजों में अमिट छाप छोड़ी। निजाम की सत्ता के लिए वे बहुत बड़ी चुनौती बन गए थे। 1940 में निजाम के लोगों ने उनकी हत्या कर

तबाही मचाने आ रहा चक्रवाती तूफान 'मोंथा', अलर्ट जारी

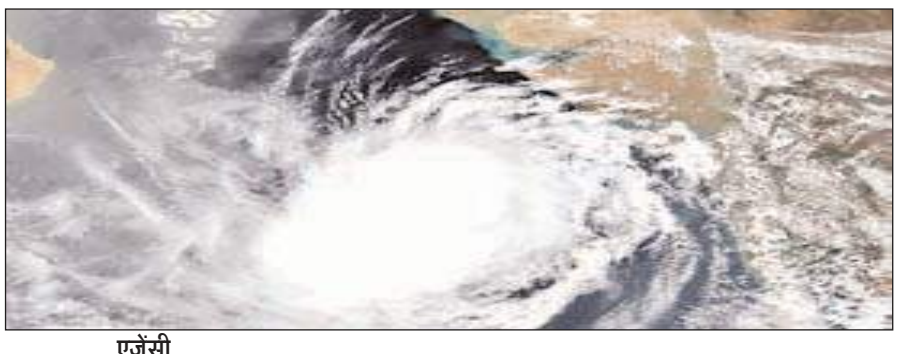

एजेंसी

नई दिल्ली : पूर्वी मध्य अरब सागर और दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हो रहे चक्रवाती सिस्टम के मद्देनजर भारतीय सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अगले 48 घंटों में चक्रवात 'मोंथा' के रूप में तीव्र होने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक चक्रवाती तूफान की स्पीड 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और संबंधित राज्य सरकारों के साथ समन्वय में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इन राज्यों के लिए हाई अलर्ट : चक्रवाती तूफान मोंथा धीरे-धीरे पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है, जिसके कारण ओडिशा सरकार ने राज्य के सभी 30 जिलों के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार में तूफान का असर देखने को मिलेगा। वहीं, आंध्र प्रदेश सरकार ने पहले ही सावधानी बरतते हुए राहत और आवश्यक आपूर्ति के लिए रणनीति तैयार कर ली है। एनडीआरएफ और सेना की टीम को हाई अलर्ट पर रखा गया है। आईएमडी के मुताबिक चक्रवाती तूफान मोंथा के आंध्र प्रदेश तट पर मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के नजदीक 28 अक्टूबर की शाम या देर रात के समय टकराने की संभावना है। विभाग ने कहा कि ओडिशा और आंध्र प्रदेश में 28 और 29 अक्टूबर को मूसलाधार बारिश होगी।

महापर्व छठ को लेकर शहर के ट्रैफिक में बदलाव, मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रहेगी 28 तक रोक

रांची, संवाददाता

झारखंड की राजधानी रांची में महापर्व छठ को लेकर 27 और 28 अक्टूबर दो दिनों तक शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। कांके रोड में राम मंदिर से चांदनी चौक तक एक लेन को फ्री रखा गया है। यहां रस्सी के सहारे रास्ते को दो भागों में बांटा गया है। एक भाग सिर्फ छठ व्रती को चलने के लिए सुरक्षित रखा गया है। वहीं चडरी रोड में भी वाहनों की इंट्री पर रोक लगा दी गई है। मेन रोड की ओर से परिचालन करने वाले वाहन सवार को अल्बर्ट एक्का चौक से तालाब की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा सर्कुलर रोड से परिचालन करने वाले वाहन सवार को जेल मोड़ से चडरी तालाब की ओर आने-जाने की अनुमति नहीं होगी। इस मार्ग को सिर्फ छठ व्रती के लिए सुरक्षित रखा गया है।

वाहनों की इंट्री पर रोक

ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने रविवार को बताया कि बड़ा तालाब के अलावा अन्य सभी तालाब तक पहुंचने वाले छठ व्रतियों की किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बड़ा तालाब के चारों तरफ एप्रोच रोड में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। एप्रोच रोड में वाहनों की इंट्री पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में किसी भी हाल में तालाब तक वाहन को नहीं ले जाया जा सकता है। एप्रोच रोड से पैदल ही लोग तालाब तक पहुंच सकेंगे।

मालवाहक वाहनों की नो इंट्री

छठ पर्व में घाट से तक पहुंचने वाले व्रतियों को किसी प्रकार परेशानी ना हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया है। यही वजह है कि सोमवार की सुबह 8 बजे से लेकर रात 11 बजे तक और मंगलवार की अहले सुबह 2 बजे से 10 बजे तक शहर में मालवाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया है। यह

कहां तक जा सकेंगे निजी वाहन

मेन रोड से चडरी तालाब की ओर जाने वाले वाहन सवार शहीद चौक तक जा सकेंगे।

कचहरी से चडरी तालाब की ओर जाने वाले वाहन सवार जेल मोड़ तक ही जा सकेंगे।

इ्र करमटोली से चडरी तालाब की ओर जाने वाले वाहन सवार जेल मोड़ तक ही जा सकेंगे।

रातू रोड से कांके डैम की ओर जाने वाले वाहन सवार राम मंदिर चौक तक ही जा सकेंगे।

कांके और बोड़ेया से कांके डैम की ओर जाने वाले वाहन सवार चांदनी चौक तक ही जा सकेंगे।

यहां करें वाहन पार्क

रणधीर वर्मा चौक से हटनिया तालाब मार्ग में आने वालों के लिए नगर निगम पार्क के सामने रोड किनारे वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

एसएसपी आवास चौक से हटनिया तालाब जाने वाले मार्ग में रोड किनारे वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

राम मंदिर से कांके डैम जाने वाले मार्ग में सीएमपीडीआई, गांधी नगर और रॉक गार्डेन में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

शालीमार बाजार से छठ तालाब जाने वाले मार्ग में शालीमार बाजार में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

शहीद मैदान से छठ तालाब जाने वाले मार्ग में शहीद मैदान में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

जेल चौक के पास रोड किनारे सड़क किनारे वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

लालपुर यातायात थाना के पास रोड किनारे वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

सर्जना चौक से बड़ा तालाब जाने वाले मार्ग में सर्जना चौक और फिरायालाल के बीच बने पार्किंग स्थल में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

चुटिया से स्वर्णरेखा नदी जाने वाले मार्ग में सरस्वती शिशु मंदिर के बगल में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

बनस तालाब चुटिया जाने वाले लोग सड़क किनारे वाहन पार्क कर सकते हैं।

किशोरगंज चौक से बड़ा तालब जाने वाले लोग सड़क किनारे वाहन पार्क कर सकते हैं।

देवेंद्र मांझी चौक के पास निवारणपुर में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

खरना पूजन के साथ ही छठव्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू, आज अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को देंगे अर्घ्य

रांची, संवाददाता

बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के साथ-साथ अब वैश्विक लोकपर्व का रूप ले चुके लोक आस्था का महापर्व छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान का आज दूसरा दिन है. महापर्व के दूसरे दिन आज शाम में छठ व्रतियों ने खरना पूजन किया. खरना पूजन के साथ ही छठ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास और भगवान भास्कर की आराधना शुरू हो गयी है. बिहार-झारखंड के सबसे बड़े लोक आस्था का महापर्व छठ की विशेष महत्ता है. राजधानी रांची सहित राज्यभर में परंपरागत छठ गीतों के बीच छठव्रतियों ने खरना पूजन किया. खरना पूजन के बाद छठ व्रतियों द्वारा प्रसाद के रूप में परंपरागत तरीके से बनायी गयी खीर-रोटी ग्रहण करने के बाद अन्य लोगों ने भी खरना का प्रसाद ग्रहण किया. लोक आस्था के इस महापर्व में शुद्धता का पूरा ख्याल रखा जाता है. सदियों से चली आ रही परंपराओं का खास ख्याल रखा जाता है. पारंपरिक छठ गीतों के साथ गुड़ और अरवा चावल से परंपरागत चूल्हे पर गोइठा और आम की लकड़ी की आंच पर बनें खीर, शुद्ध देसी घी लगी तवा पर बनीं रोटी और केले का प्रसाद श्रद्धा और भक्तिभाव ने छठव्रतियों के ग्रहण करती हैं. इसके बाद यही खीर और रोटी छठ व्रती और मित्र परिजन को प्रसाद के रूप में दिया जाता है. आज के दिन नमक और अन्य अनाजों को नहीं छूने की भी परंपरा है.

आज शाम में अस्ताचलगामी सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

चार दिवसीय महापर्व छठ की शुरूआत शनिवार को नहाय खाय से हुई थी. आज रविवार को छठव्रतियों ने खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू किया है. कल 27 अक्टूबर की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को छठव्रती नदी, तालाब, पोखर या किसी अन्य जलाशय में खड़ा होकर अर्घ्य देंगे. 28 अक्टूबर (मंगलवार) की सुबह उदयाचल गामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही इस चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन हो जाएगा. लोक आस्था का महापर्व छठ, एक ऐसा लोक पर्व है जो साल में दो बार मनाया जाता है. हर वर्ष चैत्र माह और कार्तिक महीने में यह त्योहार पूरी आस्था और भक्ति भाव से मनाया जाता है.

बिहार विस चुनाव को लेकर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को बड़ी जिम्मेदारी, ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस ने बनाया ऑब्जर्वर

रांची, संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस ने झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को अपना ऑब्जर्वर बनाया गया है. ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने इस संदर्भ में पत्र भी जारी कर दिया है. बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के लिए ऑब्जर्वर बनाए जाने के बाद कांग्रेस विधायक सह कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया के प्रति आभार जताया है. मंत्री ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है ये उनके लिए सौभाग्य की बात है. बिहार विधानसभा चुनाव में आदिवासी समाज का एक-एक वोट महागठबंधन के पक्ष में जाए, इसके लिए वो चुनावी समर में अपनी पूरी ताकत झोंक देंगी. झारखंड की कृषि मंत्री ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने जो विश्वास और भरोसा उन पर जताया है, उस पर खरा उतरने का वह पूरा प्रयास करेंगी. शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि बिहार में इस बार बदलाव की बयार बह रही है. कांग्रेस के सहयोग से बिहार में इस बार महागठबंधन सरकार बनने जा रही है. हम बिहार की जनता के संघर्ष और उनके सवालों का जवाब मौजूदा सरकार से मांगेंगे. बता दें कि शिल्पी नेहा तिर्की जल्द बिहार दौरे का पूरा शेड्यूल बन जाएगा ताकि बिहार विधानसभा चुनाव में वह अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके.

छठ पूजा झारखंड में हाई अलर्ट, घाटों पर ड्रोन से रखी जाएगी निगरानी, रांची में 1 हजार पुलिस तैनात

रांची, संवाददाता

झारखंड में छठ महापर्व को लेकर राज्य भर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है. सोमवार शाम होने वाली मुख्य अर्घ्य की पूजा-अर्चना को देखते हुए सभी प्रमुख जलाशयों और घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं. पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, रांची और जमशेदपुर समेत सभी बड़े शहरों में अतिरिक्त पुलिस बल, ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं. संवेदनशील घाटों पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें भी तैनात की गई हैं.

रांची के 62 जलाशयों को तीन कैटेगिरी में बांटा गया है

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि राजधानी के कुल 62 जलाशयों को जोखिम के आधार पर तीन श्रेणियों- ए, बी और सी- में बांटा गया है. ए श्रेणी के घाटों को उच्च जोखिम वाला, बी को संवेदनशील और सी को सामान्य श्रेणी में रखा गया है. उन्होंने बताया कि सबसे अधिक जोखिम वाले घाटों पर कम से कम 20 सुरक्षाकर्मी, संवेदनशील घाटों पर 10 और सामान्य घाटों पर पांच सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे. वहीं, पिछले वर्ष जिन 19 स्थानों पर चोरी की घटनाएं हुई थीं, वहां इस बार बाइक सवार पुलिस कर्मी गश्त करेंगे. इसके अलावा सात त्वरित कार्रवाई दल (क्विक रिस्पॉन्स टीम) भी अलर्ट पर रहेंगे.

रांची के प्रमुख जलाशय पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम तैनात

रांची शहर के प्रमुख जलाशयों- बड़ा तालाब, कांके बांध, धुर्वा बांध, हतनिया तालाब और लेन टैंक तालाब पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं. सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि इन घाटों पर लगभग 1,000 पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके.

करीब 1 हजार यातायात पुलिस कर्मी संभालेंगे ट्रैफिक व्यवस्था

वहीं, पुलिस अधीक्षक (यातायात) राकेश सिंह ने बताया कि करीब 1,000 यातायात पुलिसकर्मी त्योहार के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था संभालेंगे. इनमें 450 महिला और 550 पुरुष पुलिसकर्मी शामिल हैं. इसी तरह, जमशेदपुर, धनबाद और बोकारो सहित अन्य जिलों में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है. जमशेदपुर में प्रशासनिक अधिकारियों ने नदी किनारे स्थित घाटों का निरीक्षण किया, जबकि धनबाद में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है.

सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने विनोद पांडेय की माताजी को दी श्रद्धांजलि

रांची, संवाददाता

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन आज राज्य समन्वय समिति के सदस्य सह झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय के रांची स्थित हरमू हाउसिंग कॉलोनी के आवास पर पहुंचे। उन्होंने स्वर्गीय जलेश्वरी देवी के ह्लब्राह्मण भोजह्व सह ह्लकुटुंब भोजह्व में सम्मिलित होकर स्मृति शेष जलेश्वरी देवी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सीएम ने परिवार को दी सांत्वना

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने विनोद कुमार पाण्डेय तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को सरेंडर कराने के नाम पर गुजराती ने ठगे 48 लाख

रांची, संवाददाता

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को सरेंडर कराने की फर्जी साजिश रच कर गुजराती ने उससे 48 लाख रुपये की ठगी की थी. सरेंडर के नाम पर दिनेश गोप को ठगने के लिए गुजरात के नंदलाल स्वर्णकार ने खुद को प्रधान मंत्री कार्यालय के अधीन चलने वाले National Technical Research Organisation का निलंबित कर्मचारी बताया था. ठगी के इस रकम में से नंदलाल ने 17 लाख रुपये लेकर डेयरी का व्यापार शुरू कर दिया. एऊ और ठक्अ द्वारा की गयी जांच के दौरान दिनेश गोप को ठगने के लिए रची गयी इस साजिश का पदार्फाश हुआ है.दिनेश गोप झारखंड का दुर्दांत उग्रवादी है. वह रांची, खूंटी, चाईबासा, सिमडेगा, गुमला समेत कई जिलों में सक्रिय प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई का प्रमुख है. उसके खिलाफ चार दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं. उसे पुलिस ने नेपाल से गिरफ्तार किया था. अभी वह जेल में बंद है.

जानकारी के मुताबिक रांची जिले के बेड़ो निवासी चंद्रशेखर से हुई पूछताछ के दौरान ठगी के लिए रची गयी इस साजिश की जानकारी जांच एजेंसियों को पहली बार मिली. चंद्रशेखर PLFI सुप्रिमों दिनेश गोप के संगठन का सदस्य था. उसने पूछताछ के दौरान जांच एजेंसियों को यह बताया कि दिनेश गोप की गिरफ्तारी के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दवाब बढ़ने के साथ ही संगठन के लोगों ने उसे सरेंडर कराने की कोशिशें शुरू कर दी. इसी कोशिश के दौरान नवीन भाई जयंती भाई पटेल से संपर्क हुआ. सरेंडर कराने के लिए पैसों की मांग हुई. नवीन भाई ने दिल्ली निवासी नंदलाल स्वर्णकार से परिचय कराया. नंदलाल ने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन चलने वाले NTRO का निलंबित कर्मचारी बताया. सरेंडर कराने के लिए पैसों की मांग हुई. इसके बाद वह सुमन कुमार और जितेंद्र कुमार के साथ दिल्ली गया. हवाला नेटवर्क के सहारे पानीपत 48 लाख रुपये पहुंचाया गया. इसमें से तीन लाख रुपए कमीशन के तौर पर काट लिये गये. दिल्ली पहुंचने के बाद होटल अशोक में मिलने की व्यवस्था की गयी. वहां नंदलाल स्वर्णकार और नवीन भाई जयंती भाई पटेल से मुलाकात हुई. होटल मे ही नंदलाल स्वर्णकार को 43 लाख रुपये नकद दे दिया गया.

सुप्रीम कोर्ट में सारंडा सेंक्चुरी मामले की सुनवाई 27 को

रांची, संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट में सारंडा को Sanctuary घोषित करने के मामले में 27 अक्तूबर को सुनवाई होगी. मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायाधीश के विनोद चंद्रन की पीठ में होने वाली सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से दायर किये गये शपथ पत्र पर विचार किया जायेगा. इस मामले की सुनवाई इससे पहले 17 अक्तूबर को हुई थी. सुनवाई के दौरान कोर्ट के निर्देश के आलोक में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दायर कर सारंडा को सेंक्चुरी घोषित करने का Undertaking दिया गया है. इसमें आठ अक्तूबर को दिये गये निर्देश के आलोक में सेंक्चुरी क्षेत्र में पड़ने वाले माइंस, वैध लीज और रहने वाली आबादी को सेंक्चुरी के प्रभाव क्षेत्र से मुक्त रखने का अनुरोध किया गया है. उल्लेखनीय है कि आठ अक्तूबर को हुई सुनवाई के दौरान न्यायालय ने राज्य सरकार को 57519.41 हेक्टेयर के बदले 31468.25 हेक्टेयर को सेंक्चुरी घोषित करने की अनुमति दे दी थी. साथ ही रअक्छ और वैध लीज के खनन क्षेत्र को सेंक्चुरी के प्रभाव से मुक्त रखने का निर्देश दिया था. राज्य सरकार ने न्यायालय के आदेश के आलोक में शपथ पत्र दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा था. इसके बाद सारंडा के मामले की सुनवाई 14 अक्तूबर को हुई. लेकिन राज्य सरकार ने शपथ पत्र दायर करने के बदले और एक दिन का समय मांगा. न्यायालय ने इसे स्वीकार करते हुए 17 अक्तूबर को सुनवाई की तिथि निर्धारित की. 17 अक्टूबर को राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दायर किया गया. हालांकि कोर्ट ने सरकार की ओर से दायर शपथ पत्र पर बाद में विचार करने का फैसला किया.

झारखंड में महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी में फंसा पेंच

रांची, संवाददाता

झारखंड में महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह को महिला इकाई की कमान सौंपने के ठीक एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी महिला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी और जिलाध्यक्ष की नियुक्ति अधर में लटकी हुई है. इसकी एक वजह यह है कि महिला कांग्रेस की झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी और सभी जिलों में महिला कांग्रेस जिलाध्यक्षों के नाम घोषित नहीं हो पाए हैं.

इनको मिलेगी जिम्मेदारी

इस सवाल के जवाब पर महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह बताती हैं कि, महिला कांग्रेस ने अपनी रणनीति बदली है. अब प्रदेश कार्यकारिणी और जिले में महिला कांग्रेस के पदाधिकारी के रूप में जिम्मेदारी और जवाबदेही उन्हीं को मिलेगी, जिन्होंने संगठन सृजन कार्यक्रम और सदस्यता अभियान में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाया होगी. झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की नेता क्या सदस्यता अभियान में टारगेट पूरी नहीं कर पा रही हैं? इस सवाल के जवाब में गुंजन सिंह कहती हैं कि 'ऐसा कोई नहीं है', लगातार पर्व एवं त्योहार और महिला कांग्रेस के कई नेता ऑब्जर्वर बनकर बिहार गई है. वहां चुनाव के बाद जब वह वापस झारखंड आएंगी तो सदस्यता अभियान का लक्ष्य पूरा करेगी और फिर प्रदेश कार्य महिला कांग्रेस कार्यकारिणी और शेष बचे 14 जिलों के लिए महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष के नाम भी नवंबर महीने में घोषित कर दिए जाएंगे.

गुंजन सिंह को फिर से मिली महिला कांग्रेस की कमान

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने 11 अक्टूबर को झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की कमान फिर से गुंजन सिंह को सौंपने के साथ साथ प्रदेश स्तर की 19 पदाधिकारियों और 10 जिलाध्यक्षों के नाम घोषित किये थे. ऑल इंडिया महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा के हस्ताक्षर से जारी, झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की नई प्रदेश कार्यकारिणी एवं 10 महिला कांग्रेस जिला अध्यक्षों की सूची जारी की थी. इसमें प्रदेश कार्यकारिणी के कई पदों के अलावा 14 जिलों में महिला कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के नाम भी घोषित नहीं हो सके हैं.

घोषित महिला पदाधिकारियों के नाम

दरअसल, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा द्वारा जारी पहली सूची में एक अध्यक्ष गुंजन सिंह, दो उपाध्यक्ष बॉबी भगत, सुंदरी देवी के साथ साथ 11 महासचिव जिसमें इंदु लेखा भगत, मीनू सिंह, नेहा कुमारी, सुषमा कुमारी, रजनी बंसल, अजंता समद, लैला परवीन, विनीता देवी, बिंदी देवी, इंदु सिंह और बेबी देवी का नाम शामिल है जबकि 6 प्रदेश सचिव जिसमें रिया तिर्की, हीरा हिलारिया एक्का, शहनाज खातून, दुर्गा शर्मा, संगीता बेक और अनिता देवी को यह जिम्मेदारी मिली है.

10 जिलों में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी

10 नए जिलाध्यक्षों में धनबाद से सीता राणा, सिमडेगा से जोसीमा झाकसा, खूंटी से सुनीता गोप, रांची ग्रामीण से मेरी तिर्की, रांची शहर से नीतू देवी, लोहरदगा से सीमा परवीन, रामगढ से मंजी जोशी, लातेहार से अनिता देवी, पलामू से रेखा सिंह और देवघर से प्रमिला देवी को यह जिम्मेदारी मिली है. अब तक राज्य के अति महत्वपूर्ण जिले जैसे पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, बोकारो, हजारीबाग, सरायकेला-खरसावां, गिरिडीह, गोड्डा, पाकुड, साहिबगंज, दुमका, गढ़वा, जामताड़ा, गुमला, कोडरमा और चतरा जैसे जिलों में महिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त नहीं हो सकी है.

फिर दिखेगा रांची का जलवा, रांची रॉयल्स मैदान में उतरने के लिए तैयार

रांची, संवाददाता

हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआइएल) 2025-26 का शेड्यूल शनिवार को जारी कर दिया गया. इस बार का सीजन रोमांच और नये जोश से भरा रहेगा. महिला लीग की शुरूआत 28 दिसंबर 2025 से होगी और सभी मैच रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले जायेंगे. फाइनल मुकाबला 10 जनवरी 2026 को होगा. पुरुष लीग तीन जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर के मैदानों में खेलेगी.

पूरे 19 दिनों तक पूरा हॉकी के समर का साक्षी बनेगा झारखंड

इस बार एचआइएल में रांची रॉयल्स (महिला और पुरुष दोनों) की टीम मैदान में होगी. रांची रॉयल्स के आधिकारिक लोगो का भी इस मौके पर अनावरण किया गया. हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि सलीमा टेटे को रांची रॉयल्स टीम में लाने का प्रयास हो रहा है. सलीमा वर्तमान में हरियाणा टीम की कप्तान हैं. पूरे 19 दिनों तक पूरा झारखंड हॉकी के समर का साक्षी बनेगा. खुशी की बात यह है कि इस बार एचआइएल में रांची की दोनों टीमें हिस्सा ले रही हैं. उद्घाटन समारोह में खेल मंत्री सुदिव्य कुमार, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, रांची रॉयल्स के मालिक एल्विश एमए और लाजरुस बारला, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह, संगीता कुमारी, निक्की प्रधान, आशीष तानी पूर्ति और ब्यूटी डुंगडुंग मौजूद थे.

महिला लीग में चार टीमें हिस्सा लेंगी

रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब और श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स उद्घाटन मैच रांची रॉयल्स और एसजी पाइपर्स के बीच होगा. वहीं पुरुष वर्ग में कुल आठ टीमें मैदान में उतरेगी और 33 मैच खेले जायेंगे. 28 दिसंबर को उद्घाटन मुकाबला रांची रॉयल्स व एसजी पाइपर्स के बीच होगा.

पुरुष : एचआइएल तीन जनवरी से

पुरुष एचआइएल के मैच तीन जनवरी से नौ जनवरी तक खेले जायेंगे. उद्घाटन तीन जनवरी को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होगा. जहां टीमें अपना अभियान की शुरूआत करेगी. इसके बाद 11 से 16 जनवरी तक मैच रांची के मरांग गोमके जयपाल स्टेडियम में खेला जायेगा. फिर 17 से 26 जनवरी तक तीसरे और अंतिम चरण के लिए टीम भुवनेश्वर जायेगी.

सलीमा को माटी का कर्ज चुकाना चाहिए : मंत्री

खेल मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि दोनों टीमों में ज्यादातर खिलाड़ी झारखंड से ही हैं. लेकिन सलीमा का रांची टीम से न होना टीम अधूरा सा लगता है. सलीमा टेटे झारखंड की बेटी है, सरकार ने भी उन्हें हरसंभव मदद की है. सलीमा को माटी का कर्ज चुकाना चाहिए, रांची की टीम से खेलना चाहिए. सरकार की मंशा है कि झारखंड में ज्यादा से ज्यादा खेल गतिविधियां हों और बच्चों को फायदा मिले. मौके पर खेल मंत्री ने स्टेडियम का भी निरीक्षण किया. संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये.

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन ने स्वर्गीय जलेश्वरी देवी जी के ब्राह्मण भोज सह कुटुंब भोज में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की

■ मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने शोक-संतप्त परिवार को सांत्वना दी और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

संवाददाता । रांची

रांची:मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन आज राज्य समन्वय समिति के सदस्य सह झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के केंद्रीय महासचिव श्री विनोद कुमार पाण्डेय के रांची स्थित हरमू हाउसिंग कॉलोनी के आवास पर पहुंचे। उन्होंने स्वर्गीय जलेश्वरी देवी जी के ब्राह्मण भोज सहकुटुंब भोज में सम्मिलित होकर स्मृति शेष जलेश्वरी देवी जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन ने श्री विनोद कुमार पाण्डेय तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन ने श्री विनोद कुमार पाण्डेय तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

रांची में 250 से अधिक कृत्रिम जलाशयों का निर्माण – महानगर छठ पूजा समिति की तैयारी जोरों पर

आलोक कुमार दूबे बोले — जल ही जीवन है, छठ महापर्व प्रकृति से जुड़ाव और स्वच्छता का संदेश देता है

संवाददाता । रांची

रांची।राजधानी रांची में इस वर्ष छठ महापर्व को लेकर रांची महानगर छठ पूजा समिति की तैयारियाँ पूरे जोरों पर हैं। समिति की देखरेख में शहरभर में 250 से अधिक छोटे-बड़े कृत्रिम जलाशयों का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में सूर्य उपासना कर सकें।रांची महानगर छठ पूजा समिति के अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे , मुख्य संरक्षक लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं संयोजक डॉ राजेश गुप्ता के नेतृत्व में छप्पन सेट मैदान परिसर के साथ साथ राजधानी में लगभग 250 कृत्रिम तालाब का निर्माण कराया गया है। उन्होंने बताया कि पूरे शहर में भक्ति और आस्था के वातावरण में छठ पूजा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।श्री दूबे ने कहा कि समिति के नेतृत्व में राजधानी के सभी कृत्रिम तालाबों, जलाशयों और छठ घाटों की साफ-सफाई तेजी से की जा रही है। साथ ही नगर निगम के सहयोग से पानी की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है। व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दूध, नारियल, सुप, फल-फूल सहित सभी पूजन सामग्रियों की मुकम्मल व्यवस्था की गई है।

मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने कहा कि –

ह्णप्रकृति के साथ जुड़ाव का यह पर्व हमें नदियों, तालाबों और जलाशयों के महत्व की याद दिलाता है।इसका संदेश है – जल ही जीवन है, इसलिए इन्हें स्वच्छ और सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।मुख्य संरक्षक ने सभी छठ पूजा समितियां को निर्देश दिया है कि वह सरकार एवं जिला प्रशासन के द्वारा दिए गए निदेशों को निश्चित रूप से पालन करें जिसमें मुख्य रूप से भीड़ की क्षमता का आकलन कर प्रवेश एवं निकास मार्ग को ठीक से चिन्हित करना है, आयोजन स्थल पर निगरानी हेतु सीसीटीवी, वॉकी-टॉकी एवं स्थानीय प्रशासन व पुलिस प्रशासन से समन्वय स्थापित करना है, प्राथमिक चिकित्सा किट निश्चित रूप से सबको रखना है। इस बार के भारी बारिश को देखते हुए फिसलने वाली जगह पर बच्चों बुजुर्गों को जाने से रोकता है, तेज धार में स्नान अथवा बिना जल स्तर जांचे नदी में उतरने के लिए कमिटी आम जनों को जागरुक करते रहना है।आयोजक यह भी सुनिश्चित करें कि किसी भी सूरत में छठ घाट पर आतिशबाजी नहीं होनी चाहिए।

समिति के पदाधिकारी लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. राजेश गुप्ता (छोटू), गौतम दूबे,रितेश सिंह ,प्रो.विजय सिंह,विनय सिंह, महेन्द्र प्रसाद, शशिकांत,विजय गुप्ता, मेंहुल दूबे, अश्विन कुमार, विशाल सिंह,विजय सिंह, अभिषेक साहू, संजीत यादव, विवेक सिंह, रोहित कुमार, दीपक ठाकुर, नितेश छेत्री,

मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी रांची नई कमेटी का सम्मान समारोह

संवाददाता । रांची

रांची:आज दिनांक-26/10/2025 को जमिअतुल मोमेनिन चौरासी झारखंड के विंग मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी रांची का सम्मान समारोह मदीना मस्जिद चौक (भटटी चौक) साउथ स्ट्रीट हिंदपिढ़ी रांची में संपन्न हुई। ईस सममान समारोह की अध्यक्षता जनाब मास्टर सिद्दीक अंसारी अमीर सरपरसत कमिटी एवं संचालन जनाब शकील अंसारी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत तिलावत ए कुरान से जनाब हाफिज माज साहब ने किया।

ईस दस्तार बंदी मे निम्नलिखित विंगों पदाधिकारियों और मरकजी से जुड़े प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया।

सरपरसत कमिटी

1- मास्टर सिद्दीक अंसारी (अमीर)

2- अली अंसारी

3- मो मुजम्मिल अंसारी

4- शकील अंसारी

केन्द्रीय एड हाक कमिटी

सदर- हाजी मो मजहर, डोरंडा

नायब सदर- मो जबीउललाह , रांची

महासचिव- मो शमीम अख्तर, डोरंडा

सचिव- शोएब अंसारी, रेसालदार नगर

सचिव- मो फिरोज अख्तर , पुरानी रांची

जमीअतुल हवारीन झारखंड द्वारा आयोजित जागरूकता सेमीनार सफलता पूर्वक सम्पन्न

संवाददाता । रांची

रांची:जमीअतुल हवारीन झारखंड के तत्वावधान में कर्बला चौक स्थित काम्यूनिटी हाल में एकदिवसीय सेमीनार आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जमीअतुल हवारीन झारखंड के अध्यक्ष मो. इसलाम ने की।मो. इसलाम ने अपने सम्बोधन में सेमीनार के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए एस.आई. आर(गहन मतदाता पुनरीक्षण), वक्फ के मिल्कियत की हिफाजत,आलिम-फाजिल डिग्री का मामला एवं अंजुमन इस्लामिया रांची के होने वाले चुनाव के लिए आम लोगों में जागरूकता लाना एवं अपने संवैधानिक हक के लिए आगे आना ही इस सेमिनार का मूल उद्देश्य है से सम्बंधित मूल बातें कही। उन्होंने अपने हक की आवाज बुलंद करने पर बल देते हुए समाज के हर वर्ग को आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जमीअतुल हवारीन के मीडिया प्रभारी वहाब दानिश नेइलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से उपरोक्त तमाम एजेंडे पर विस्तार से लोगों को जानकारी दी एवं कहा कि प्रत्येक पंचायत के प्रत्येक प्रतिनिधि अपने अपने पंचायत में इसका प्रचार - प्रसार कर लोगों में जागरूकता लाने का काम समय से पहले करें। वक्फ की प्रापर्टी पर विस्तार से बताते हुए 5 दिसम्बर 2025 से पूर्व वक्फ की सम्पत्ति वक्फ पोर्टल में आनलाईन करा लेने की भी बात कही। सेमिनार में अधिवक्ता मो. शमीम एवं जमीअतुल मोमेनीन चौरासी के उपाध्यक्ष जबीउल्लाह अंसारी व फिरोज अंसारी ने अपने सम्बोधन में अंजुमन चुनाव पर कहा कि अंजुमन इस्लामिया के चुनाव में साफ सुथरे छवि, शिक्षित व्यक्ति एवं सामाजिक समानता की विचारधारा के सोच रखने वाले व्यक्ति को चुनें ताकि उनके माध्यम से समाज हित में काम हो सके।वहाब दानिश ने अपने सम्बोधन में एक मिशन,एक विजन एवं इम्पावरमेंट से सम्बंधित बातें अंजुमन के चुनाव के लिए कही एवं कहा कि जाति से ऊपर उठकर शिक्षित एवं साफ सुथरे छवि के लोगों को ही अंजुमन में चुनकर लाएं एवं सभी का शुक्रिया अदा करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। सेमीनार में हाजी हलीम हवारी,हाजी अहमद,फिरोज अंसारी, सुहैल खान, आफताब आलम,राफे कमाल,मो. परवेज (गुड्डू)ने भी अपनी बातें रखीं जबकि इमरान हवारी, खुर्शीद हवारी, नौशाद आलम, परवेज आलम , बब्लू भाई,मो. तबरेज,आशिक हवारी,

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में छठ पूजा खरना पर 101 किलो खीर का लगा भोग, हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

संवाददाता । रांची

रांची:श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 235 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा प्रणामी ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया। आज छठ महापर्व खरना पूजा के अवसर पर 101 किलो दूध का खीर का भोग लगाया गया।श्री राधा कृष्ण जी का दिव्य अलौकिक श्रृंगार किया गया।खीर महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों द्वारा मनमोहक सुमधुर भजनों मे अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय एवं भक्तिमय बन गया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई?। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आज श्री राधा कृष्ण मंदिर में 4 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किये। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सूर्य ऊर्जा के प्रति कृतज्ञता का भी प्रतीक है। छठ पूजा भारतीय संस्कृति की उस अनमोल परंपरा का उत्सव है जो मनुष्य और प्रकृति के अटूट बंधन को दर्शाता है। यह पर्व श्रद्धा शुद्धता और समर्पण का प्रतीक है। इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल,निर्मल जालान,शिव भगवान अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया,ज्ञान शर्मा, निर्मल छावनिका,पूरणमल सर्राफ, संजय सर्राफ,विष्णु सोनी, बिजय अग्रवाल, मनीष सोनी,मुरली प्रसाद,हरीश कुमार, परमेश्वर साहू, बसंत वर्मा,सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे।

डॉ. अमित साहु के साथ खड़ा वैश्य मोर्चा-महेश्वर

संवाददाता । रांची

रांची के डॉ. अमित साहु के साथ दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में अमानवीय व्यवहार की झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा घोर निंदा करता है। उनका एडमिशन डीएम कार्डियोलॉजी के महत्वपूर्ण कोर्स में हुआ है। लेकिन उनसे लगातार 36 घंटे ड्यूटी कराई जाती है। इसके विरोध में उन्होंने इस्तीफा देकर नियमसंगत ड्यूटी रोस्टर की मांग की है। जो बिलकुल जायज है। दिल्ली सरकार से वैश्य मोर्चा मांग करता है कि उन्हें सम्मानित तरीके से नियमानुसार ड्यूटी निर्धारित करके अपना कोर्स पूरा करने का उचित वातावरण प्रदान करे। अवैध तरीके से लगातार 36 घंटे ड्यूटी के कारण युवा चिकित्सकों को काफी मानसिक और शारीरिक थकावट का शिकार होना पड़ता है। जीबी पंत अस्पताल में भारत सरकार के 1992 के नियमों की अवहेलना करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो।

थैलेसीमिया एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री हेमंत महोदय की कार्रवाई को उचित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया

■ थैलेसीमिया एसोसिएशन एवं झारखंड भर के रक्तदान संगठनों के समन्वय संगठन ने माननीय मुख्यमंत्री हेमंत महोदय की कार्रवाई को उचित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया

संवाददाता । रांची

थैलेसीमिया एसोसिएशन एवं झारखंड भर के रक्तदान संगठनों के समन्वय संगठन ने माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी महोदय ने चाईबासा में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने पर पश्चिमी सिंहभूम सीएस एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों को निलंबित करने का आदेश उचित कार्रवाई है।इस तरह की अमानवीय/असंवेदनशील लापरवाही झारखंड में पूर्व में भी हो चुकी है पर भविष्य में व्यवहारिक/तार्किक/क्रियान्वयन पर अमूलचूल सुधार की बेहद जरूरत है।जिसपर थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों/सक्रिय रक्तदान संगठनों/रक्तदान आयोजकों के साथ माननीय मुख्यमंत्री को संबंधित पदाधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक करनी चाहिए,जिससे भविष्य में थैलेसीमिया/सिकल सेल/अप्लास्टिक एनीमिया के पीड़ितों/परिजनों एवं सक्रिय रक्तदान संगठनों/रक्तदान आयोजकों की परेशानियों को हल किया जा सके।

ब्रीफ न्यूज

झारखंड में 29 और 30 अक्टूबर को चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर देखने को मिलेगा,

संवाददाता । रांची

रांची:झारखंड में 29 और 30 अक्टूबर को चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर देखने को मिलेगा, जिससे संताल और कोल्हान प्रमंडल में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और 27 अक्टूबर तक एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है।

भारतीय एकता कमेटी ने महापर्व छठ पर दूध वितरण किया

संवाददाता । रांची

रांची: सभी धर्म समुदाय को सम्मान दें , यही देश की खूबसूरती : गुलाम मुस्तफा रांची। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महापर्व पवित्र छठ पूजा के शुभ अवसर पर सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी रांची झारखंड में छठ बरतीयों को दूध का वितरण किया गया। इस अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा के सभी धर्म समुदाय को सम्मान देना हम सभी का कर्तव्य है और यह देश की सबसे बड़ी खूबसूरती है । हम सभी देशवासी आपस में भाई-भाई हैं । सचिव रामेश्वर राम ने कहा के शुरू से भारतीय एकता कमेटी सभी धर्म समुदाय के लिए शुभ कार्य कर रही है और आगे भी करते रहेगी ।सभी को शुभ कार्य में सहयोग देना चाहिए । पवन कुमार और अप्पू राम ने भारतीय एकता कमेटी के शुभ कार्य की सराहना की और कहा के सभी देशवासी आपस में मिलजुल कर रहे हैं ।एक दूसरे को सम्मान करें यही हमारे देश की अच्छाई है । समाज में देश में एकता भाईचारा अमन शांति प्यार मोहब्बत बना रहे ।

मांडर थाना क्षेत्र में मोबाइल दुकान चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार, 50 सामान बरामद

संवाददाता । रांची

रांची: मांडर : मांडर थाना क्षेत्र के गुलजार मोबाइल दुकान में गत 17 अक्टूबर को हुई चोरी का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी जुल्फान आदम अंसारी (30) वर्ष को दबोच लिया है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी जुल्फान की निशानदेही पर रातु थाना क्षेत्र के बनापीढ़ी मोड़ स्थित एक ठिकाने से चोरी हुआ सारा माल बरामद कर लिया गया है। आरोपी जुल्फान फिलहाल बनापीढ़ी में रह रहा था, लेकिन उसका मूल निवास महाराष्ट्र बताया जा रहा है। डीएसपी रामनारायण चौधरी और थाना प्रभारी मनोज करमाली ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल दुकान से चोरी हुए कुल 50 सामान बरामद किए गए हैं। बरामद सामानों में 3 स्मार्ट वॉच, 3 एंड्रॉयड फोन, 8 कीपैड फोन, 25 हैडफोन, 11 पुराने मोबाइल, बिल बुक और एक चेक शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी से गहन पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में लेकर रांची जेल भेज दिया है।

राजधानी रांची में छठ महापर्व को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

संवाददाता । रांची

रांची: राजधानी रांची में छठ महापर्व को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। छठ घाटों पर प्रशासन ने दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी सहित लगभग पांच हजार जवानों की तैनाती की है। राजधानी के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और जवानों को 27 अक्टूबर की दोपहर 2:00 बजे तक और 28 अक्टूबर की तड़के सुबह 3:00 तक छठ घाट पहुंचने का निर्देश दिया गया है। घाटों पर जिला पुलिस, बीएमपी, जैप, आईआरबी, एनडीआरएफ और रैफ के जवान तैनात रहेंगे। शहर भर के घाटों पर सादे लिबास में महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। साथ ही असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है । छठ घाटों पर वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रखने का निर्देश दिया गया है। सीसीटीवी कैमरा और ड्रोन कैमरे से छठ घाटों की निगरानी की जाएगी। रांची एसएसपी राकेश रंजन ने शनिवार को बताया कि छठ महापर्व को लेकर राजधानी रांची के सभी छठ घाटों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

मंत्री शिल्पी तिर्की बनी बिहार विधानसभा चुनाव में एआईटीसी की ऑब्जर्बर

संवाददाता । रांची

रांची: रांची : बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस (एआईटीसी) की तरफ से ऑब्जर्बर बनाया गया है। इसको लेकर ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया ने पत्र जारी कर दी है। बिहार चुनाव में ऑब्जर्बर बनाए जाने के बाद कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी किया

सूर्य मंदिर के छठ घाट पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास अर्पित करेंगे भगवान भास्कर को अर्घ्य

छठ महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर सूर्य मंदिर समिति की तैयारी हुई पूरी

जमशेदपुर, संवाददाता

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर लौहनगरी जमशेदपुर वासियों में गजब का उत्साह नजर आ रहा है। लोग अपने-अपने तरीके से पर्व में सहयोग कर पुण्य के भागी बन रहे हैं। इसी क्रम में रविवार सूर्य मंदिर समिति द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्र के जरुरतमंद छठ व्रतधारियों के बीच निःशुल्क पूजन सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह समेत कई वरीय सदस्य एवं पदाधिकारी मुख्य रूप से शामिल होकर ग्यारह सौ व्रतधारियों व उनके परिजनों के बीच फल व सम्पूर्ण पूजन सामग्री का वितरण किया।

वहीं समिति द्वारा व्रतधारियों के बीच पूजन सामग्री का कूपन पूर्व में ही आवंटित किया गया था। इसके अलावा मंदिर में आये सैकड़ो जरूरतमंद व्रतधारियों को श्रद्धापूर्वक पूजन सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि छठ महापर्व हमारी लोक आस्था, संयम और पवित्रता का प्रतीक है। जो हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामाजिक एकजुटता का संदेश देता है।

सूर्य मंदिर समिति द्वारा किए जा रहे इस सेवा कार्य से जरूरतमंद व्रतधारियों को संबल के साथ समाज में सहयोग और सद्भाव की भावना को मजबूती मिलेगी। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों को इस पहल के लिए बधाई भी दी। साथ ही लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा पर होने वाले छठ महोत्सव के आयोजन को लेकर सूर्य मंदिर समिति ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्य संरक्षक सह पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह समेत समिति के वरीय सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान आयोजन की सफलता एवं भव्यता को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा भी की गई। वहीं जानकारी देते हुए अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सूर्य मंदिर समिति ने छठ महोत्सव में व्रतधारियों की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए व्यापक तैयारी की है।

जिसमें मंदिर परिसर के दोनों छठ घाटों में स्वच्छ-निर्मल जल, पूरे सूर्य मंदिर परिसर में सुंदर पुष्प सज्जा के साथ मंदिर व आस-पास के क्षेत्र में रंगबिरंगी लाइटों से आकर्षक विद्युत सज्जा एवं यातायात नियंत्रण की व्यवस्था की गई है। दोपहर 2 बजे छठ घाट के सभी प्रवेश द्वार को खोल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले आओ-पहले पाओ की तर्ज पर श्रद्धालु छठ घाट तालाब पर भगवान भास्कर को अर्घ्य देंगे। इसके साथ ही सांस्कृतिक संध्या के तहत 6 बजे से सुप्रसिद्ध लोक गायिका डिम्पल भूमि, प्रसिद्ध गायिका मानवी सिंह एवं स्थानीय कलाकार सूर्य मंदिर के शंख मैदान में भक्ति संगीत की धारा श्रद्धालुओं के बीच बहाएंगे।

अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने संगीत प्रेमी शहरवासियों से संध्या 6 बजे से सूर्य मंदिर परिसर के शंख मैदान में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक संध्या में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने और छठ गीतों के साथ लोकगीत व भजन संगीत के आनंद लेने की अपील भी की है। मौके पर सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, अमरजीत सिंह राजा, पवन अग्रवाल, शैलेश गुप्ता, बंटी अग्रवाल, प्रेम झा, प्रमोद मिश्रा, कंचन दत्ता, बोलटू सरकार, चंद्रशेखर मिश्रा, गुंजन यादव, दिनेश कुमार, कमलेश सिंह, जीवन साहू, युवराज सिंह, अशोक सामंत, ओम पोद्दार, रंजीत सिंह, रमेश पांडेय, मधुमाला, सुधा यादव, शीलू साहू, लकी कौर, धनराज गुप्ता समेत अन्य भी मौजूद थे।

मानसरोवर कलोनी में सीआईएसएफ के बंद आवास में ताला तोड़कर चोरों ने नगदी समेत लाखों की चोरी की

धनबाद, संवाददाता

बाघमारा थाना अंतर्गत डुमरा सायर बांध स्थित मानसरोवर कलोनी में किराये के मकान में रह रहे सीआईएसएफ के एएसआई पवन कुमार मिश्रा एवं हेड कांस्टेबल शत्रुँजय तिवारी के बंद आवास का ताला तोड़कर चोरों ने नगदी समेत लाखों रुपए की गहने पर अपना हाथ साफ कर दिया। घटना शनिवार रात एक बजे की बताई जा रही है। घटना के संबंध में पवन कुमार मिश्रा ने बताया कि शनिवार को शाम पांच बजे घर बंद करके ड्यूटी करने भीटीसी सेंटर मुराईडीह गया हुआ था। रविवार सुबह जब ड्यूटी करके घर पहुंचा तो घर का ताला टूटा देखा । वही उपर के मकान में रह रहे हेड कांस्टेबल शत्रुँजय तिवारी के घर का भी ताला टुटा हुआ पाया। हेड कांस्टेबल शत्रुँजय इलेक्शन ड्यूटी में बाहर गया हुआ है। साथ है उनका परिवार छठ के लिए घर गया हुआ था। चोरी की जानकारी शत्रुँजय को फोन से देने के बाद , उन्होंने बताया की अलमीरा के अंदर 7 हजार नगद तथा 50 हजार का चांदी का जेवरात रखा हुआ था। लगता है आलमारी तोड़कर चोर ले गये है। तिवारी के इलेक्शन ड्यूटी से आने के बाद ही सही सही पता चल पायेगा कि कितने का चोरी हुई है। जिसके बाद मैंने घटना की सूचना बाघमारा पुलिस की दिया। भुक्तभोगी ने बताया कि सबसे पहले चोरो ने मेन गेट का ताला तोड़कर मेरे घर के अंदर घुसा होगा। चोरों ने मेरे घर के सभी कमरों को खंगाला कर आलमारी के लॉकर को तोड़ा। अलमीरा के अंदर रखे 22 हजार नगदी समेत सोने का एक मंगलसूत्र, पांच पीस सोने का रिंग समेत चांदी का पायल चोरी हुआ है। जिसकी अनुमानित कीमत 3 लाख की अंकी गई है। एएसआई पवन कुमार ने इस मामले पर बाघमारा पुलिस को सूचना दी है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। सीआईएसएफ के एएसआई पवन कुमार एवं हेड कांस्टेबल शत्रुँजय तिवारी दोनों बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र में कार्य करते है।

छठ पूजा के खरना दिन बाजार में भीड़, बोकारो और आसपास के क्षेत्रों में खरीदारी का रौनक

बोकारो, संवाददाता

छठ पूजा के खरना के पावन अवसर पर बोकारो शहर और आसपास के क्षेत्रों में बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिली। खासकर नया मोड़, ढूंदीबाजार और चास के प्रमुख बाजारों में लोग खरादारी के लिए सुबह से ही जुट गए। बाजारों में फल, सब्जी, मिठाई, पूजा सामग्री और अन्य दैनिक जरूरत की चीजों की दुकानों पर खरीदारी का विशेष रौनक देखने को मिली। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि इस अवसर पर ग्राहकों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में दोगुनी से अधिक हो जाती है। कई लोग अपने परिवार और रिश्तेदारों के लिए विशेष सामग्री खरीदते नजर आए। बाजार में रौनक के साथ सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के उपाय भी लागू किए गए थे। स्थानीय प्रशासन ने सुनिश्चित किया कि लोग व्यवस्थित तरीके से खरीदारी कर सकें। बाजार में उपस्थित लोग भी खुश नजर आए और उन्होंने कहा कि छठ पूजा का त्योहार हर साल समाज में भाईचारे और एकता का संदेश फैलाता है। इस मौके पर लोग न केवल पूजा सामग्री खरीदते हैं, बल्कि परिवार और मित्रों के साथ समय बिताकर त्योहार का आनंद भी लेते हैं। छठ पूजा के इस खास दिन की खरीदारी ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत किया और बाजारों में व्यापारियों की उत्साहपूर्ण स्थिति दिखाई दी।

तेनुघाट में छठ पर्व का उल्लास, व्रतियों ने किया खरना पूजन

बोकारो, संवाददाता

लोक आस्था का महान पर्व छठ के दूसरे दिन छठ व्रतियों ने खरना पूजन कर 36 घंटे के निर्जला उपवास की शुरूआत की। इस अवसर पर व्रतियों ने शाम को मिट्टी के नए चूल्हे पर आम की लकड़ी की आंच से गाय के दूध में गुड़ और अरवा चावल डालकर खीर बनाई। इसके साथ ही पांच तरह के पकवान छठी माई को भोग के रूप में अर्पित किए गए। तेनुघाट पंचायत की मुखिया नीलम श्रीवास्तव, पूर्व मुखिया रेखा सिन्हा और अन्य गणमान्य इस आयोजन में शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में छठ गीतों की धुन गूंजती रही, जिससे हर गली, मोहल्ला और चौक-चौराहा भक्ति रस से भर गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने स्थानीय बाजारों से फल और अन्य सामग्री खरीदकर पूजा का हिस्सा बनाया। लोक मान्यता के अनुसार छठ पूजा त्रेतायुग से प्रचलित है। कहा जाता है कि इस व्रत की शुरूआत सीता मैया ने भगवान राम, लक्ष्मण और स्वयंसेवित सीता के वनवास पूर्ण होने पर की थी। पांडवों की कथा में भी द्रौपदी ने इस व्रत को निभाकर मनोकामना पूरी की थी। छठ पर्व की समाप्ति 28 अक्टूबर को होगी, जब व्रती उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देंगे। 27 अक्टूबर की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का यह महापर्व अपने सांस्कृतिक और धार्मिक रंग में पूरी तरह चमकेगा।

कदमाअहरा छठ घाट की दुर्दशा पर आगबबूला हुई जिला परिषद सदस्या मीना हेंब्रम

धनबाद, संवाददाता

टुण्डी प्रखंड मुख्यालय से सटे तथा नरीमन प्वाइंट माने जाने वाले कदमाअहरा छठ घाट की दुर्दशा पर जिला परिषद सदस्या मीना हेंब्रम खूब आगबबूला हुईं और ताबड़तोड़ घाट पर ही कई लोगों से संपर्क साधा पर प्रभारी अंचलाधिकारी छोड़कर किसी ने उनकी मोबाइल रिसीव करना मुनासिब नहीं समझा बहरहाल पूजा बाद एक बड़ी बैठक कर इस पर निर्णय लेने की बातें कही। ज्ञात हो कि टुण्डी के कदमाअहरा छठ घाट को एक बड़ी छठ घाट के रूप में जाना जाता है फिर भी सरकारी उदासीनता इस घाट पर इस कदर हावी हो गया है कि आज इस घाट पर गंदगी की अंबार लगा हुआ है और किसी ने भी इस घाट को प्राथमिकता नहीं दी है। आज टुण्डी के युवा वर्ग तथा रजवार समाज की मेहरबानी से हर बर्ष साफ सफाई एवं डेकोरेशन का कार्य लगातार पांच वर्षों से किया जा रहा है जो काबिले तारीफ है जिससे छठव्रतियों को एक साफ सुथरी घाट उपलब्ध कराया जाता है। आज के दौरे में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्या मीना हेंब्रम,टुण्डी मुखिया रेखा देवी, रजवार समाज के अध्यक्ष दीपक रजवार, बबलू रजवार, बंटी भगत, कुंदन सिंह, गुड्डू पाण्डेय, उदय भगत समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे।

नावाडीह में युवाओं ने श्रमदान कर छठ घाट जाने वाले रास्ते की साफ - सफाई की

बोकारो, संवाददाता

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर रविवार को पंच मंदिर नावाडीह परिसर से छठ घाट जाने वाले रास्ते की साफ - सफाई छठ पूजा समिति के सदस्यों एवं स्थानीय युवाओं ने श्रमदान कर किया। युवाओं ने श्रमदान करते हुए रास्ते में जमे कचरे, झाड़ियों और गड्ढों की सफाई कर श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन का मार्ग प्रशस्त किया। इस दौरान समाजसेवी फूलचंद किस्कू ने बताया कि स्वच्छता ही श्रद्धा की पहली शर्त है, इसलिए छठ घाटों और मार्गों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि ससमय घाट व घाट जाने वाले रास्ते कि सफाई करवा दिए जाने से श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार के दिक्कतों का सामना नही करना पड़ेगा। साथ ही कहा कि छठ घाट की सजावट एवं प्रकाश की व्यवस्था ससमय पर कर ली जायेगी। मौके पर आरएसएस के खंड सह कार्यवाह बालेश्वर महतो, वार्ड सदस्य भेखलाल कानू, उज्जवल प्रकाश, दिलीप महतो, पंकज शर्मा, विजय कुमार, राजकिशोर महतो, टिकू रविदास, शिबा महतो, मुकेश महतो सहित अन्य युवा शामिल थे।

छठ पूजा महापर्व को लेकर वेलफेयर संगठन ने बांटे पूजन सामग्री

पलामू, संवाददाता

प्रखंड क्षेत्र के पंचायत देवीपुर के ग्राम डोंगोडीह में छठ पूजा के अवसर पर रविवार को वेलफेयर संगठन समिति डोंगोडीह के द्वारा जरूरतमंद व्रतियों के बीच पूजा सामग्री का वितरण किया गया है। इस वितरण में साड़ी, सिंदूर, घी, नारियल, फल, अगरबत्ती, चीनी, आटा और अन्य आवश्यक सामग्री शामिल थे। ताकि वे आर्थिक तंगी के बावजूद श्रद्धापूर्वक पूजा कर सकें। इस दौरान वेलफेयर संगठन के अध्यक्ष अशोक साव एवं स्थानीय मुखिया बेदू साव ने संयुक्त रूप से कहा कि पूजा सामग्री का वितरण का उद्देश्य आर्थिक सहायता उन लोगों को मदद किया गया है जो आर्थिक तंगी के कारण पूजा सामग्री खरीदने में असमर्थ हैं। व्रतियों को उनकी पूजा पूरी करने में सहायता होगी ताकि वे बिना किसी कठिनाई के श्रद्धा से छठ पूजा कर सकें। इस मौके पर वेलफेयर संगठन के सचिव भीमशंकर साव, उप सचिव सुरेन्द्र साव, कोषाध्यक्ष शिशिर साव, समाजसेवी सह वेलफेयर संगठन के सक्रिय सदस्य उपेन्द्र साव, भूत पूर्व सैनिक शनिचर साव उर्फ फौजी भाई, छोटू साव, सुरेन्द्र साव, नीलकंठ साव, भूत पूर्व सैनिक मुंशी साव, बालेश्वर साव, लखन महतो, कृषक मित्र हरिहर साव, विजय साव, राजकुमार साव, अरुण कुमार साव, कारू साव, रोहित साव, केदार यादव, ध्रुव कुमार साव समेत वेलफेर के सदस्य मौजूद थे।

छठ पूजा में सिंदरी के बाजारों में रौनक, बढ़ी सूप-दउरा और फलों की मांग

धनबाद, संवाददाता

आस्था के महापर्व छठ पूजा की शुरूआत हो गई . छठ पर्व सिंदरी के बाजारों में जबरदस्त चहल-पहल देखने को मिल रही है. पूजा सामग्री से लेकर फल-सब्जियों तक की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है.छठ में उपयोग होने वाले सूप और दउरा की बिक्री तेजी से बढ़ रही है.इस बार इनकी कीमतों में भी इजाफा देखा जा रहा है. नहाय-खाय से पहले सब्जी बाजारों में कद्दू की खूब बिक्री हुई है. छठ में व्रतियों द्वारा सूर्य देव को अर्घ्य देने में उपयोग होने वाले फलों की मांग सबसे अधिक रहती है. इस वजह से फलों के दामों में भी थोड़ी बढ़ोतरी हुई है. लोगों का कहना है कि फलों और सब्जीयों के दाम में थोड़ी बढ़ोतरी हैं क्योंकि तब खरीदारी अपने चरम पर होगी. सिंदरी के बाजारों में अभी से ही छठ गीतों की गूंज और खरीदारों की भीड़ त्योहार की रौनक को और बढ़ा रही है।

जपला आरपीएफ ने चलाया जागरूकता अभियान, नशा खुरानी गिरोह से सतर्क रहने को लेकर स्टेशन पर की गई माइकिंग

पलामू, संवाददाता

छठ महापर्व को लेकर बाहरी राज्य से बिहार व झारखंड लौट रहे लोगों की भीड़ बढ़ गई है। ट्रेन में बैठने तक की भी जगह नहीं मिल रही है। नशा खुरानी गिरोह भी सक्रिय हो गया है। नशा खुरानी गिरोह की सक्रियता को देखते हुए आरपीएफ ने जपला स्टेशन से गुजरने वाली विभिन्न ट्रेनों व स्टेशन परिसर में यात्रियों के बीच माइकिंग कर जागरूकता अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर कार्तिक बिंझा व जेपी प्रसाद ने किया।

जागरूकता को लेकर किए जा रहे हैं माइकिंग

नशा खुरानी गिरोह से बचने के लिए आरपीएफ द्वारा माइकिंग के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। साथ ही संदिग्ध को देखने पर 139 पर सूचना देने का आह्वान कर रहे हैं। इसके साथ ही सुरक्षित यात्रा के लिए सतर्क रहने का आह्वान किया। आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर ने बताया कि महापर्व छठ को लेकर दूसरे राज्य से बड़ी संख्या में लोग वापस अपने घर आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में उनकी गाढी कमाई को लूटने के लिए नशा खुरानी गिरोह भी सक्रिय हो गया है। ऐसी स्थिति में लोगों को उनसे बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है। गिरोह के लोग यात्री के वेश में प्रसाद, गुटका, खैनी, समोसा, कोल्ड ड्रिंक में नशीली पदार्थ मिलकार चालाकी से खिला देते हैं। जिससे यात्री बेहोश हो जाते हैं। इसके बाद उनकी गाढी कमाई लेकर फरार हो जाते हैं। आह्वान किया जा रहा है कि अपरिचित किसी भी व्यक्ति से यात्रा के दौरान इस तरह का सामान ना लें।साथ ही ट्रेन में चढ़ने व उतरने के दौरान सतर्कता के साथ अपने सामान की रक्षा करें। मौके पर आरपीएफ जवान राजनाथ, रेल मित्र राजेश्वर सिंह, रवि सिंह, कमलेश विश्वकर्मा, धनंजय कुमार, नरेंद्र सिंह, जयप्रकाश सिंह आदि मौजूद थे।

पांकी में छठव्रतियों के बीच श्रद्धाभाव से दूध वितरण: मितलेश पांडे और निर्मल प्रसाद गुप्ता ने की सेवा

पलामू, संवाददाता

पांकी में छठव्रतियों के बीच श्रद्धाभाव से दूध वितरण लोकआस्था के महापर्व छठ के अवसर पर पांकी में समाजसेवी मुखिया प्रत्याशी मितलेश पांडे और निर्मल प्रसाद गुप्ता ने अलग- अलग छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच श्रद्धाभाव से दूध का वितरण किया। दोनों जनों ने स्वयं उपस्थित रहकर व्रतियों को नमन किया और ससम्मान दूध अर्पित किया। मितलेश पांडे ने कहा कि छठ महापर्व मानव और प्रकृति के मधुर संबंध का उत्सव है, जिसमें सूर्यदेव की उपासना के माध्यम से जीवन, ऊर्जा और कृतज्ञता का संदेश निहित है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र अवसर पर व्रतियों की सेवा करना उनके लिए परम संतोष और सौभाग्य की अनुभूति है। वहीं, निर्मल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि छठ भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जो समाज को एकता, आस्था और सेवा की भावना से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि व्रतियों की सेवा करना उनके लिए ईश्वरीय आशीर्वाद प्राप्त करने जैसा है। दोनों ने बताया कि धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहभागिता करना उनका कर्तव्य और आनंद दोनों है। समाज की सेवा के माध्यम से वे पांकी क्षेत्र के लोगों के साथ अपनी आत्मीयता और श्रद्धा को और सुदृढ़ करना चाहते हैं। अंत में उन्होंने सभी पांकीवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

आईओक्यूएम में चिन्मय विद्यालय, बोकारो ने दिया झारखंड का स्टेट टॉपर

चिन्मय विद्यालय, बोकारो के आदर्श ने मारी बाजी, आईओक्यूएम में बना स्टेट टॉपर

बोकारो, संवाददाता

शैक्षिक और सह-पाठ्यचर्या परिणामों में चिन्मय विद्यालय, बोकारो हमेशा से अव्वल रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक बार फिर विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार परिणाम के साथ पूरे प्रदेश में बोकारो का मान बढ़ाया है। चिन्मय विद्यालय, बोकारो के आदर्श सिंह ने राष्ट्रीय स्तर गणितीय परीक्षा - आईओक्यूएम (इंडियन ओलंपियाड क्वालीफायर इन मैथमेटिक्स) में बाजी मारी है और 100 में से 79 अंक लाकर पूरे झारखंड प्रदेश में अव्वल स्थान प्राप्त किया है। उनके अलावा, विद्यालय के अन्य 9 विद्यार्थियों ने भी आईओक्यूएम के परिणामों में बाजी मारी है। इस परिणाम के सामने आने के बाद चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, चिन्मय विद्यालय, बोकरो के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार, हेड मास्टर गोपाल चंद्र मुंशी और इग्जामिनेशन हेड रोशन शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। इसमें रैंक लाने वाले चिन्मय विद्यालय, बोकारो के सभी 10 विद्यार्थियों ने कामयाबी हासिल करते हुए आरएमओ (रीजनल मैथेमेटिकल ओलम्पियाड) के लिए क्वालीफाई किया है, जिसकी परीक्षा 16 नवंबर 2025 को आयोजित की जाएगी।

10वीं के विद्यार्थियों का रहा दबदबा

चिन्मय विद्यालय, बोकारो के कक्षा 10वीं/ए के आदर्श सिंह ने स्टेट टॉप किया है, जबकि, कक्षा 11/सी के राज आर्यन, 11/जी के मयंक शर्मा, 11/एच के कुमार कनिश्क, 10/ई के सौम्या साकेत, 10/ई के श्रीवत्स चटर्जी, 10/ई के नीशांत राज, 10/ई के अमित कुमार, 11/जी के रतन नारायण सिंह और 9/डी के श्रेयांश शौर्या ने भी चिन्मय विद्यालय समेत पूरे बोकारो का नाम रोशन किया है।

समावेशी विकास के लिए विद्यालय हमेशा प्रतिबद्ध झ्र महेश त्रिपाठी

विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि चिन्मय विद्यालय, बोकारो हमेशा से विद्यार्थियों के समावेशी विकास के लिए मदद करता है और उन्हें भविष्य के लिए हर तरीके से तैयार करता है। आदर्श का प्रदेश स्तर पर इतना शानदार प्रदर्शन केवल विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है।

अचिवमेंट का पर्याय है चिन्मय विद्यालय : सूरज शर्मा

विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि आदर्श ने आईओक्यूएम में प्रदेश में अव्वल स्थान प्राप्त करके साबित कर दिया है कि अचिवमेंट का पर्याय चिन्मय विद्यालय, बोकारो ही है। उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे कई परिणाम देखने को मिलने वाले हैं, जिनमें विद्यालय के विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नजर आने वाले हैं। श्री शर्मा ने आईओक्यूएम में क्वालिफाई करने लिए सभी विद्यार्थियों को बहुत सारी बधाई दी।

न्यूज ब्रीफ

जिलाधिकारी ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

भागलपुर (एजेंसी) : जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदयकांत और नगर आयुक्त शुभम कुमार ने संयुक्त रूप से रविवार को बरारी पुल घाट, कॉलेज घाट, सीढ़ी घाट और आदमपुर घाट का नाव द्वारा भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी घाटों पर स्वच्छता व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, चेंजिंग रूम, पीने के पानी की उपलब्धता, अस्थायी शौचालय, तथा श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए सुगम मार्ग सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि छठ व्रत बिहार की आस्था और संस्कृति का प्रतीक है। श्रद्धालुओं को पूर्ण सुविधा मिलनी चाहिए ताकि वे इस पवित्र पर्व को पवित्रता और श्रद्धा के साथ मना सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि घाटों पर एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, गोताखोर टीम एवं आपदा मित्रों की तैनाती की जाएगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत और बचाव कार्य किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि खतरनाक एवं गहरे जल वाले घाटों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, जिन पर साफ लिखा हो आगे गहरा पानी है, कृपया आगे न जाएं। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा घाटों की सफाई के साथ ही, प्रकाश व्यवस्था के लिए पर्याप्त एलईडी लाइट्स लगाई जाएं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) कुंदन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार, नगर निगम और पुलिस प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

शराब लदे दो बाइकों को उत्पाद बलों ने किया जब्त

नवादा (एजेंसी) : नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के मुरहेना गांव से रविवार को उत्पाद बलों ने एक बाइक पर लदे 32 लीटर शराब को जब्त किया है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार चुनाव को लेकर उत्पाद बल अलर्ट मोड पर है।शराब की खेप और बिक्री को लेकर गुप्त सूचना मिली।सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई के आलोक में उत्पाद एसआई प्रवीण कुमार को उत्पाद बलों के साथ छापेमारी हेतु भेजा गया। छापेमारी के दौरान उत्पाद बलों को देखकर एक युवक बाइक पर लदे शराब को छोड़कर भाग खड़ा हुआ।उत्पाद बलों ने एक बाइक पर लदे बोरे में बंद रहे कुल 32 लीटर शराब को जब्त किया है।वहीं दूसरी ओर नवादा से आई उत्पाद बलों की टीम का नेतृत्व कर रहे उत्पाद इंस्पेक्टर न्यूटन ने शराब परिवहन में जुटे एक युवक को सलेमपुर गांव के समीप गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार युवक की पहचान नरहट थाना क्षेत्र के हाजीदाब गांव निवासी तुलसी चौधरी के पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है।जब्त 85 लीटर शराब एवं बाइक के अलावे गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।वहीं गिरफ्तार शराब तस्कर को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

नगर निगम ने छठ घाटों की शुरू की सफाई

भागलपुर (एजेंसी) भागलपुर में छठ महापर्व को लेकर नगर निगम प्रशासन अब हरकत में आ गया है। पिछले दिनों छठ घाटों पर गंदगी और अव्यवस्था की स्थिति सामने आने के बाद प्रशासन ने सफाई अभियान तेज कर दिया है। गंगा घाटों पर कचरा हटाने चूना डालने और लाइटिंग की व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम लगातार जारी है। निगम की टीमें सुबह से ही घाटों पर सफाई में जुटी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब मीडिया के माध्यम से घाटों की गंदगी की खबर दिखाई गई तभी नगर निगम ने तुरंत एक्शन लेते हुए सफाई अभियान शुरू किया। अब घाटों पर साफ-सफाई देखकर लोग राहत महसूस कर रहे हैं अधिकारियों का कहना है कि इस बार छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए हर जरूरी तैयारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने स्टेशन परिसर में बने प्रतीक्षालय, भोजनालय और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद सीनियर डीसीएम अंजन ने बताया कि इस बार छठ महापर्व पर यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए रेलवे की ओर से विशेष व्यवस्था की गई है। स्टेशन के बाहर अस्थायी प्रतीक्षालय बनाया गया है। जहां यात्रियों के बैठने और पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध है। जिससे उन्हें लंबी कतारों में लगने की दिक्कत नहीं होगी। वहीं यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ और जीआरपी के जवानों के साथ डॉग स्क्वॉड की टीम भी तैनात की गई है।

तेजस्वी का भाजपा और जदयू पर हमला

एजेंसी

कटिहार : बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव रविवार को कटिहार जिले के प्राणपुर विधानसभा अंतर्गत आजमनगर में आयोजित जनसभा में भाजपा और जदयू पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पलटी मारकर भाजपा में चले गए हैं और भाजपा को बिहार में जगह देने का काम किया है।

कटिहार में तेजस्वी के भाषण की बड़ी बातें

10 हजार चाहिए या नौकरीः

- भले तेजस्वी की उम्र कच्ची है, लेकिन जुबान पक्की है। जो कहा वो किया, जो कह रहे हैं वो करेंगे। आप तय कीजिए परिवार में सरकारी नौकरी चाहिए या केवल 10 हजार रुपए चाहिए।

बीजेपी जमुलेबाज पार्टीः

- भाजपा-भारतीय जुमला पार्टी है ये केवल दंगा-फसाद करवाते हैं। हिंदू-मुस्लिमों को लड़वाते हैं। बिहार में बीजेपी को जमीन देने का काम किसी ने किया तो वो नीतीश कुमार थे।

तेजस्वी यादव ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल का विरोध करते हुए कहा कि यह बिल मुसलमानों के खिलाफ है और बिहार में उनकी सरकार बनने पर इसे कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा मुसलमानों को परेशान करने के लिए इस तरह के बिल लेकर आ रही है।

तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर नकलची होने का आरोप लगाया और कहा कि वे हमारी योजनाओं की नकल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पेंशन बढ़ाने की बात कही तो नितिश कुमार ने हड़बड़ी में पेंशन राशि बढ़ाकर 11 सौ रुपए कर दी। तेजस्वी यादव ने कहा कि भले ही मेरी उम्र कच्ची है, लेकिन जुबान पक्की है। जो कहा वो किया, जो कह रहे हैं वो करेंगे। तेजस्वी यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वे केवल दंगा-फसाद करवाते हैं और हिंदू-मुस्लिमों को लड़वाते हैं।

मोतिहारी सेन्ट्रल जेल में छठ की धूम,130 बंदी कर रहे छठ पूजा

एजेंसी

पूर्वी चंपारण : लोक आस्था व प्रकृति प्रेम का महापर्व छठ पूजा की धूम मोतिहारी सेन्ट्रल जेल में भी है। जेल में बंद करीब 36 सौ बंदियों में से तीन मुस्लिम महिला बंदी सहित कुल 130 बंदी पूरे विधि विधान के साथ छठ महापर्व कर रहे हैं। जेल के अंदर बने छठ घाट की साफ सफाई कर साज-सज्जा को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

चार दिवसीय अनुष्ठान के दूसरे दिन बंदी छठव्रती खरना पूजन करेंगे,जिसके लिए अरवा दूध,चावल,गुड़ और केले के पत्ते की व्यवस्था की गई है। सभी व्रती सायं काल नवेद निकाल कर छठी माता के आगमन के लिए गुहार लगायेंगे। जेल में बंद कैदियों में

छठ को लेकर खासा उत्साह है। जानकारी के अनुसार महिला वार्ड छठ के गीत से गुंजायमान हो रहा है। उल्लेखनीय है, कि इस वर्ष मोतिहारी सेन्ट्रल जेल में बंद तीन मुस्लिम महिला बंदियों ने अन्य छठव्रतियों के साथ पूरे विधि विधान के अनुसार छठ व्रत कर रही है, जिसमे सजायाफ्ता खुशबू तारा आठ साल से कारा में हैं। कारा में जाने से दो साल पहले से वह अपने पौत्र के लिए छठ कर रही है। उनके साथ-साथ नाजनी खातून व शबनम खातून भी छठ पूजा कर रही हैं।

बिहार विस चुनावः मतदान व मतगणना से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

कटिहार : बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के सफल संचालन को लेकर मतदान व मतगणना से संबंधित कर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा की अध्यक्षता में आयोजित उक्त प्रशिक्षण सत्र में मतगणना सहायक, मतगणना सुपरवाइजर, माइक्रो ऑब्जर्वर तथा पोस्टल बैलेट मतगणना कर्मी आदि उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान मतगणना प्रक्रिया से संबंधित सभी बिन्दुओं–जैसे मतपेटी एवं ईवीएम की जांच, मतगणना व मतदान के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियाँ, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उपाय, एवं

परिणाम संकलन की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सभी ने प्रशिक्षणार्थियों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप मतदान व मतगणना के प्रत्येक चरण को सावधानीपूर्वक व निष्पक्ष तरीके से संपादित करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के अंत में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान व मतगणना प्रक्रिया चुनाव की विश्वसनीयता का सबसे महत्वपूर्ण चरण है, इस लिए प्रत्येक कर्मी को पूर्ण सतर्कता एवं निष्पक्षता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम शांति और अनुशासनपूर्वक वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कंदाहा सूर्य मंदिर में योग व्यायाम व सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

सहरसा : सूर्य नमस्कार करने के पश्चात प्रतिदिन भगवान सूर्यदेव को जलार्पण करने से अद्भुत लाभ होता है, क्योंकि भगवान सूर्य प्रकृति के साक्षात देवता है,जिसके कारण सृष्टि की रचना के बाद वैदिक काल से सूर्य की आराधना की जाती है। वहीं सूर्य की उपासना के लिए छठ पर्व मनाया जाता है। छठ पर्व मनाने से बांझन को भी उत्तम संतान की प्राप्ति के साथ साथ निरोगी जीवन मिलता है। उक्त बातें योग प्रशिक्षक आचार्य प्रभाकर ने कही।

छठ पूजा के पावन अवसर पर सूर्य मंदिर कन्दाहा में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग प्रशिक्षक सेवक प्रभाकर ने कहा नियमित योगाभ्यास करने से कांतिमय काया, शरीर स्वस्थ सुडौल बनता है। बहुत आसन करने की भी जरूरत नहीं होती है। वही यौगिक सूक्ष्म क्रिया सूर्य नमस्कार शवासन, हास्यासन अंत में प्राणायाम करके अपने दिनचर्या में जुड़ जाऐ चौबीस घंटा तक शरीर में स्फूर्ति बना रहेगा आलस तो ढूंढने से भी नहीं मिलता है। सूर्य मंदिर में नियमित रूप से योगाभ्यास सभी को कराया जाता है

दूर-दूर से आने वाले भक्त भी भाग लेते हैं। आज के कार्यक्रम में बच्चे युवा के साथ ही बुजुर्ग भी काफी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर द्वादशादित्य सूर्य नमस्कार, योग व्यायाम प्राणायाम कराया गया। मुख्य पुजारी बाबू कान्त झा, राजू खजूरी से पिंटू खां बनगांव सहित काफी संख्या में भाग लिये। ज्ञात हो कि आचार्य प्रभाकर के द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंड एवं ग्रामीण क्षेत्र में निशुल्क योग शिविर का आयोजन कर लोगों को योग करवाते है।

साथ ही सामाजिक समरसता एवं समाज कल्याण की कामना से प्रत्येक पूर्णिमा को चरण पादुक पदयात्रा खजूरी से परसरमा धाम तक निकाली जाती है।

एसडीएम ने विभिन्न छठ घाटों का लिया जायजा

एजेंसी

अररिया : फारबिसगंज के एसडीएम रंजीत कुमार रंजन और एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ रविवार को शहर के विभिन्न छठ घाटों का जायजा लिया।

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर घाट पर पहुंचने वाले छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को सुरक्षात्मक पहलुओं की बारीकी से जांच की गई और घाट निर्माण और व्यवस्था में लगे फारबिसगंज नगर परिषद के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसडीएम एसडीपीओ के साथ

थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह,नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी रणधीर लाल और अन्य अधिकारियों ने कोठीहाट नहर,सुल्तान पोखर आदि छठ घाट पर जाकर व्यवस्था का जायजा लिया। मौके पर एसडीएम रंजीत कुमार रंजन ने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर प्रशासन की ओर से छठव्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए हर तरह की व्यवस्था की जा रही है। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसका विशेष इंतजाम किया जा रहा है। घाट पर साफ सफाई के साथ ही सुरक्षात्मक उपाय के तहत घाट पर गोताखोर की तैनाती की साथ नहर में बांस की बेरीकेडिंग कर छठव्रतियों को सावधान करने की बोर्ड के साथ नाव से सुरक्षा को लेकर घाट पर निगरानी के साथ वॉच टावर से निगरानी की जाएगी।

इसके अलावा घाट सहित शहर में रोशनी की व्यवस्था के साथ सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन के संयुक्तादेश में मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस अधिकारियों और बलों को तैनाती रहेगी। कोठीहाट नहर पर स्थित पुल से आर पार आने जाने के लिए वन वे की व्यवस्था रहेगी ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो। एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने कहा कि छठ में घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। घाट पर संदिग्धों की गतिविधियों पर सख्त नजर रखी जाएगी। भारी संख्या में पुलिस अधिकारियों के साथ बलों की तैनाती की गई है। एसडीएम एसडीपीओ ने शास्त्री चौक छठ पूजा समिति के सदस्यों से भी बातचीत कर उन्हें भी सुरक्षा को। लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पुलिस की कार्रवाई, दो वारंटी गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसी) : जिले में कुशेश्वरस्थान थाना पुलिस ने रविवार को न्यायालय द्वारा निर्गत वारंट के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी की देखरेख में की गई इस कार्रवाई में स्थायी वारंटी राम खेलावन पासवान, पिता पानो पासवान, ग्राम कलहा, एवं एन.बी.डब्ल्यू. वारंटी गौड़ी पासवान, पिता स्वर्गीय दुखी पासवान, ग्राम ब्यासपुर, दोनों थाना कुशेश्वरस्थान, जिला दरभंगा को पुलिस ने धर दबोचा। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी माननीय न्यायालय के आदेश पर की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कारोबार

क्योरफूड्स को आईपीओ के लिए सेबी से अप्रूवल मिला

इश्यू से कंपनी का 800 करोड़ जुटाने का प्लान

- ओएफएस में 4.85 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे

एजेंसी

बेंगलुरु : बेंगलुरु की पॉपुलर क्लाउड किचन कंपनी क्योरफूड्स इश्यू लाने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्योरफूड्स को अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से अप्रूवल भी मिल गया है।

क्योरफूड्स ईट फिट, केकजोन और क्रिस्पी क्रीम जैसे ब्रांड्स चलाती है। कंपनी का इश्यू से 800 करोड़ रुपए जुटाने का प्लान है। इस में कंपनी नए शेयर जारी करेगी और कुछ निवेशक ऑफर-फॉर-सेल में 4.85 करोड़ शेयर बेचेंगे। हालांकि, कंपनी के फाउंडर और CEO अंकित नागोरी इस में अपने शेयर नहीं बेच रहे हैं।

कौन बेच रहा है शेयर?

आईपीओ में हिस्सा बेचने वाले निवेशकों में आयरन पिलर, क्रिमसन विंटर, एक्सेल, चिराटे वेंचर्स और क्योरफिट हेल्थकेयर शामिल हैं।

क्योरफिट हेल्थकेयर को मुकेश बंसल और अंकित नागोरी ने मिलकर शुरू किया था। सबसे ज्यादा 1.91 करोड़ शेयर्स आयरन पिलर बेच रहा है। इसके बाद क्रिमसन विंटर (97.6 लाख शेयर), एक्सेल (45.7 लाख शेयर), और चिराटे वेंचर्स (36.6 लाख शेयर) का नंबर आता है। क्योरफिट हेल्थकेयर 12.8 लाख शेयर बेच रहा है। आयरन पिलर को इस बिक्री से सबसे ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। क्योंकि उनकी हिस्सेदारी की वैल्यू एक्सेल और चिराटे से 2.6 गुना ज्यादा है।

आईपीओ के पैसों का क्या होगा?

क्योरफूड्स इस इश्यू से जुटाए गए फंड का इस्तेमाल नए क्लाउड किचन खोलने और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने में लगाएगी। इसके अलावा कर्ज चुकाने, किराए के लिए डिपॉजिट, मार्केटिंग और ब्रांड बनाने में भी इस फंड का इस्तेमाल होगा। कंपनी के पास एक और विकल्प है कि वो से पहले 160 करोड़ रुपए जुटा सकती है।

टॉप-10 कंपनियों में 7 की वैल्यू रु1.55 लाख करोड़ बढ़ी रिलायंस टॉप गेनर

एजेंसी

नई दिल्ली : मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 1.55 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। इस दौरान देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की वैल्यू सबसे ज्यादा बढ़ी है। रिलायंस का मार्केट कैप 46,687 करोड़ रुपए बढ़कर रु19.64 लाख करोड़ पर पहुंच गया। वहीं TCS की वैल्यू रु36,126 करोड़ बढ़कर रु11.08 लाख करोड़ पहुंच गई।

इंफोसिस की मार्केट वैल्यू रु34,938 करोड़ बढ़कर रु6.33 लाख करोड़ पर पहुंच गई। इसके अलावा SBI, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और LIC की वैल्यू भी बढ़ी है। **आईसीआईसीआई** बैंक और एचयूएल का मार्केट कैप गिरा

वहीं **आईसीआईसीआई** बैंक का मार्केट कैप

43,744 करोड़ रुपए घटकर रु9.82 लाख करोड़ पर आ गया है। वहीं, बीते हफ्ते एचयूएल और एचडीएफसी बैंक की मार्केट वैल्यू भी घटी है। एचयूएल की वैल्यू 20,523 करोड़ रुपए घटकर रु 5.91 लाख करोड़ पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक की मार्केट वैल्यू भी 11,983 करोड़ रुपए गिरी है, यह 15.28 लाख करोड़ रुपए पर आ गई है। शुक्रवार को सेंसेक्स 345 अंक गिरकर बंद हुआ था।

साप्ताहिक समीक्षाः शेयर बाजार में ज्यादातर समय उत्साह का माहौल बना रहा

एजेंसी

नई दिल्ली : शुक्रवार 24 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे सप्ताह मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुआ। बाजार में जारी तेजी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 52 सप्ताह के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए। सेंसेक्स 30 सितंबर, 2024 के बाद पहली बार 85 हजार अंक के ऊपर खुला।

इसी तरह निफ्टी ने भी 30 सितंबर 2024 के बाद पहली बार 26,000 अंक के स्तर को पार करने में सफलता हासिल की। पूरे सप्ताह हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स साप्ताहिक आधार

पर 259.69 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 84,211.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 85.30 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,795.15 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता होने की उम्मीद, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा घरेलू शेयर बाजार लगातार की जा रही खरीदारी और दूसरी तिमाही के मजबूत नतीजों के कारण घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह ज्यादातर समय उत्साह का माहौल बना रहा।

इसी उत्साह के कारण घरेलू शेयर बाजार ने साल 2025 में पहली बार लगातार चौथे सप्ताह साप्ताहिक आधार पर बढ़त दर्ज की। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार में बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

छह दिन की गिरावट के बाद फिर महंगा हुआ सोना, चांदी में भी मामूली तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में लगातार छह दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद रविवार को सोना और चांदी की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज सोना 1,160 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,260 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी की कीमत में आज सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए इस

- एक सप्ताह में सोना के भाव में आई 5,240 रुपये तक की गिरावट, चांदी 17 हजार रुपये तक सस्ती

उछाल की वजह से देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,620 रुपये से लेकर 1,25,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,15,150 रुपये से लेकर 1,15,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

दिल्ली के सराफा बाजार में आज 1,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर चांदी बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान लगातार कमजोरी का रुख बने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 5,240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 4,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

> ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

गोपनीय स्वरूप है भगवती छिन्नमस्ता का

भगवती छिन्नमस्ता का स्वरूप अत्यंत ही गोपनीय है। इसे कोई अधिकारी साधक ही जान सकता है। महाविद्याओं में इनका तीसरा स्थान है। इनके प्रादुर्भाव की कथा इस प्रकार है- एक बार भगवती भवानी अपनी सहचरी जया और विजया के साथ मन्दाकिनी में स्नान करने के लिए गयीं। स्नान के बाद क्षुधाग्नि से पीड़ित होकर वे कृष्णवर्ण की हो गयीं। उस समय उनकी सहचरियों ने भी उनसे कुछ भोजन करने के लिए मांगा। देवी ने उनसे कुछ समय प्रतीक्षा करने के लिए कहा। थोड़ी देर प्रतीक्षा करने के बाद सहचरियों ने जब पुनः भोजन के लिए निवेदन किया, तब देवी ने उनसे कुछ देर और प्रतीक्षा करने के लिए कहा। इस पर सहचरियों ने देवी से विनम्र स्वर में कहा कि मां तो अपने शिशुओं की भूख लगने पर अविलम्ब भोजन प्रदान करती है। आप हमारी उपेक्षा क्यों कर रही हैं? अपने सहचरियों के मधुर वचन सुनकर कृपामयी देवी ने अपने खड्ग से अपना सिर काट दिया। कटा हुआ सिर देवी के बायें हाथ में आ गिरा और उनके कबन्ध से रक्त की तीन धाराएं प्रवाहित हुईं। वे दो धाराओं को अपनी दोनों सहचरियों की ओर प्रवाहित कर दीं, जिसे पीती हुई दोनों प्रसन्न होने लगीं और तीसरी धारा को देवी स्वयं पान करने लगीं। तभी से देवी छिन्नमस्ता के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती है। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है। छिन्न यज्ञशीर्ष की प्रतीक ये देवी श्वेतकमल पीठ पर खड़ी हैं। दिशाएं ही इनके वस्त्र हैं। इनकी नाभि में योनिचक्र है। कृष्ण (तम) और रक्त (रज) गुणों की देवियां इनकी सहचरियां हैं। ये अपना शीश काटकर भी जीवित हैं। यह अपने आप में पूर्ण अन्तर्मुखी साधना का संकेत है। विद्वानों ने इस कथा में सिद्धि की चरम सीमा का निर्देश माना है। योगशास्त्र में तीन ग्रंथियां बतायी गयी हैं, जिनके भेदन के बाद योगी को पूर्ण सिद्धि प्राप्त होती है। इन्हें ब्रह्मग्रन्थि, विष्णुग्रन्थि तथा रुद्रग्रन्थि कहा गया है। मूलाधार में ब्रह्मग्रन्थि, मणिपूर में विष्णुग्रन्थि तथा आज्ञाचक्र में रुद्रग्रन्थि का स्थान है। इन ग्रंथियों के भेदन से ही अद्वैतानन्द की प्राप्ति होती है। योगियों का ऐसा अनुभव है कि मणिपूर चक्र के नीचे की नाड़ियों में ही काम और रति का मूल है, उसी पर छिन्ना महाशक्ति आरूढ़ हैं, इसका ऊर्ध्व प्रवाह होने पर रुद्रग्रन्थि का भेदन होता है।

छिन्नमस्ता का वज्र वैरोचनी नाम शाक्तों, बौद्धों तथा जैनों में समान रूप से प्रचलित है। देवी की दोनों सहचरियां रजोगुण तथा तमोगुण की प्रतीक हैं, कमल विश्वप्रपंच है और कामरति चिदानन्द की स्थूलवृत्ति है। बृहदारण्यक की अश्वशिर विद्या, शाक्तों की हयग्रीव विद्या तथा गाणपत्यों के छिन्नशीर्ष गणपति का रहस्य भी छिन्नमस्ता से ही संबंधित है। हिरण्यकशिपु, वैरोचन आदि छिन्नमस्ता के ही उपासक थे। इसीलिये इन्हें वज्र वैरोचनीया कहा गया है। वैरोचन अग्नि को कहते हैं। अग्नि के स्थान मणिपूर में छिन्नमस्ता का ध्यान किया जाता है और वज्रानाड़ी में इनका प्रवाह होने से इन्हें वज्र वैरोचनीया कहते हैं। श्रीभैरवतन्त्र में कहा गया है कि इनकी आराधना से साधक जीवभाव से मुक्त होकर शिवभाव को प्राप्त कर लेता है।

सोमवार को ही शिव का वार क्यों कहा जाता है

पुराणशिरोमणि शिवमहापुराण के अनुसार- आरोग्यसंपद वैद्य व्याधीनाशलिरेव च। पुष्टिरायुस्तथाभोगांमृतेहर्निर्यथाक्रमम॥ अर्थात स्वास्थ्य, संपत्ति, रोग-नाश, पुष्टि, आयु, भोग तथा मृत्यु की हानि के लिए रविवार से लेकर शनिवार तक भगवान शंकर की आराधना करनी चाहिए। सभी दिनों में शिव फलप्रद हैं। पुराणों के अनुसार सोम का अर्थ चंद्रमा होता है और चंद्रमा भगवान शंकर के शीश पर मुकुटायमान होकर अत्यन्त सुशोभित होता है। भगवान शंकर ने जैसे कुटिल, कलंकी, कामी, वक्री एवं क्षीण चंद्रमा को उसके अपराधी होते हुए भी क्षमा कर अपने शीश पर स्थान दिया वैसे ही भगवान हमें भी सिर पर नहीं तो चरणों में जगह अवश्य देंगे। यह याद दिलाने के लिए सोमवार को ही लोगों ने शिव का वार बना दिया और सोम का अर्थ सौम्य होता है। भगवान शंकर अत्यन्त शांत समाधिस्थ देवता हैं। इस सौम्य भाव को देखकर ही भक्तों ने इन्हें सोमवार का देवता मान लिया। सहजता और सरलता के कारण ही इन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। सोम का अर्थ चंद्रमा भी होता है और चंद्रमा मन का प्रतीक है। जड़ मन को चेतनता से प्रकाशित करने वाला परमेश्वर ही है। मन की चेतनता को पकड़कर हम परमात्मा तक पहुंच सकें इसलिए देवाधिदेव भूतभावन पुरापावन परमेश्वर की उपासना सोमवार को की जाती है।

जप में माला का प्रयोग क्यों होता है

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग ध्यान करने के लिए और भगवान का नाम जपने के लिए माला का प्रयोग करते हैं। कुछ लोग उंगलियों पर गिन कर भी ध्यान जप करते हैं। लेकिन शास्त्रों में माला पर जप करना अधिक शुद्ध और पुण्यदायी कहा गया है। इसके पीछे धार्मिक मान्यताओं के अलावा वैज्ञानिक कारण भी है। धार्मिक दृष्टि से देखें तो अंगिरा ऋषि के कथन पर ध्यान देना होगा। अंगिरा ऋषि के अनुसार असंख्या तु यज्जप्तं, तत्सर्वं निष्फलं भवेत। यानी बिना माला के संख्याहीन जप का कोई फल नहीं मिलता है। इसका कारण यह है कि, जप से पहले जप की संख्या का संकल्प लेना आवश्यक होता है। संकल्प संख्या में कम ज्यादा होने पर जप निष्फल माना जाता है। इसलिए त्रुटि रहित जप के लिए माला का प्रयोग उत्तम माना गया है। जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से यह माना जाता है कि अंगूठे और उंगली पर माला का दबाव पड़ने से एक विद्युत तरंग उत्पन्न होती है। यह धमनी के रास्ते हृदय चक्र को प्रभावित करता है जिससे मन एकाग्र और शुद्ध होता है। तनाव और चिंता से मुक्ति मिलती है। माना जाता है कि मध्यमा उंगली का हृदय से सीधा संबंध होता है। हृदय में आत्मा का वास है इसलिए मध्यमा उंगली और अंगूठे से जप किया जाता है।

धरती पर ब्रह्माजी का निवास पुष्कर तीर्थ

जयपुर के दक्षिण पश्चिम में स्थित अजमेर हिन्दू-मुस्लिम धर्म का संगम स्थल रहा है। अजमेर हिन्दू तीर्थ यात्रियों में उतना ही लोकप्रिय है जितना कि मुसलमानों में। अजमेर से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पुष्कर मंदिरों और झीलों के लिए प्रसिद्ध है। अरावली पर्वत श्रृंखला का नाग पर्वत अजमेर और पुष्कर को अलग करता है। यह भगवान ब्रह्मा के एकमात्र मंदिर के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। इसे भगवान ब्रह्मा का निवास स्थान भी कहा जाता है। मन्दिर के बगल में ही एक मनोहर झील है जिसे पुष्कर झील के नाम से जाना जाता है। पुष्कर झील हिन्दुओं एक परमपावन स्थान के रूप में जानी जाती है। कार्तिक के महीने में श्रद्धालु बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर इस पवित्र झील में डुबकी लगाते है।

धार्मिक मान्यता

हिन्दू श्रद्धालुओं के लिए पुष्कर बहुत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार पुष्कर की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। पुष्कर हिन्दू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थों में से एक है। इसका बनारस या प्रयाग की तरह ही महत्व है । बद्रीनारायण, जगन्नाथ, रामेश्वरम, द्वारका इन चार धामों की यात्रा करने वाले किसी तीर्थयात्री की यात्रा तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक वह पुष्कर के पवित्र जल में स्नान नहीं कर लेता।

पौराणिक कथा

हिन्दू धर्म ग्रन्थों के अनुसार भगवान ब्रह्मा त्रिदेवों में से एक देव हैं। तीनों देवों का कार्य ,जीवन चक्र (जन्म,पालन,विनाश) के आधार पर विभाजित है। ब्रह्मा जी का कार्य जन्म देना है। ब्रह्मा जी को दाढ़ीयुक्त चार सिरों वाला ,जिसके चार हाथ हैं, के रूप में चित्रित किया गया है। ब्रह्मा जी के प्रत्येक हाथ में वेद (ज्ञान) है। ब्रह्मा जी का वाहन हंस है। एक बार भगवान ब्रह्मा पवित्र उद्देश्य के लिए यज्ञ करने का निश्चय किया। यह यज्ञ वह सबसे शुभ समय पर करना चाहते थे। किन्तु उनकी पत्नी सरस्वती, जिनका यज्ञ के समय रहना अत्यावश्यक था, ने उन्हें इन्तजार करने को कहा। इससे झुंझलाकर ब्रह्मा जी ने गायत्री जो कि एक ग्वालिन थी, से विवाह कर उन्हें यज्ञ में बैठा दिया। सरस्वती जी ने जब अपने स्थान पर दूसरे को देखा तो वे क्रोध से भर गयीं। उन्होंने ब्रह्मा जी को श्राप दे दिया कि पृथ्वी के लोग उन्हें भुला देंगे और कभी पूजा नहीं होगी। किन्तु अन्य देवताओं की प्रार्थना पर वो पिघल गयीं और कहा कि ब्रह्मा जी केवल पुष्कर में पूजे जाएंगे। इसी कारण यहाँ के अलावा और कहीं भी ब्रह्माजी का मंदिर नहीं है।

पुष्कर का अर्थ

विद्वानों के अनुसार पुष्कर का अर्थ है ऐसा तालाब जिसका निर्माण फूल से हुआ। पद्म पुराण के अनुसार पुष्कर झील का निर्माण उस समय हुआ जब यज्ञ के स्थान को सुनिश्चित करते समय ब्रह्मा जी के हाथ से कमल का फूल पृथ्वी पर गिर पड़ा। इससे पानी की तीन बूंदें पृथ्वी पर गिर गयीं, जिसमें एक बूंद पुष्कर में गिर गयी। इसी बूंद से पुष्कर झील का निर्माण हुआ।

ब्रह्मा मंदिर

चमक दमक से युक्त पुष्कर कस्बा धार्मिक मिथों और विश्वासों से भरा है। यहाँ का सबसे बड़ा आकर्षण ब्रह्माजी का मंदिर है। मंदिर का निर्माण संगमरमर पत्थर से हुआ है तथा इसे चाँदी के सिक्कों से सजाया गया है। इन चाँदी के सिक्कों पर दानदाता के नाम भी खुदे हुए हैं। इसके अलावा मंदिर के दीवालों पर भी दानदाताओं के नाम लिखे हैं। यहाँ मंदिर के फर्श पर एक रजत कछुआ है। ज्ञान की देवी सरस्वती के वाहन मोर के चित्र भी मंदिर की शोभा बढ़ाते हैं। यहां गायत्री देवी की एक छोटी प्रतिमा और किनारे ब्रह्माजी की चार मुखों वाली मूर्ति को चौमूर्ति कहा जाता है। इस पवित्र मंदिर का प्रवेश द्वार संगमरमर का और दरवाजे चांदी के बने हैं। यहां भगवान शिव को समर्पित एक छोटी गुफा भी बनी है।

पुष्कर झील

पुष्कर झील अपनी पवित्रता और सुंदरता के लिए पूरे विश्व में जानी जाती है। ऐसा मान्यता है कि पुष्कर झील उतना ही पुराना है जितना कि सृष्टि और तीर्थयात्रा के रूप में यह अत्यंत प्राचीन काल से ही जाना जाता है। इस झील में नहाने के लिए के लिए 52 घाट बने हुए हैं जहां दिल में गहरी धार्मिक आस्था लिए श्रद्धालु डुबकी लगाते हैं। पुष्कर समय के झंझावातों में सदैव खड़ा रहा है। यह भगवान राम के समय से लेकर अब तक बदलते इतिहास का शांत गवाह है। इसका उल्लेख चौथी शताब्दी में आये चीनी यात्री फाह्यान ने भी किया है।

पुष्कर मेला

पुष्कर मेला, ऊंट मेला के लिए जाना जाता है। यह भारत के सबसे बड़े मेलों में से एक है और अपनी तरह का विश्व में अकेला है। मेले के दौरान भारत के ग्रामीण क्षेत्रों से लाखों लोग अपने ऊंटों और अन्य पशुओं के साथ यहाँ कई दिनों तक रहकर तीर्थयात्राओं और धार्मिक उत्सवों में अपना व्यापार करते हैं। मेले के दौरान यह छोटा कस्बा अद्भुत सांस्कृतिक छटा बिखेरने लगता है। इस समय रंग-बिरंगे कपड़े पहने श्रद्धालु, जादूगर, कलाबाज, लोक नर्तक, व्यापारी, भांड, साधु, पर्यटक यहां पहुंचते हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार कार्तिक महीने के अष्टमी के दिन मेला शुरू होकर पूर्णिमा के दिन तक चलता है। मेले के पहले भाग में पशुओं के व्यापार पर जोर रहता है तो दूसरे भाग में धार्मिक गतिविधियों पर जोर रहता है। इस समय श्रद्धालु पवित्र झील के जल में डुबकी लगाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस जल में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मेले में ऊंटों, पशुओं, महिलाओं के श्रृंगार के सभी सामान एक ही जगह पर बिकते हैं। हाथों से बने छोटे सामान यादगार के लिए खरीदना सबसे अच्छा होता है। ऊंटों और घोड़ों की दौड़ को जनता खूब प्रोत्साहित करती है। ऊंटों की दौड़ पशु प्रेमियों में खूब लोकप्रिय है। प्रत्येक शाम को यहां अलग-अलग राजस्थानी लोक नृत्य और संगीत का आयोजन किया जाता है। जिसमें खूब भीड़ उमड़ती है। इस मेले का अपना जादू है जो यात्रावों के जीवन भर का अनुभव बन जाता है। मेले के दौरान शिल्पग्राम द्वारा कला और शिल्प की प्रदर्शनी लगायी जाती है।

भारत 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ती उभरती अर्थव्यवस्था बना रहेगा

नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपने ताजा रिपोर्ट में कहा है कि भारत 2025-26 में 6.6 फीसदी की वृद्धि दर से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सबसे आगे रहेगा। आईएमएफ ने यह अनुमान भारत की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की मजबूत आर्थिक गतिविधियों को देखते हुए लगाया है, जिसने अमेरिका द्वारा लगाए गए नए आयात शुल्क का असर संतुलित किया। 2026 में वृद्धि दर थोड़ी कम होकर 6.2 फीसदी रहने की संभावना है। 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.5 फीसदी रही थी, और सरकार ने 2025-26 के लिए 6.3-6.8 फीसदी का लक्ष्य रखा है। आईएमएफ ने कहा कि 2025 में वैश्विक वृद्धि दर 3.2 फीसदी और 2026 में 3.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछले पूर्वानुमानों से थोड़ा कम है। मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन अमेरिका में यह अभी भी लक्ष्य से ऊपर रह सकती है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की औसत वृद्धि 1.6 फीसदी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की 4.2 फीसदी रहने की संभावना है।

ओडिशा सरकार ने 1.46 लाख करोड़ के 33 निवेश प्रस्तावों को दी मंजूरी

भुवनेश्वर ओडिशा में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) और मुख्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में एकल खिड़की मंजूरी समिति (एसएलएसडब्ल्यूसीए) की बैठक में 33 निवेश प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। एचएलसीए ने 12 प्रस्तावों के लिए 1,41,993.54 करोड़ रुपये का निवेश मंजूर किया, जिससे लगभग 49,745 रोजगार सृजित होंगे। एसएलएसडब्ल्यूसीए ने 4,019.53 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी, जिससे 16,590 रोजगार की संभावना है। सुंदरगढ़ जिले में 84,000 करोड़ रुपये की अदाणी परियोजना से 36,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि यह निवेश ओडिशा की प्रगतिशील नीतियों, तेज प्रशासन और निवेश के लिए तैयार माहौल का प्रतीक है।

1 नवंबर से जीएसटी पंजीकरण होगा सरल, तीन दिन में मिलेगी मंजूरी

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने 1 नवंबर से सरलीकृत जीएसटी पंजीकरण प्रणाली लागू करने की घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि नई प्रक्रिया के तहत नए आवेदकों को तीन कार्य दिवसों में पंजीकरण मंजूर कर दिया जाएगा। यह सुधार जीएसटी 2.0 के तहत लाया गया है और इसका उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाना तथा मानव हस्तक्षेप को कम करना है। नई प्रणाली में पंजीकरण दो प्रकार से स्वचालित होगा। पहला, वे आवेदक जिन्हें सिस्टम द्वारा जोखिम और डेटा विश्लेषण के आधार पर चुना गया है। दूसरा, वे जिन्होंने स्वयं आकलन किया कि उनकी मासिक आउटपुट कर देयता 2.5 लाख रुपए से अधिक नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि लगभग 96 प्रतिशत नए आवेदक सीधे इस सरलीकृत प्रक्रिया का लाभ उठा सकेंगे। सीतारमण ने कहा कि अब सरकार का ध्यान नीति निर्माण से क्रियान्वयन की ओर बढ़ रहा है। कर अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे करदाताओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें और कर चोरी के मामलों में सख्ती बनाए रखें। उन्होंने जोर दिया कि सिस्टम को विवेक से नहीं, बल्कि व्यवस्थित रूप से काम करना चाहिए।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में गिरावट

नई दिल्ली बीते सप्ताह सरसों के ऊंचे दामों के कारण लिवाली प्रभावित रही। इसके चलते सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों का पर्याप्त स्टॉक किसानों, स्टॉकिस्ट और सरकार के पास मौजूद है। सरसों दाना 7,000-7,050 रुपये/क्विंटल और सरसों दादरी तेल 14,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन तिलहन का नया एमएसपी 5,328 रुपए प्रति क्विंटल है, जबकि हाजिर बाजार 4,000-4,200 रुपए प्रति क्विंटल पर। कमजोर बिकवाली के चलते सोयाबीन तिलहन में मामूली सुधार हुआ, लेकिन दाम अभी भी एमएसपी से 20-22 फीसदी नीचे है। सोयाबीन तेल में आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के कारण गिरावट दर्ज हुई। मूंगफली तेल-तिलहन स्थिर रहे। इंडोनेशिया की आयात मांग देखी जा रही है। वहीं मलेशिया में संभावित सट्टेबाजी खत्म होने से पाम-पामोलीन तेल में गिरावट हुई। कपास की आवक बढ़ने से बिनौला तेल के दाम में 200 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गई। सरकार को एमएसपी और तेल संयंत्रों की पेराई क्षमता पर ध्यान देना होगा।

भारत से यात्री वाहन निर्यात में 18 फीसदी की बढ़त, मारुति सुजुकी सबसे आगे

वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में 4.45 लाख से अधिक वाहन विदेश भेजे गए

नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत से यात्री वाहनों का निर्यात 18.4 प्रतिशत बढ़कर 4,45,884 इकाई हो गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,76,679 इकाई था। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे वैश्विक बाजारों में स्थिर मांग और नए देशों में निर्यात विस्तार की बड़ी भूमिका रही है। मारुति सुजुकी इंडिया इस अवधि में 2,05,763 इकाइयों के निर्यात के साथ शीर्ष स्थान पर रही। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 1,47,063 इकाइयों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

हुंडई मोटर इंडिया ने 99,540 इकाइयाँ भेजीं, जो 17 प्रतिशत अधिक है, जबकि निसान मोटर इंडिया का निर्यात 33,059 से बढ़कर 37,605 इकाई हो गया। इसके बाद फॉक्सवैगन इंडिया (28,011), टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (18,880), किआ इंडिया (13,666) और होंडा कार्स इंडिया (13,243) का स्थान रहा। वाहन श्रेणियों की बात करें तो, यात्री कारों का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़कर 2,29,281 इकाई तक पहुंचा, जबकि यूटिलिटी वाहनों की विदेशी मांग में तेजी से इजाफा हुआ और उनका निर्यात 26 प्रतिशत बढ़कर 2,11,373 इकाई हो गया। वहीं वैन का निर्यात 36.5 प्रतिशत बढ़कर 5,230 इकाई दर्ज किया गया। सियाम ने कहा कि भारत ने इस अवधि में 24 देशों को निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

अमेरिका ने रोका रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों को, भारत पर फिलहाल असर सीमित

नई दिल्ली अमेरिका ने रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों रोजनेफ्ट और ल्यूकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि, रूस का कच्चा तेल खुद सैंक्शंस में शामिल नहीं है। इसका मतलब है कि यदि तेल बेचने वाली कंपनी पर प्रतिबंध नहीं है, तो भारतीय रिफाइनर बिना कानून तोड़े रूस से तेल खरीद सकते हैं। विशेषज्ञों और रिफाइनरी अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से भारत-रूस के 69 बिलियन डॉलर के तेल व्यापार पर फिलहाल बड़ा असर नहीं पड़ेगा। दिसंबर डिलीवरी पहले ही तय हो चुकी है, और साल 2025 में भारत को रूस से लगभग 70 फीसदी तेल रोजनेफ्ट और ल्यूकोइल से मिला। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि जनवरी के बाद सप्लाई प्रभावित हो सकती है। जनवरी 2025 में गैज़प्रोम नेफ्ट और सुरगुतनेफ्तेगास पर सैंक्शन लगाए गए थे, जिससे लगभग 1 मिलियन बैरल प्रति दिन उत्पादन प्रभावित हुआ। बावजूद इसके सुरगुतनेफ्तेगास ने भारत को 1.59 लाख बैरल प्रति दिन सप्लाई की, जो रूस से आने वाले कुल तेल का 9 फीसदी है।

एलआईसी ने अडानी निवेश पर लग रहे आरोपों का किया खंडन

नई दिल्ली भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शनिवार को स्पष्ट किया कि उसके अडानी समूह में निवेश स्वतंत्र और बोर्ड-स्वीकृत नीतियों के तहत किए गए हैं। एलआईसी ने यह भी कहा कि इन निवेश निर्णयों में वित्त मंत्रालय या किसी सरकारी संस्था की कोई भूमिका नहीं है। कंपनी ने जोर देकर कहा कि निवेश केवल विस्तृत जांच-पड़ताल और वित्तीय आधार पर किए जाते हैं। एलआईसी ने बताया कि मई 2025 में उसने अडानी पोर्ट एंड सेज में 570 मिलियन डॉलर का निवेश किया, जिसे भारत की एएए क्रेडिट रेटिंग प्राप्त है। एलआईसी का अडानी समूह में कुल निवेश उसके कुल कर्ज का 2 फीसदी से कम है। कंपनी ने विदेशी मीडिया की रिपोर्ट का खंडन करते हुए कहा कि यह निवेश पूरी तरह सुरक्षित और व्यावसायिक दृष्टिकोण पर आधारित है। एलआईसी भारत का सबसे बड़ा संस्थागत निवेशक है, जिसके पास 41 ट्रिलियन रुपये (500 बिलियन डॉलर) से अधिक की संपत्ति है। यह 351 सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करता है और सरकारी बांड एवं कॉर्पोरेट ऋण में भी भारी निवेश करता है। एलआईसी के प्रमुख निवेशों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और अडाणी समूह शामिल हैं। एलआईसी के अनुसार, भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में उसका निवेश 2014 से दस गुना बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपये से 15.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी ने कहा कि उसके निवेश निर्णय हितधारकों के सर्वोत्तम हित में और नियमानुसार लिए जाते हैं।

शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे कंपनी नतीजे और वैश्विक आर्थिक फैसले

निवेशक सबसे पहले कोटक महिंद्रा बैंक के नतीजों पर नजर रखेंगे

मुंबई

विशेषज्ञों ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजों का सीजन भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करेगा। निवेशक सबसे पहले कोटक महिंद्रा बैंक के नतीजों पर नजर रखेंगे। इसके बाद आईओसी, टीवीएस मोटर कंपनी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, आईटीसी, सिप्ला, डाबर, मारुति और एसीसी के आंकड़े निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार निवेशक कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन के आधार पर बाजार की प्रतिक्रिया तय करेंगे। 28 अक्टूबर को भारत के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े जारी होंगे। वहीं 29 अक्टूबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर निर्णय वैश्विक तरलता और जोखिम धारणा पर असर डाल सकता है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख ने कहा कि निवेशक अमेरिका के जीडीपी, यूरोपीय केंद्रीय बैंक और जापान के बैंक ऑफ जापान के नीतिगत फैसलों के साथ-साथ चीन के विनिर्माण पीएमआई पर भी नजर रखेंगे। घरेलू मोर्चे पर, भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में प्रगति निवेशकों के लिए प्रमुख ध्यान का केंद्र रहेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि भारत जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करेगा। इसके अलावा, अमेरिका-चीन के राष्ट्रपति की बैठक से व्यापार तनाव में कमी आ सकती है, जिसका असर वैश्विक बाजारों पर पड़ेगा। छुट्टियों के कारण कम कारोबार वाले पिछले सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 259.69 अंक या 0.30 प्रतिशत बढ़ा, जबकि निफ्टी 85.3 अंक या 0.33 प्रतिशत के लाभ में रहा। यह हल्की तेजी बाजार में निवेशकों की सतर्क लेकिन सकारात्मक भावना को दर्शाती है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ बढ़ा

» शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई

छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले पिछले सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 1,55,710.74 करोड़ रुपये बढ़ गया।

घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा लाभ हुआ।

शीर्ष 10 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को लाभ हुआ। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 46,687.03 करोड़ रुपये बढ़कर 19,64,170.74 करोड़ रुपये हो गया।

टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 36,126.6 करोड़ रुपये बढ़कर 11,08,021.21 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 34,938.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,33,712.38 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 13,892.07 करोड़ रुपये बढ़कर 8,34,817.05 करोड़ रुपये रहा।

बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 11,947.17 करोड़ रुपये बढ़कर 6,77,846.36 करोड़ रुपये हो गई, जबकि भारती एयरटेल का मूल्यांकन 9,779.11 करोड़ रुपये बढ़कर 11,57,014.19 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी ने सप्ताह के दौरान 2,340.25 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 5,62,513.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और एलआईसी का स्थान रहा।

रिलायंस और मेटा ने भारत में नई एआई जॉइंट वेंचर की घोषणा की

नई दिल्ली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक) के साथ मिलकर रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड नाम से एक नई एआई कंपनी बनाने की घोषणा की है। इस कंपनी का उद्देश्य भारत में बड़े व्यवसायों के लिए उन्नत एंटरप्राइज एआई सेवाओं और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्रदान करना है। नई पहल से डिजिटल टेक्नोलॉजी और एआई क्षेत्र में रिलायंस की पकड़ को और मजबूत करने की उम्मीद है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रिलायंस इंटेलिजेंस आरईआईएल में 70 फीसदी हिस्सेदारी रखेगी, जबकि मेटा (फेसबुक) का हिस्सेदारी 30 फीसदी होगी। दोनों कंपनियां मिलकर लगभग 855 करोड़ रुपए का प्रारंभिक निवेश करेंगी। शुरुआत में रिलायंस ने आरईआईएल को 2 करोड़ रुपए की पूंजी के साथ अपनी पूरी सब्सिडियरी के रूप में शामिल किया है। बाद में समझौते के अनुसार, यह पूरी तरह से जॉइंट वेंचर बन जाएगा। रिलायंस ने एक्सचेंज फाइलिंग में स्पष्ट किया है कि यह सौदा किसी प्रकार के संबंधित पार्टी ट्रांजेक्शन में नहीं आता और कंपनी के प्रमोटर या समूह का इसमें कोई व्यक्तिगत हित नहीं है।

रूस पर प्रतिबंध....पश्चिम एशिया और अमेरिका से कच्चे तेल खरीद सकती हैं भारतीय रिफाइनरी

मुंबई

दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकती हैं। अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगाया है। इसके साथ सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोका गया है। प्रतिबंधित रूसी तेल कंपनियों या उनकी अनुषंगी इकाइयों के साथ लेनदेन करते मिलने पर गैर-अमेरिकी फर्मों को भी दंड का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा है कि रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से जुड़े सभी मौजूदा लेनदेन 21 नवंबर तक समाप्त होने चाहिए। इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में करीब एक तिहाई हिस्सा रूस का है। रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन करीब 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया। इसमें से करीब 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया। इसमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था। सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक (रिफाइनिंग और मॉडलिंग) सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आएगी है।

जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहेंगी। सूत्रों ने बताया कि रॉसनेफ्ट के साथ पांच लाख बैरल प्रतिदिन तक कच्चा तेल खरीदने का 25 साल का अनुबंध करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज उससे तेल आयात रोकने वाली पहली कंपनी हो सकती है। यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण अन्य जगहों से आपूर्ति कम होने के बाद, नायरा एनर्जी के पास बहुत कम विकल्प हैं। कंपनी वर्तमान में पूरी तरह से रूसी तेल पर निर्भर है। रितोलिया ने कहा, फिर भी, रिफाइनरी तीसरे पक्ष के मध्यस्थों के जरिये रूसी ग्रेड का तेल लेना जारी रखेंगी।

यूरो एनसीएपी करेगी सुरक्षा मानदंडों को और कड़ा

नई दिल्ली

दुनिया भर में कारों की सुरक्षा का स्तर जानने के लिए अलग-अलग देशों के लिए एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग लागू है भारत में बीएनकैप, यूरोप में यूरो एनसीएपी और ग्लोबल लेवल पर जीएनसीएपी। यूरोप में लगभग 90 प्रतिशत ग्राहक कार खरीदने से पहले यूरो एनसीएपी रेटिंग जरूर देखते हैं। हालांकि, यूरो एनकैप ने 2026 के बाद से सुरक्षा मानदंडों को और कड़ा कर दिया है। नए 2026 सेफ्टी असेसमेंट प्रोटोकॉल में रियल वर्ल्ड ड्राइविंग के परिदृश्यों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले मजबूत अडास सिस्टम को अनिवार्य किया गया है। सबसे खास बदलाव यह है कि कारों में हॉर्न, टर्न सिग्नल, हैजर्ड लाइट, विंडशील्ड वाइपर और इमरजेंसी एसओएस जैसे कार्यों के लिए फिजिकल बटन या डायल रखना जरूरी होगा। इसका मकसद ड्राइवर का ध्यान सड़क से हटने न पाए। स्टडीज बताती है कि सड़क से केवल 2 सेकंड के लिए नजरें हटने से टक्कर हो सकती है। टचस्क्रीन पर नियंत्रण करने में 5 से 40 सेकंड तक ध्यान भटक सकता है। 2020 के बाद यूरोपीय संघ में ध्यान भटकने से होने वाली दुर्घटनाओं में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसलिए यूरो एनसीएपी ड्राइवर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फिजिकल बटनों को अनिवार्य कर रहा है। यह बदलाव कार निर्माताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अधिकांश नई कारों में क्लीन और मिनिमलिस्ट इंटीरियर्स

अपनाए गए हैं, जहां अधिकांश नियंत्रण टचस्क्रीन पर ट्रांसफर कर दिए गए हैं। फिजिकल बटनों को वापस लाने के लिए हार्डवेयर को फिर से डिजाइन करना और सप्लाई श्रृंखला में बदलाव करना पड़ेगा, जिससे लागत बढ़ सकती है और नए मॉडलों की लॉन्चिंग में देरी आ सकती है।

सब-4 मीटर एसयूवी का अगला संस्करण 2026 हुंडई वेन्यू पेश

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय सब-4 मीटर एसयूवी का हुंडई मोटर इंडिया ने अगला संस्करण 2026 हुंडई वेन्यू पेश कर दिया है। हुंडई मोटर नई वेन्यू 4 नवंबर 2025 को लॉन्च के लिए तैयार है। यह मॉडल हुंडई के नए डिजाइन दर्शन पर आधारित है और भारत में इसका ग्लोबल डेब्यू होगा। लॉन्च के बाद इसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी एक्सपोर्ट किया जाएगा। टीजर में एसयूवी का डिजाइन पहले से अधिक बोल्ड और दमदार नजर आता है। फ्रंट प्रोफाइल में आयताकार ग्रिल, सी-आकार के एलईडी डीआरएलएस, वर्टिकली स्टैक्ड हेडलैंप और पूरी चौड़ाई में फैली एलईडी लाइट बार दिखाई गई है। बम्पर पर बुल-बार स्टाइल डिजाइन एसयूवी को मजबूत अपील देता है। साइड प्रोफाइल में फ्लैट डोर पैनल, नए सी-पिलर और चंकी व्हील आर्च का इस्तेमाल किया गया है। पीछे की ओर कनेक्टेड एलईडी टेललैंप और आकर्षक टेलगेट इसके प्रीमियम लुक को बढ़ाते हैं। इंटीरियर में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इसमें नई क्रेटा और अल्काजार की तरह दो 12.3-इंच की कर्व्ड स्क्रीन दी जाएगी। इसके अलावा टच-बेस्ड क्लाइमेट कंट्रोल, फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीटें और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स मिलेंगे। सुरक्षा के लिहाज से 2026 वेन्यू में लेवल-2 अडास सिस्टम दिया जाएगा, जिसमें अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, ब्लाइंड स्पॉट वार्निंग और 360 डिग्री कैमरा जैसे एडवांस फीचर्स होंगे। मैकेनिकल रूप से एसयूवी में 1.2-लीटर पेट्रोल, 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन विकल्प जारी रहेंगे। उम्मीद है कि डीजल इंजन के साथ अब 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स भी मिलेगा।

डीमार्ट ने लेंसकार्ट में 90 करोड़ का निवेश किया

» आईवियर ब्रांड लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर से 4 नवंबर तक खुला रहेगा

नई दिल्ली

देश के दिग्गज निवेशक और एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के संस्थापक राधाकिशन दमानी ने आईवियर कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में लगभग 90 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह निवेश लेंसकार्ट के आगामी आईपीओ से ठीक पहले किया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार दमानी की पत्नी श्रीकांता आर. दमानी ने 23 अक्टूबर 2025 को कंपनी की सह-संस्थापक नेहा बंसल से 22,38,806 इक्विटी शेयर 402 प्रति शेयर की दर से खरीदे, जिससे कुल सौदे की कीमत 90 करोड़ रही।

यह हिस्सेदारी कंपनी में लगभग 0.13 प्रतिशत है। लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर से खुलकर 4 नवंबर 2025 को बंद होगा।

इस इश्यू में 2,150 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 12.75 करोड़ इक्विटी शेयर प्रमोटर्स और निवेशकों द्वारा ऑफर फॉर सेल के तहत बेचे जाएंगे। इसमें 75 फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स, 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों और 10 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित रहेगा। इसके अलावा 15 करोड़ के शेयर कर्मचारियों के लिए रिजर्व किए गए हैं।

कंपनी इस फंड का उपयोग नए स्टोर खोलने, टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमताओं को मजबूत करने, ब्रांड मार्केटिंग और संभावित अधिग्रहणों में करेगी।

वित्त वर्ष 2025 में लेंसकार्ट ने 297.3 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष उसे 10.2 करोड़ का घाटा हुआ था। कंपनी का राजस्व 23 फीसदी बढ़कर 6,652.5 करोड़ तक पहुंचा और ग्रॉस मार्जिन भी 69 फीसदी तक सुधरा।

हवा को जहर बनाता दिल्ली का आत्मघाती प्रदूषण

ललित गर्ग

> प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है।

दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर दुनिया की नजरों में भारत की राजधानी को शर्मसार कर रहा है। कभी संस्कृति, ऊर्जा और प्रगति की पहचान रही दिल्ली आज धुएं और धूल की चादर में लिपटी दिखाई देती है। हवा में घुला जहर इस हद तक बढ़ चुका है कि सांस लेना भी एक जोखिम बन गया है। हाल ही में दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 345 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया जो 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्थिति न केवल दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय भी है। प्रश्न यह है कि क्यों हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली का आसमान धुंधला हो जाता है और जीवन दम घोंटने लगता है। इसका उत्तर जटिल है क्योंकि इसके लिए सरकार, समाज और व्यक्ति सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होना हमारे विकास के मॉडल पर एक गंभीर टिप्पणी है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। यह स्थिति अन्य अनेक असाध्य रोगों का भी कारण बनती है।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है। भले ही कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है।

फिर भी यह कहना भी उचित नहीं कि सरकारें कुछ नहीं कर रहीं। केंद्र और राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में कई योजनाएँ शुरू की हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने एवं भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के उपक्रम हो रहे हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) लागू किया गया, जिसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध नियंत्रण उपाय किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी दी गई, हजारों ई-बसें चलाई गईं, स्मॉग टावर लगाए गए और 'ग्रीन दिल्ली ऐप' के माध्यम से शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की गई। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध कराई गईं और सब्सिडी दी गई। इन प्रयासों से कुछ हद तक राहत तो मिली, परंतु समस्या की जड़ अब भी जस की तस है क्योंकि यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक भी है।

हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आई। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली को दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं। लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है। यह लापरवाही केवल सरकार पर दोष डालने से नहीं मिटेगी, बल्कि इसके लिए नागरिक चेतना की आवश्यकता है। यह सच है कि सरकार कानून बना सकती है, नियम लागू कर सकती है, परंतु जब तक जनता अपनी आदतें नहीं बदलेगी तब तक प्रदूषण पर काबू पाना असंभव है। यदि हम अन्य महानगरों से तुलना करें तो दिल्ली की स्थिति सबसे दयनीय है। मुंबई, बेंगलुरु या कोलकाता की तुलना में यहाँ प्रदूषण का स्तर दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण यह है कि दिल्ली न केवल स्थानीय प्रदूषण झेलती है बल्कि पड़ोसी राज्यों के प्रभाव में भी आती है। इसलिए समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। केंद्र सरकार को राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थायी नीति बनानी होगी ताकि पराली प्रबंधन, निर्माण नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और वाहनों की नीति पर एकरूपता लाई जा सके।

इस समय आवश्यकता है कि प्रदूषण को सिर्फ मौसमी समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा जाए। जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में 'ग्रीन जोन' विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए, और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। दिल्ली का यह प्रदूषण दरअसल हमारे विकास मॉडल की असफलता का आईना है, जहाँ हमने सुविधाओं को तो बढ़ाया पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता-स्वच्छ हवा को खो दिया। यह केवल सरकार की विफलता नहीं बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भी परिणाम है। यदि अब भी हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ हवा को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी। अब समय है कि हम राजनीति, दोषारोपण और उदासीनता से ऊपर उठकर सांस लेने के अधिकार के लिए एकजुट हों। क्योंकि प्रकृति का शोषण नहीं, संरक्षण ही सभ्यता की पहचान है और यदि हमने हवा को जहर बना दिया है तो हमारे सारे विकास के प्रतीक बेमानी हो जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

देश आपातकाल से पांच दशक आगे

नई वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के समकाल और देशकाल को देखना खासा दिलचस्प है। समाज, राजनीति और लोकतंत्र की बात करें तो देश आपातकाल से पांच दशक आगे निकल चुका है। यह भी कि इस वर्ष जब आखिरी विधानसभा चुनाव के रूप में बिहार में नई सरकार चुनी जानी है तो जयप्रकाश आंदोलन के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बिहार इस आंदोलन का एक तरह से एपिक सेंटर था। इन पांच दशकों में जरूर गंगा में बहुत पानी पानी बह चुका है, पर समय के इस बहाव के बीच कुछ चीजें स्थिर भी हुई हैं और वे नई मिसालें और मानदंडों के साथ हमारे समय में लोकनीति और विकास को व्याख्यायित कर रही हैं। इस बात की बड़ी अहमियत है कि जिस बिहार में आकर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अमोघ अस्त्र देश-दुनिया को दिया, आज उस सूबे की धरती पर महिलाओं ने एक बड़ी मूक क्रांति को सच कर दिखाया है। यह क्रांति महिला सशक्तीकरण की इकहरी समझ से आगे कई मायनों में सर्व-समावेशी है और इससे इस प्रदेश की महिलाओं के साथ ग्रामीण इलाकों में विकास और बदलाव का एक सर्वथा नया दौर सामने आया है। इस लिहाज से इन दिनों मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की खासी चर्चा है। आकार के लिहाज से यह देश की ऐसी सबसे बड़ी योजना है, जिसने न सिर्फ सामाजिक बदलाव की जमीन को मजबूत किया है, बल्कि इसे महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का सर्वथा नया दौर शुरू हुआ है। गौरतलब है कि बीते 26 सितंबर को जब यह योजना शुरू हुई तो 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में दस-दस हजार पर ट्रांसफर किए गए। इसके कुछ ही दिन बाद 25 लाख और महिलाओं को इसमें जोड़ा गया और उनके भी खाते में पैसे पहुंचे। इस तरह 75 लाख का आंकड़ा देखते-देखते एक करोड़ पर पहुंच गया। राज्य क्या देश के स्तर पर पर भी यह संख्या ऐतिहासिक तौर असाधारण है। महिलाओं को यह राशि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए दी जा रही है। वस्तुतः चुनाव से पूर्व होने वाली तमाम तरह की अव्यावहारिक और हवाई घोषणाओं से अलग बिहार सरकार ने कैबिनेट स्तर पर बीते कुछ महीने में कई अहम फैसले लिए हैं। इस क्रम में जो बड़ा फैसला राज्य सरकार ने किया है, वह है मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। राज्य सरकार ने इस योजना को प्रदेश की महिलाओं की स्थिति और जरूरत को समझते हुए न सिर्फ फ्रेम किया, बल्कि इसके शीघ्र क्रियान्वयन को लेकर भी वह लगातार गंभीर रही।

चिंतन-मनन

स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पसंद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशंसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था। रावण को कई बार उसकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसीलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का का नाश हुआ।

छठ : आस्था,सेवा और समर्पण का महापर्व

विनोद कुमार सिंह

भारत की संस्कृति और सभ्यता की पहचान उसके पर्व-त्योहारों से होती है।यहां हर पर्व किसी न किसी सामाजिक,आध्यात्मिक,सांस्कृतिक या प्राकृतिक भावना से जुड़ा होता है।छठ महापर्व,जो न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है,बल्कि सेवा, समर्पण,पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला लोकपर्व भी है।यह पर्व उस जनमानस की जीवंत परंपरा है जिसने सूर्य देव और प्रकृति को अपना आराध्य माना और मानव जीवन को उनके अनुग्रह से जोड़ दिया।

छठ पर्व की पृष्ठभूमि-छठ पर्व की परंपरा वैदिक काल से जुड़ी मानी जाती है। ऋग्वेद में सूर्योपासना के मंत्रों का उल्लेख मिलता है,जहाँ सूर्य को ऊर्जा,आरोग्य और जीवन का स्रोत बताया गया है। रामायण और महाभारत में भी सूर्य पूजन की परंपरा का उल्लेख है कि अयोध्या लौटने के बाद जब भगवान श्रीराम और माता सीता ने राज्याभिषेक के उपरांत सूर्य देव की आराधना की, तभी से यह परंपरा लोकजीवन में स्थापित हुई। वहीं दूसरी ओर महाभारत में कुंती द्वारा सूर्य देव की पूजा कर कर्ण की प्राप्ति का प्रसंग भी छठ व्रत की आध्यात्मिक जड़ें बताता है।छठ पूजा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पवित्रता, संयम और निष्ठा का पर्व है।इस पर्व में दिखावे या वैभव का स्थान नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धता औरनिस्वार्थ भावना का वर्चस्व होता है।छठव्रती (मुख्यतः महिलाएं,परंतु पुरुष भी करते हैं)चार दिनों तक कठिन तपस्या के समान नियमों का पालन करती हैं।

1.नहाय-खाय-पहले दिन घर की शुद्धि होती है,व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करती हैं।
2.खरना-दूसरे दिन निर्जला व्रत के बाद सूर्यास्त पर गुड़-चावल की खीर का प्रसाद ग्रहण किया जाता है।
3. संध्या अर्घ्य- तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाता है।
4.उषा अर्घ्य-चौथे दिन उदितमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत की पूर्णाहुति होती है।

सेवा और समर्पण की अनूठी व अनोखी मिसाल -छठ पर्व में सेवा का भाव सर्वोच्च होता है।व्रती महिला के चारों ओर पूरा परिवार एक सेवक की तरह जुड़ जाता है। बच्चे, बुजुर्ग,पुरुष,सब किसी न किसी रूप में इस अनुष्ठान के सहयोगी बनते हैं।कोई प्रसाद बनाता है, कोई घाट सजाता है,तो कोई सूप और दौरा तैयार करता है।यह सामूहिकता और सेवा भाव भारतीय परिवार प्रणाली की सबसे सुंदर झलक पेश करता है।

छठ घाट पर सूर्य को अर्घ्य देते समय जब महिलाएं जल में कमर तक डूबी खड़ी होकर हाउटे सुगवा धनुष मेंह या हाकांच ही बांस के बहंगियाह जैसे लोकगीत गाती हैं,तब लगता है जैसे सम्पूर्ण प्रकृति उनके साथ इस आराधना में सम्मिलित हो गई हो। यह दृश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की चरम अभिव्यक्ति है।

प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े रहस्य -छठ पर्व का हर पहलू प्रकृति से गहराई से जुड़ा है।पूजा में प्रयोग होने वाली प्रत्येक सामग्री-गन्ना, केला, नारियल, अदरक, सुथनी, मूली,दीपक,घी,मिट्टी,सूप, डलिया – सब प्रकृति की देन हैं। यही कारण है कि यह पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण और संतुलन का संदेश देता है।

छठ पर्व हमें सिखाता है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन ही जीवन का आधार है।सूर्य को अर्घ्य देना,जल में खड़े होकर प्रार्थना करना -यह सब प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक है।

सामाजिक एकता और समानता का पर्व-छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह भी है कि यह जाति, धर्म, वर्ग, लिंग या क्षेत्र की सीमाओं से परे है। इस पर्व में सबका स्थान समान है। अमीर-गरीब,ग्रामीण-शहरी,सब एक ही घाट पर खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं।वहाँ न कोई ऊँच-नीच,न कोई भेदभाव - यही तो भारत की असली पहचान है।छठ पर्व ने बिहार और पूर्वांचल की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाई दी है।अब यह केवल बिहार या पूर्वी भारत का पर्व नहीं रहा; यह देश-विदेश में रहने वाले भारतीयों की भावनाओं का प्रतीक बन चुका है।

लोकगीतों में बसती है छठ की आत्मा-छठ पर्व लोकगीतों के बिना अधूरा है।हर अनुष्ठान, हर विधि, हर भावना लोकगीतों के माध्यम से व्यक्त होती है।गीतों में भक्ति, मातृत्व,सेवा,और सामाजिक संवेदना का संगम होता है।महान लोक गायिका शारदा सिन्हा की मधुर आवाज में जब हकेलवा के पात पर, उगेलन सूर्य देवह गूंजती है,तो घर-घर में छठ का वातावरण जीवंत हो उठता है।यही गीत छठ पर्व की आत्मा बन जाते हैं।जो न केवल सुनने वाले को भावविभोर करते हैं,बल्कि उसे अपनी जड़ों से जोड़ देते हैं।आज जब लाखों बिहारी और पूर्वांचली लोग देश-विदेश में बसे हैं, तो छठ उनके लिए केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बन गया है। चाहे वह दिल्ली,मुंबई, कोलकाता,दुबई या न्यूयॉर्क क्यों न हो - प्रवासी बिहारी अपने छोटे से तालाब या कृत्रिम घाट बनाकर छठ मनाते हैं। उनके लिए यह केवल पूजा नहीं, बल्कि घर की याद और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है।छठ महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, सेवा, समर्पण और पर्यावरण चेतना का विराट संगम है।यह हमें सिखाता है कि जीवन में तप, संयम और श्रम का कितना महत्व है।यह पर्व नारी शक्ति के धैर्य,श्रद्धा और त्याग की सर्वोच्च मिसाल प्रस्तुत करता है।सूर्योपासना के माध्यम से यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर अस्त नया उदय लेकर आता है - हर अंधकार के बाद प्रकाश का जन्म होता है।छठ केवल पूजा नहीं, यह प्रकृति,परंपरा और परमात्मा के बीच आत्मिक संवाद है -जो हमें बार-बार अपने मूल की ओर लौटने का संदेश देता है।

नोट -लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है।

कार्बाइड गन से भारत में हजारों लोग अंधे?

संत जैन

भारत में तकनीक और नवाचार के नाम पर कई बार ऐसी चीजें प्रचलन में आ जाती हैं जो दिखने में साधारण और बड़े काम की लगती हैं, लेकिन आगे चलकर वो समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाती हैं। 'कार्बाइड गन' इसका ताजा उदाहरण है। मूल रूप से यह गन पक्षियों और जानवरों को भगाने के लिए उपयोग में लाई जाती थी। दीपावली के अवसर पर हाल के दिनों में यह गन मासूम बच्चों और आम नागरिकों की जान और आंखों की रोशनी छीनने का कारण बन रही हैं। दीपावली के अवसर पर देशभर में इस कार्बाइड गन को जिस तरह से पटाखे के रूप में उपयोग किया गया है। बच्चों और आम नागरिकों के हाथ में यह गन थी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में इसका उपयोग किया गया। उसके कारण दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, सहित कई राज्यों में हजारों लोगों की आंखों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इससे सैकड़ों लोग स्थाई रूप से अंधे हो गए हैं। हजारों लोग अस्पताल में आंखों का इलाज करा रहे हैं। इस कार्बाइड गन को लोगों ने जुगाड़ से भी तैयार किया। जब इसे उपयोग में लाया गया, तो सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई कई घटनाओं के बाद सरकार ने इसे घातक घोषित करते हुए, प्रदेश में कार्बाइड गन पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस गन को 'घातक विस्फोटक उपकरण' की श्रेणी में रखा गया है। सरकार ने यदि कोई भी व्यक्ति इस गन को बनाता, खरीदता या बेचता है तो उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट 1959, विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के तहत कठोर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नियम में जो परिवर्तन किया गया है, उसके बाद कार्बाइड गन बेचने वालों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। यह सख्त कदम समय की मांग थी। मध्य प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्यवाही करते हुए इस पर रोक लगाने का काम किया। कार्बाइड गन से भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल और जबलपुर जैसे जिलों में गनों से किए गए विस्फोट के कारण बच्चों की आंखें जलने और किए गए विस्फोट के कारण स्थायी अंधेपन के कई मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में 10 लोगों की आंखें पूरी तरह से खराब हुई है। इनमें से चार लोगों की सर्जरी की गई है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 150 लोग और पटना के 50 से अधिक लोग इस गन के विस्फोट से घायल हुए हैं। कार्बाइड गन प्लास्टिक के साधारण से पाइप में तैयार हो जाती है। गैस लाइटर, कैल्शियम और कार्बाइड से तैयार कर इसे आसानी से उपयोग में लाया जा सकता है। कार्बाइड का उपयोग फलों को पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए उपयोग में होता है। जो सभी शहरों में आसानी से उपलब्ध है। यह गन 150 रुपए से लेकर 2000 रुपये तक में आसानी से देश भर में उपलब्ध थी। इस बार पटाखों की दुकानों और ऑनलाइन इस गन को बेचा गया है। सोशल मीडिया की इसमें बड़ी भूमिका थी। दीपावली के अवसर पर इसका बड़े पैमाने पर विस्फोटक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े और कार्बाइड धुयें के कारण हजारों लोगों की आंखों को नुकसान पहुंचा है। सैकड़ों लोगों की आंखों की रोशनी चली गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर यह खतरनाक गन 1300 से 2500 रुपये में खुलेआम आज भी बिक रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस गन का उपयोग 'खरगोश भगाने वाली गन' या 'कार्बून पाइप' जैसे नाम से होता है। सच्चाई यह है, इसमें उपयोग होने वाला कार्बाइड और पानी का मिश्रण गैस विस्फोट पैदा करता है। जो तेज आवाज के साथ खतरनाक आग और दबाव उत्पन्न करता है। जिसका असर काफी दूर तक होता है। इसी विस्फोट से बच्चों और किसानों के गंभीर रूप से झुलसने के कई मामले सामने आए हैं। मध्य प्रदेश सरकार का यह प्रतिबंध सराहनीय है। केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है, जमीनी स्तर पर निगरानी रखी जाए। संपूर्ण देश में ऑनलाइन बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। कार्बाइड गन बनाने और इसके उपयोग करने के लिए नियम तैयार किए जाएं। इसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय की बड़ी भूमिका होगी। पुलिस और साइबर टीम को सभी राज्यों में निगरानी के लिए सक्रिय करना होगा। ग्रामीण और शहरी स्कूलों में जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताया जाए। यह गन कोई खिलौना या पटाखा नहीं है। कार्बाइड गन एक विस्फोटक यंत्र है। भारत को इस तरह के खतरनाक आविष्कारों के खिलाफ सख्त निगरानी रखनी होगी। तकनीक तभी उपयोगी है, जब वह सभी के लिए सुरक्षित हो। वरना जिस तरह से कार्बाइड गन का उपयोग हुआ है, वह मानवता के लिए अभिशाप है। कार्बाइड गन पर प्रतिबंध सिर्फ एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा की दिशा में सरकार का बेहतर निर्णय माना जाएगा। सभी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को इस मामले में गंभीरता से कार्यवाही करने की जरूरत है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

ध्रुव विक्रम को स्टार किड होने का मिला फायदा

अभिनेता ध्रुव विक्रम हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म बाइसन के प्रचार में व्यस्त हैं। यह फिल्म 17 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 24 अक्तूबर को रिलीज होने वाले तेलुगु संस्करण के प्रचार के सिलसिले में, वे हैदराबाद में थे। अभिनेता विक्रम के बेटे ध्रुव ने स्टार किड होने के बारे में खुलकर बात की और इस किरदार को निभाने के लिए की गई मेहनत के बारे में बताया।

स्टार होने की वजह से मिले कई मौके

ध्रुव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीकार किया कि एक स्टार किड होने के नाते उन्हें कई मौके मिले हैं। वह इन मौकों का पूरा फायदा उठाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सच है कि मैं एक स्टार किड हूं और मुझे मौके मिलते रहते हैं। हालांकि मैं लोगों को स्वीकार करने, मुझे प्यार करने, मेरे काम को पसंद करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं तमिल, तेलुगु और भारतीय सिनेमा में अपनी जगह बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं। इसके लिए मैं काम करता रहूंगा। फिल्म बाइसन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, बाइसन के बारे में, मैं हमेशा सोचता था कि अगर मेरी जगह कोई ऐसा व्यक्ति होता जो फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आता, तो वह कितना कुछ करता? वह कितना काम करता? मैं इस बारे में और इस फिल्म के लिए मेहनत करता और तैयारी करता। मैंने इस फिल्म को अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की।

फिल्म के बारे में

फिल्म बाइसन का लेखन और निर्देशन मारी ने किया है। फिल्म में ध्रुव और अनुपमा के अलावा पशुपति, अमीर, लाल, राजिशा विजयन और अजगम पेरुमल ने अभिनय किया है। यह कबड्डी खिलाड़ी मनाथी गणेशन के जीवन पर आधारित है और एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो जाति-आधारित भेदभाव को मात देते हुए खेल में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

सिंगल मदर होना आसान नहीं

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में प्रसिद्ध हुईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है वह एक सिंगल मदर हैं और बेटी की परवरिश अकेले कर रही हैं। आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि बतौर सिंगल मदर वह कैसे काम और घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं।

शुभांगी अत्रे ने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। मुझे सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है, चाहे वह घर हो या मेरी बेटी। कई दिन ऐसे भी आते हैं, जब यह बहुत अधिक बोझिल लगता है, लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करने की कोशिश करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि सेट पर या घर पर, जहां भी रहूं, उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहूं।

उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा हर जगह है, लेकिन मैं तुलना करने के बजाय खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं। अवसर हमेशा आते रहेंगे, लेकिन आपको उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होगा। मैंने सीखा है कि आपको हमेशा सही अवसर नहीं मिलते, आप उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और सही नजरिए से बनाते हैं। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित और केंद्रित रहें, तो वह अंतत: आपके पास आ ही जाएगा।

क्या करियर में भाग्य की भूमिका भी होती है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, भाग्य आपके लिए एक दरवाजा खोल सकता है, लेकिन आपकी कड़ी मेहनत ही आपको उस कमरे में रखती है। मैंने कई लोगों को एक बार भाग्यशाली होते देखा है, लेकिन केवल वे ही आगे बढ़ते हैं, जो ईमानदार और निरंतर प्रयास करते रहते हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, अब मेरी महत्वाकांक्षा ऐसी भूमिकाएं निभाने की है जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने काम के प्रति मेरे प्रेम और अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण पेश करने की मेरी इच्छा से मिलती है। दृढ़ संकल्प के साथ आप सब कुछ संभाल सकते हैं और साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर सकते हैं।

चार्मर ने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर अपना एक खास अनुभव शेयर किया, जो उन्हें बेहद पसंद भी आया। इस गाने ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की। सान्या ने इंस्टाग्राम पर चार्मर गाने का एक रिहर्सल वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद ड्रेस में शानदार डांस मूव्स करती नजर आईं। इसके साथ सान्या ने कैप्शन में लिखा, मैंने इससे पहले कभी हील्स में डांस नहीं किया और अब मैं रुकना नहीं चाहती। मुझे दिलजीत दोसांझ के चार्मर गाने पर डांस करने का मौका मिला। मेरी टीम और डायरेक्टर का शुक्रिया। जान्हवी कपूर और राखी सावंत ने इस पोस्ट पर फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। सोफी चौधरी ने लिखा, वो सब तो ठीक है... लेकिन मुझे कभी इतना स्वैग वाला फैन लड़का क्यों नहीं मिला? आप लोगों के मूव्स बहुत पसंद हैं... हमेशा।

चार्मर गाना दिलजीत के एल्बम ऑरा का हिस्सा है, जिसे 20 अक्तूबर को रिलीज किया गया। इस गाने का संगीत अवी सरा ने दिया और बोल राज रंजोध ने लिखे। वीडियो में सान्या एक खूबसूरत जगह पर जोशीले अंदाज में डांस करती दिख रही हैं। वीडियो को शारिक सेक्वेरा ने डायरेक्ट किया, श्लोक आहूजा ने शूट किया और यश कदम ने कोरियोग्राफी की। इसके पहले, दिलजीत के एल्बम से कुफर गाना रिलीज हुआ था, जिसमें मानुषी छिल्लर नजर आई थीं।

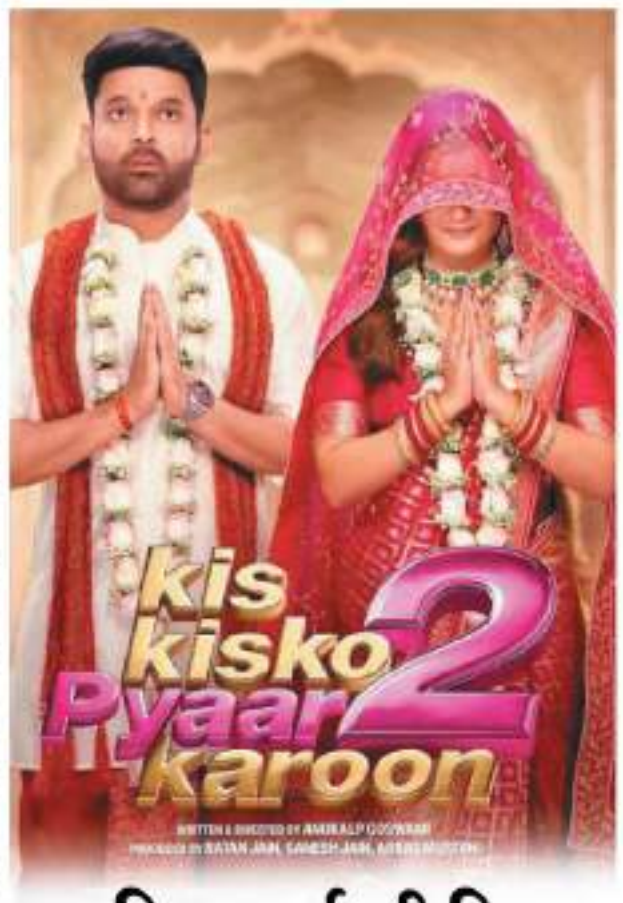

कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 के रिलीज डेट का एलान

मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का एलान कर दिया है। आइए जानते हैं सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी फिल्म।

कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, दोगुने कन्फ्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, इसी का धमाल सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा।

रिलीज डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म से ज्यादा हनी सिंह के गाने का इंतजार है। वहीं दूसरे यूजर ने कहा, फिल्म बहुत शानदार होने वाली है। एक और यूजर ने कहा, केंडी यो यो हनी सिंह। इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं।

'किस किसको प्यार करूं 2' के बारे में

किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्रिटिश शासन पर आधारित पीरियड ड्रामा होगी प्रभास की अगली फिल्म

प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। माना जा रहा है कि इसका टाइटल फौजी होगा। हालांकि नए पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें ग्रेट ब्रिटेन का झंडा देखा जा सकता है। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है 1932 से मोस्ट वांटेड। ऐसे में माना जा रहा है कि यह फिल्म ब्रिटिश शासन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा होगी। इसमें प्रभास संभवत: एक स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभा सकते हैं।

इससे पहले एक पोस्टर जारी किया गया था जिसमें बंदूकों का ढेर लगा था। इसके ऊपर एक शख्स की परछाई थी। इसमें दिवाली की शुभकामनाएं भी दी गई थीं। इससे पहले साझा किए गए पोस्टर में शिलालेख थे, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म में पौराणिक विषयों का समावेश होगा। खबरों के मुताबिक टाइटल की आधिकारिक घोषणा प्रभास के जन्मदिन पर होगी। खबर है कि मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इस फिल्म में इमानवी मुख्य भूमिका में होंगी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा जैसे कलाकार भी होंगे। संगीत विशाल चंद्रशेखर का है। फिल्म को अगस्त 2026 में रिलीज करने की योजना है।

इस बीच, प्रभास की जनवरी 2026 में एक बड़ी फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन मारुति ने किया है। यह हॉरर-कॉमेडी द राजा साब है, जिसमें निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और संजय दत्त भी हैं।

जीतू अगर मुझसे एक्टिंग सीखता, तो जरूर खराब करता

जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 -राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर अरशद वारसी ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?

मैंने सबसे पहले हमारे डायरेक्टर अक्षय शेरे से स्क्रिप्ट सुनी। कहानी मुझे काफी मजेदार और इंटेंस लगी। स्क्रीनप्ले और कॉन्सेप्ट बहुत मजबूत था। जिस तरह से कहानी बुनी गई थी, उसमें दिलचस्पी जागी। काफी वक्त बाद मुझे एक ऐसा रोल मिला जिसमें मैं ऑफिसर की वर्दी पहन रहा हूं। इससे पहले मैंने 'सहर' फिल्म में एसएसपी अजय कुमार का रोल निभाया था। मेरा बस चले तो ऐसी ही एक वर्दी घर में बनवाकर रख लूं और पहनकर काम पर जाऊं। यह रोल लाइट कॉमेडी और कॉमर्शियल स्पेस में है लेकिन साथ ही थोड़ा इंटेंस भी है।

अरशद, आपके किरदार के अंदर एक आंतरिक संघर्ष चलता है जो फिल्म में नजर आता है। क्या इसके लिए आपने कोई खास तैयारी की?

सच कहूं तो मैंने इसके लिए कोई अलग रिसर्च या खास तैयारी नहीं की। मैं क्यों झूठ बोलूं कि मैं तीन महीने वनवास में चला गया था। जब मैंने कहानी सुनी, तो बस 24 घंटे उस किरदार के बारे में सोचता रहा। फिर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर के साथ बातचीत होती रही कि वो मुझसे क्या चाहते हैं और मैं उस किरदार को कैसे जस्टिफाई करूं। उनसे इनपुट मिलते थे, जिसकी मदद से मैं अपने दिमाग में उस आदमी की एक छवि बना लेता था कि वो ऐसा होगा।

फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?

मेरा मानना है कि फिल्म किसी भी विषय पर हो, एक कलाकार को फिल्म के नजदीक रहना चाहिए। जो कहानी राइटर ने लिखी है, वही आपकी जानकारी होनी चाहिए। वरना आप फिल्म की सोच से भटक सकते हैं। साथ ही, हमारे राइटर और डायरेक्टर पहले से ही विषय पर गहरी रिसर्च कर चुके थे, तो मुझे अलग से रिसर्च की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?

हर फिल्म किसी न किसी जज्बात को छूती है। मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म में भी कुछ ऐसी बातें होंगी जो दर्शकों के दिल तक पहुंचेंगी। जो हालात हमने फिल्म में दिखाए हैं, वो उनके जेहन में रहें। लोग समझें कि हमने क्या दिखाने की कोशिश की है। और सबसे बड़ी बात, उन्हें यह महसूस हो कि उनका समय बेकार नहीं गया।

आप नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं। साथ में काम करते वक्त क्या आपने अपनी जर्नी के संघर्षों में कुछ समानता देखी?

मुझे तो लगता है कि हम दोनों ही बहुत रेगुलर लोग हैं, लेकिन बहुत टैलेंटेड हैं। जीतेंद्र बहुत अच्छा एक्टर है। अगर ऐसा नहीं होता तो फिल्म का सारा भार मुझ पर आ जाता और इसकी एक्टिंग भी मुझे ही करनी पड़ती। अगर कभी इसने मुझसे एक्टिंग सीख ली होती, तो शायद और भी खराब परफॉर्म करता।

'हिटमैन' के संन्यास को लेकर बचपन के कोच ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैच में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने बल्ले से कमाल कर दिया। रोहित ने 125 गेंदों पर नाबाद 121 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और 3 छक्के शामिल थे। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 50वां शतक भी साबित हुआ। रोहित शर्मा ने इस मैच में विराट कोहली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए नाबाद 168 रनों की साझेदारी की। इस शानदार पार्टनरशिप के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराकर मैच जीत लिया।

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन

38 साल की उम्र में 'हिटमैन' रोहित शर्मा पहले से ज्यादा फिट और रनों के भूखे नजर आए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की पूरी कोशिश के बावजूद रोहित ने अपनी टाइमिंग और शॉट सेलेक्शन से विपक्षी गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया। रोहित ने इस सीरीज में कुल 202 रन बनाए, औसत 101 के साथ, जो किसी अन्य खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा थी। इस प्रदर्शन के चलते उन्हें 'Player of the Series' चुना गया।

रोहित शर्मा की रिटायरमेंट को लेकर बचपन के कोच ने तोड़ी चुप्पी

रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने मैच के बाद बताया कि रोहित ने अपनी भविष्य की योजना पहले ही तय कर ली है। लाड ने कहा, 'आज रोहित की बल्लेबाजी और टीम को जीत दिलाने का अंदाज देखकर बहुत अच्छा लगा। उसने पहले ही तय कर लिया है कि वह 2027 का वनडे वर्ल्ड कप खेलेगा और उसके बाद रिटायरमेंट लेगा।' रोहित का सपना भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप जीतना है। वर्ल्ड कप 2011 में रोहित भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे, जबकि वर्ल्ड कप 2023 में उनकी कप्तानी में भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल हार गया था।

दिनेश लाड ने विराट की भी की तारीफ

विराट कोहली ने भी इस मैच में जबरदस्त बल्लेबाजी की। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद कोहली ने इस मैच में नाबाद 74 रन बनाए। दिनेश लाड ने कहा, 'विराट किसी भी परिस्थिति में सफल हो सकते हैं। जिस तरह वह खेले, देखकर बहुत अच्छा लगा।' लाड ने यह भी याद दिलाया कि सचिन तेंदुलकर ने भविष्यवाणी की थी कि रोहित शर्मा और विराट कोहली मास्टर ब्लास्टर के रिकॉर्ड्स को तोड़ेंगे। इस मैच और रोहित-कोहली के करियर को देखकर अब वह भविष्यवाणी सच होती नजर आ रही है।

एशिया जूनियर बैडमिंटन में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, शायना और दीक्षा ने जीता गोल्ड

चेंगदू (चीन) (एजेंसी)। भारत ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

अंडर-15 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में शायना मणिमुथु ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में दीक्षा सुधाकर ने अपनी हमवतन लक्ष्या राजेश को 21-16, 21-9 से मात दी।

दीक्षा इस उपलब्धि के साथ जूनियर एशियन चैंपियनशिप के इतिहास में अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय सिंगल्स खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले 2013 में भारत ने दो गोल्ड जीते थे – जब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 बॉयज सिंगल्स और चिराग शेट्टी-एमआर अर्जुन की जोड़ी ने अंडर-17 बॉयज डबल्स में जीत दर्ज की थी।

शायना ने जहां मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा, वहीं दीक्षा ने 27 मिनट में ऑल-इंडियन फाइनल अपने नाम किया। इससे पहले शनिवार को जगशेर सिंह खंगुरा ने बॉयज सिंगल्स में और जगजीत सिंह काजला-जनानिका रमेश की जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक हासिल किए।

भारत के पदक विजेता

दीक्षा सुधाकर -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

शायना मणिमुथु -अंडर15 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

लक्ष्या राजेश -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स सिल्वर

जगशेर सिंह खंगुरा -अंडर17 बॉयज सिंगल्स ब्रॉन्ज

जगजीत सिंह काजला और जनानिका रमेश -अंडर17 मिक्स्ड डबल्स ब्रॉन्ज।

शुभमन गिल ने दिया बड़ा संकेत, इस बॉलिंग ऑलराउंडर की 2027 वर्ल्ड कप में होगी जरूरत

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 9 विकेट से शानदार जीत के बाद कप्तान शुभमन गिल ने गेंदबाज हर्षित राणा की जमकर तारीफ की। गिल ने इशारों में संकेत दिया कि आने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत को राणा जैसे बॉलिंग ऑलराउंडर की जरूरत होगी।

गिल ने कहा कि अगर हर्षित लगातार 20-25 रन का योगदान बल्ले से भी दे सकते हैं, तो वह टीम के लिए नंबर 8 स्थान पर बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं।

गिल ने मैच के बाद कहा, 'हमें भरोसा है कि हर्षित ये कर सकते हैं, और यह कॉम्बिनेशन टीम के लिए बहुत अहम है।'

हर्षित राणा ने तीसरे वनडे में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की कमर तोड़ दी थी। वहीं दूसरी ओर, गिल ने माना कि दक्षिण अफ्रीका जैसी तेज पिचों पर ऊंचे और 140+ की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाजों की अहमियत और बढ़ जाती है। 'ऐसे तेज गेंदबाज बहुत कम हैं जो ऊंचे भी हैं और लगातार स्पीड से गेंदबाजी कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर ऐसे गेंदबाज बेहद जरूरी हैं,' गिल ने कहा।

भारत की जीत में हर्षित के अलावा स्पिनरों की भूमिका की भी गिल ने सराहना की, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में दबाव बनाया, जिसका फायदा राणा ने उठाया। रोहित शर्मा (121*) और विराट कोहली (74) ने शानदार बल्लेबाजी कर लक्ष्य को आसानी से हासिल किया।

हां मैंने आलोचना की थी, लेकिन हार्षित राणा का प्रदर्शन शानदार रहा: क्रिस श्रीकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों को चुप करा दिया। 23 साल के राणा ने अपनी ODI करियर की बेस्ट 4/39 गेंदबाजी के साथ भारत को 9 विकेट की जीत दिलाई और पूर्व चयनकर्ता व 1983 विश्व कप विजेता सदस्य क्रिस श्रीकांत भी फैन बन गए।

कुछ हफ्ते पहले श्रीकांत ने राणा को गौतम गंभीर का 'Yes Man' कहकर आलोचना की थी। हालांकि अब उन्होंने कहा: 'हर्षित राणा ने शानदार गेंदबाजी की। चार विकेट लेना एक बड़ी उपलब्धि है। मेरा पसंदीदा विकेट ओवेन का था। उसने बेहतरीन लाइन और लेंथ में गेंदबाजी की। पिछले मैच में उसे मार गिराया गया था, लेकिन इस मैच में उसने डेथ ओवर में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। अब हर्षित को सारी तारीफ मिलनी चाहिए।' राणा ने एडिलेड में भी 18 गेंद में नाबाद 24 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाई थी। कप्तान शुभमन गिल ने भी उनकी तारीफ की और कहा कि राणा 2027 ODI वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका की बाउंसी पिचों पर तीसरे तेज गेंदबाज और No.8 पर बल्लेबाज के रूप में टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच गौतम गंभीर ने भी राणा के बचपन के आलोचकों को लताड़ लगाई और कहा कि किसी 23 वर्षीय खिलाड़ी पर व्यक्तिगत हमला करना गलत है। 'उसका प्रदर्शन ही मापदंड होना चाहिए। किसी को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना उसके मनोबल पर असर डालता है। राणा ने अपनी मेहनत और काबिलियत से टीम में जगह बनाई है और आगे भी बनाए रखेगा।' गौर है कि तीसरे वनडे में भारत की ओर से रोहित शर्मा (121) और विराट कोहली (74) की बेहतरीन पारियों की बदौलत टीम ने 237 रन का लक्ष्य 69 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया।

रोहित एकदिवसीय में 100 कैच लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गये तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही एकदिवसीय में 100 कैच लेने का भी रिकार्ड बनाया है। रोहित ने तीसरे एकदिवसीय में दो कैच पकड़कर अपने 100 कैच पूरे किये। रोहित ने नाथन एलिस का कैच लेकर अपने करियर का 100वां कैच लपका। इसी के साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में 100 कैच लेने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए। रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली ने 305 मैच में 164 कैच, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 334 मैच में 156 कैच, सचिन तेंदुलकर ने 456 मैच में 140 कैच, राहुल द्रविड़ ने 344 मैच में 124 कैच, सुरेश रैना ने 226 मैच में 102 कैच, और सौरव गांगुली ने 311 मैच में 100 कैच लिए थे। रोहित ने तीसरे एकदिवसीयम में अपनी अपनी 121 रनों की पारी में 3 छक्के और 13 चौके लगाये थे। इस प्रकार रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारुपों को मिलाकर 50 शतक लगाया। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के तीसरे और अब तक के 10वें बल्लेबाज हैं। रोहित की शतकीय पारी की सहायता से भारतीय टीम ने 237 के लक्ष्य को 38.3 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

मेसी का भारत दौरा टला

कोच्चि। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अगले माह होने वाला भारत दौरा टल गया है। दौरे के प्रायोजक ने कहा कि कुछ कारणों से ये दौरा टाल दिया गया है। वहीं इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। वहीं ऑगस्टीन ने अब सोशल मीडिया में घोषणा की कि यह मैच अगले महीने नहीं होगा। साथ ही कहा कि दौरे की नई तारीखों की जानकारी बाद में दी जाएगी।

गौरतलब है कि विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) की अनुमति मिलने में देरी के कारण ही अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ बातचीत के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित किये जाने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा शीघ्र होगी। इससे पहले एएफए के प्रतिनिधियों ने सुविधाओं का जायजा लेने के लिए कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का दौरा किया था। वहीं केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहमान के कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें मैच स्थगित किए जाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी और उसके बाद ही कार्यक्रम में बदलाव की घोषणा होगी।

हर्षित को गंभीर ने दी थी चेतावनी, प्रदर्शन करो या बहार होने के लिए तैयार रहो

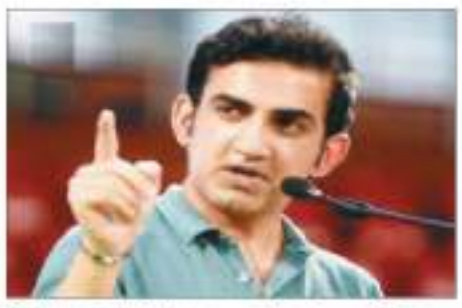

सिडनी। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम में शामिल किये जाने के बाद से ही निशाने पर थे। पहले दो मैच में खराब गेंदबाजी के बाद उनके आलोचक और मुखर हो गये थे और उनका कहना था कि हर्षित अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज नहीं है पर अंतिम एकदिवसीय मे इस युवा ने चार विकेट लेकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हर्षित ने 8.4 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिए। इस युवा ने गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी की। दूसरे एकदिवसीय में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके बाद भी कई लोगों का मानना है कि उन्हे एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि हर्षित के अच्छे प्रदर्शन के पीछे कोच गौतम गंभीर की उन्हें दी गयह चेतावनी थी। गंभीर ने उनसे प्रदर्शन करने या बाहर बैठने के लिए तैयार रहने को कहा था।

हर्षित के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने बताया कि उसके एकदिवसीय टीम में चयन पर सवाल उठाए गए थे। सिडनी मैच में हर्षित को अर्शदीप सिंह के ऊपर चुना गया, जिससे कई लोग हैरान रह गए। इसी दौरान गंभीर ने उससे प्रदर्शन करने या बाहर होने के लिए तैयार रहने कहा था।

श्रवण ने कहा, ¸उसने मुझे फोन किया और बताया कि वह अपने प्रदर्शन से बाहरी लोगों की बातों और आलोचनाओं को शांत करना चाहता है। तब मैंने बस कहा, 'खुद पर विश्वास रखो.' मुझे पता है कि कुछ क्रिकेटर कहते है कि वह गंभीर के करीब है इसलिए टीम में है पर ये सही नहीं है. लेकिन गंभीर को प्रतिभा की पहचान करना आता है। इसलिए. वह उनका समर्थन करते है उन्होंने पहले भी कई क्रिकेटरों का समर्थन किया है

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की

-पुलिस ने जांच तेज की

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले की कड़ी आलोचना की है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस घटना की जितनी निंदा की जाये वह कम है। वहीं इस घटना पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) ने भी चिंता जताई और भारतीय अधिकारियों से खिलाड़ियों की सुरक्षा पक्की करने की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। वह इस मामले में गिरफ्तार आरोपी अकील खान से पूछताछ कर रही है। यह घटना उस समय हुई, जब खिलाड़ी होटल से निकलकर एक कैफे जा रही थीं।

इस घटना से ऑस्ट्रेलियाई टीम की सुरक्षा में लापरवाही की पोल जरूर खुल गयी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि अब सुरक्षा बढ़ा दी गयी है और आगे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। पुलिस ने इस घटना के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज कर दी है। फुटेज में साफ तौर पर दिख रहा है कि कैसे आरोपी ने खिलाड़ियों के साथ बदसलूकी की। पुलिस ने हालांकि इस मामले में आरोपी को तत्काल पकड़ लिया था।

यह इलाका व्यस्त रहता है, फिर भी अपराधी ने जिस प्रकार घटना को अंजाम दिया उससे साफ है कि अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने बताया कि खजराना रोड पर अक्सर भीड़ रहती है पर सुरक्षा के लिए कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए थे। अतिरिक्त सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर मामले की तह तक जाने की कोशिश की जा रही है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस गश्त और सीसीटीवी निगरानी बढ़ाना शामिल है। यह घटना से केवल सुरक्षा व्यवस्था ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान विदेशी मेहमानों की सुरक्षा को लेकर भारत की छवि को भी झटका लगा है।

क्लच शतरंज चैंपियंस में गुकेश के सामने बड़ी चुनौती

सेंट लुई। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को 412,000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियंस में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को जीत दिलाने के बाद अमेरिका पहुंचे गुकेश को खिताब जीतने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ खेल तकनीक दिखानी होगी। इस प्रतियोगिता में विश्व रैंकिंग के टॉप तीन खिलाड़ियों – मैग्नस कार्लसन, हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना – का भी जोरदार मुकाबला होगा। हाल ही में पिता बने कार्लसन ने अपना ब्रेक खत्म किया है और वह खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। क्लच शतरंज का यह टूर्नामेंट 18 गेम तक चलेगा और एक पखवाड़े में संपन्न होगा। विजेता को 120,000 अमेरिकी डॉलर, दूसरे स्थान पर 90,000 अमेरिकी डॉलर, तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमशः 70,000 और 60,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा, प्रत्येक राउंड में जीत पर अतिरिक्त 72,000 डॉलर की राशि भी पुरस्कार के रूप में मिलेगी।

टीम प्रबंधन को उम्मीद प्रतीका सेमीफ़ाइनल में भी करेगी अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2025 में अब भारत की असली परीक्षा शुरू होने जा रही है। सेमीफाइनल में टीम इंडिया का सामना होगा उस ऑस्ट्रेलियाई टीम से, जिसने वर्षों से महिला विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाए रखा है। ग्रुप मैच में जब दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था, तब स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने शानदार शुरुआत दी थी, लेकिन टीम उस लय को अंत तक कायम नहीं रख सकी थी। इस बार दांव पहले से कहीं अधिक बड़ा है, क्योंकि जीत भारत को फाइनल में पहुंचा सकती है और हार से पूरा अभियान थम सकता है।

भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना इस वर्ल्ड कप की सबसे निरंतर और प्रभावशाली खिलाड़ी रही हैं। उनके साथ प्रतीका रावल का प्रदर्शन भी अब पूरे टूर्नामेंट की चर्चा का विषय बन गया है। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि दबाव के क्षणों में वह टीम की रीढ़ बन सकती हैं। अब सभी निगाहें उन पर होंगी, क्योंकि यही वह मैच है जो खिलाड़ियों को नायक से दंतकथा में बदल देता है और महिला क्रिकेट के इतिहास में नए अध्याय लिखता है।

टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि प्रतीका एक बार फिर अपनी दमदार पारी से विपक्ष को चौंकाएंगी। नॉकआउट मैचों में परिस्थितियां पलभर में बदल सकती हैं जैसा कि 2017 के वर्ल्ड सेमीफ़ाइनल में हरमनप्रीत कौर ने अपने ऐतिहासिक शतक से दिखाया था। अगर इस बार स्मृति और प्रतीका मिलकर वही करिश्मा दोहराती हैं, तो भारत न सिर्फ फाइनल में जगह बना सकता है बल्कि ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को भी तोड़ सकता है।

इस मैच में भारत को धैर्य, संयम और आत्मविश्वास से खेलना होगा। टीम को खुद पर उतना ही विश्वास रखना होगा जितना प्रतीका ने मुश्किल वक्त में अपने खेल पर रखा था। अगर इस बार भी उन्होंने बल्ले से वही जवाब दिया जो न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दिया था, तो ऑस्ट्रेलिया को भारत के सामने झुकना पड़ सकता है और प्रतीका रावल का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो जाएगा।

शास्त्री ने एकदिवसीय क्रिकेट के पांच भारतीय दिग्गजों की सूची में विराट को शीर्ष पर रखा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट के पांच दिग्गज क्रिकेटरों का चयन किया है। हैरानी की बात ये है कि शास्त्री ने इसमें विराट कोहली का नाम सचिन तेंदुलकर से पहले लिया है। शास्त्री का कहना है कि विराट ने एकदिवसीय में सचिन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इसी लिए उन्हें पहले रखा है। साथ ही कहा कि विराट इस प्रारुप में दुनिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं, हालांकि वह अब भी एकदिवसीय में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रनों के रिकॉर्ड से काफी पीछे हैं। शास्त्री ने इस सूची में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और कपिल देव को भी रखा है।

वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस सूची में शामिल नहीं किये जाने को लेकर कहा कि अभी उनके पास खेलने के लिए समय है। उन्होंने इस सूची में पूर्व खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को शामिल किया है जो करियर के अंत की ओर हैं। शास्त्री ने विराट को शीर्ष पर रखने क लिए एक दशक से भी ज्यादा समय से उनके शानदार प्रदर्शन और मैच विजेता होने का कारण बताया है। शास्त्री ने तीन विश्व कप विजेता खिलाड़ियों – धोनी, तेंदुलकर और कपिल को भी अपनी इस सूची में रखा है। शास्त्री ने कहा, मैं कोहली, तेंदुलकर, कपिल, धोनी और रोहित को चुनूंगा। साथ ही कहा कि अगर आप क्रिकेट इतिहास को देखें तो कई और अच्छे खिलाड़ी रहे हैं पर मेरे लिए ये खिलाड़ी सबसे अलग रहे हैं। इसलिए उन्हें जगह दी है। इस सूची में केवल दो ही सक्रिय खिलाड़ी विराट और रोहित हैं हालांकि ये भी अपने अंतिम दौर में हैं।

रोहित और कोहली होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के बड़े हथियार: भारतीय पूर्व चयनकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम इंडिया के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप में अहम भूमिका निभाने की पुष्टि की है। प्रसाद ने कहा कि यह अनुभवी जोड़ी टीम के लिए बड़े संपत्ति साबित होगी।

तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, रोहित और विराट ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और भारत को 9 विकेट से जीत दिलाकर सीरीज में वाइटवॉश से बचाया। रोहित ने 121* रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और ODI में अपना 33वां शतक जड़ा। विराट कोहली ने पिछली दो पारियों में लगातार डक के बाद वापसी करते हुए 74 रन* बनाए और कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए पुरुषों के ODI में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

प्रसाद ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। पिछले दो मैचों में उनके प्रदर्शन का इंतजार था। यह वर्ल्ड कप की तैयारी में बहुत अहम है। विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी टीम के लिए बड़े संसाधन हैं।'

उन्होंने कहा कि दोनों बल्लेबाजों के पिछले रिकॉर्ड और फिटनेस को देखते हुए, उन्हें केवल वर्तमान फॉर्म से आंका नहीं जा सकता। प्रसाद ने यह भी सराहा कि रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने सही समय पर अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी संभालने का मौका दिया।

'टीम में इतनी प्रतिभा है कि श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी भी टी20 टीम में जगह नहीं पा रहे हैं। यह दर्शाता है कि टीम के पास बहुत गहराई है और युवा खिलाड़ी अब मजबूती से अपनी पहचान बना रहे हैं।'

प्रसाद ने टी20 फॉर्मेट में टीम की मजबूती और प्रतिभा के पूल की भी तारीफ की, यह बताते हुए कि भारत के पास आने वाले समय के लिए मजबूत टीम है।

छठ महापर्व: खरना से शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला उपवास

छठ के दूसरे दिन बाजार में भीड़, तेजप्रताप बोले- तेजस्वी की पत्नी राजश्री को छठ करना चाहिए

पटना। आज छठ महापर्व का दूसरा दिन है। कार्तिक शुक्ल पंचमी रविवार को खरना पूजा की जाएगी। आज ज्येष्ठा और मूल नक्षत्र में रवियोग और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग बन रहा है। खरना में व्रती पूरे दिन उपवास कर शाम में भगवान भास्कर की पूजा कर प्रसाद ग्रहण करेंगे। पूजा के बाद व्रती 36 घंटे के निर्जला अनुष्ठान का संकल्प लेंगे। खरना पूजा का मुहूर्त संध्या 05:35 बजे से 08:22 बजे तक है। वहीं कल पर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, छठ की खरीददारी को लेकर बाजार में भीड़ है। पटना समेत पूरे बिहार में छठ को लेकर बाजार में रौनक है। वहीं पटना में फल बेच रहे मुस्लिम युवक श्मशाद ने बताया कि वो बीते 11 साल से छठ पर फल बेचते हैं। उन्होंने बताया, 'कभी किसी ने जाति को लेकर भेदभाव नहीं किया। हमलोग भी हिंदुओं की भावनाओं का पूरा ख्याल रखते हैं। जहां फल रखने के लिए गोदाम लेते हैं, वहां आस-पास में खाना तक नहीं खाते हैं। वहां जूठन नहीं हो, इसका विशेष ख्याल रखते हैं।' आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने छोटे भाई तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री को सुझाव देते कहा कि 'उनको छठ व्रत करना चाहिए। घर की बहू होने के नाते राजश्री को परिवार की पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए।' तेजप्रताप ने एक मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हमारे घर में पिछले कई सालों से छठ

महापर्व नहीं हो पा रहा है। मां राबड़ी देवी को शुगर की परेशानी है और उनकी तबीयत ठीक नहीं रहती है। इसलिए वो छठ व्रत नहीं कर पाती हैं। तेजप्रताप ने बताया कि इस बार वे छठ पर्व महुआ में ही मनाएंगे और अपने घर नहीं जाएंगे। ज्योतिषाचार्य राकेश झा ने बताया, छठ महापर्व के दूसरे दिन पूजा के लिए मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से प्रसाद के लिए खीर और रोटी बनाई जाएगी। फिर संध्या में इस प्रसाद को सूर्य देव और छठी मइया को भोग लगाकर, स्वयं व्रती इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करेंगे। इसके बाद व्रतियों का अगले 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा, खरना का प्रसाद व्रती के लिए एक प्रकार का अंतिम सात्विक भोजन है, जो व्रती को कठोर 36 घंटे के उपवास के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है। इसके बाद व्रती पूरी तरह से सूर्यदेव की भक्ति में लीन हो जाते हैं। ज्योतिषी राकेश झा ने कहा, छठ महापर्व के चतुर्थ दिवसीय अनुष्ठान के तहत दूसरे दिन खरना के प्रसाद में ईख के कच्चे रस, गुड़ के सेवन से त्वचा रोग, आंख की पीड़ा, शरीर के दाग-धब्बे समाप्त हो जाते हैं। वहीं इसके प्रसाद से तेजस्विता, निरोगता और बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती है। पटना के जेपी सेतु गंगा घाट पर पूजा करने पहुंची कई छठ व्रतियों को फिसलने से चोट लगी है। घाट पर स्नान करने पहुंची छठव्रती एक दूसरे का हाथ पकड़कर गंगा नदी में प्रवेश कर रही हैं। जिला प्रशासन की इस व्यवस्था से छठव्रतियों में नाराजगी है। घाट पर अर्घ्य कैसे दिया जाएगा, इस बात को लेकर व्रती काफी चिंतित हैं। छठव्रती संध्या देवी ने कहा कि घाट पर बहुत कीचड़ है। चढ़ने-उतरने में परेशानी हो रही है। नहाने में इतना दिक्कत है तो अर्घ्य देने में कितनी परेशानी होगी। दीघा घाट से बबिता देवी ने कहा कि छठी मइया में बहुत शक्ति है। मैंने बच्चे के लिए मन्नत मांगी थी। मेरा मन्नत पूरा होने पर व्रत कर रहे हैं। पटना के इनकम टैक्स पर फलों का बाजार सजा हुआ है। पाटलिपुत्र कॉलोनी की रहने वाली वंदना ने बताया कि पहले की अपेक्षा फलों की कीमतों में काफी इजाफा हुआ है, लेकिन छठ पूजा साल में एक बार आता है। फल का महत्व छठ पूजा में काफी अत्यधिक होता है। तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। छठ में मुस्लिम समुदाय के लोग भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। सीतामढ़ी के श्मशाद पिछले 11 साल से छठ पर फल बेचने पटना आते हैं। उन्होंने बताया कि कभी किसी ने जाति को लेकर भेदभाव नहीं किया। हमलोग भी लोगों की भावनाओं का पूरा ख्याल रखते हैं। जहां फल रखने के लिए गोदाम लेते हैं, वहां आस पास में खाना तक नहीं खाते हैं। वहां जूठन नहीं हो, इसका विशेष ख्याल रखते हैं। पटना के बेली रोड के राजवंशी नगर में पूजन सामग्री खरीदने वालों की भीड़ लगी हुई है। लोग सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर के फल और पूजन सामग्री खरीद रहे हैं। छठ महापर्व को लेकर पटना नगर निगम शहर के सभी अंचलों में अस्थायी और स्थायी तालाबों (घाटों) पर अर्घ्य की तैयारी कर रहा है। इसके लिए कुल 60 तालाबों को चिह्नित किया गया है, जहां सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं की तैयारी तेजी से चल रही है। कंकड़बाग, न्यू राजधानी, पाटलिपुत्र, बांकीपुर और अजीमाबाद अंचल हैं। सबसे अधिक पाटलिपुत्र अंचल में 27 घाट बनाए गए हैं, जबकि न्यू राजधानी अंचल में 17, बांकीपुर में 8, कंकड़बाग में 1 और अजीमाबाद में 1 घाट चिह्नित किए गए हैं।

प्रार्थना सभा में यूट्यूबरों के वीडियो बनाने पर महिलाओं ने किया हंगामा

मौके पर पहुंची पुलिस

नौतन। नौतन थाना क्षेत्र के बैरागी मठ के पास पूर्वी नौतन शेखटोली निवासी फतेह मियां के घर के बेसमेंट (तहखाना) में कथित प्रार्थना सभा में उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया, जब एक दर्जन से अधिक यूट्यूबर पहुंच गए और महिलाओं से पूछताछ करने लगे। प्रार्थना सभा में शामिल एक दर्जन से अधिक महिलाएं और बच्चे विरोध पर उतर आए। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता है, इसमें हस्तक्षेप का अधिकार किसी को नहीं है। महिलाएं यह कहने लगी कि वे एक धर्म विशेष की प्रार्थना सभा में श्रद्धा रखती हैं और उनके आशीर्वाद से बीमारी ठीक हो रही है हालांकि, हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित महिलाओं को समझा बुझाकर शांत कराया। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने बताया कि मतांतरण जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। अभी तक किसी पक्ष की ओर से आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर जांच कर कार्रवाई होगी। दरअसल, हुआ यह कि बैरागी मठ के पास उक्त घर में एक राजनीतिक दल की ओर से प्रेसवार्ता रखी गई थी। वहां दर्जनों यूट्यूबर पहुंच गए। तभी किसी ने देखा कि बेसमेंट में कुछ महिलाएं और बच्चे हैं। झाड़- फूंक चल रहा है। मतांतरण के संदेह पर यूट्यूबर वहां पहुंच गए और वीडियो बनाने लगे। कथित प्रार्थना सभा का संचालन कर रही महिला ने वीडियो बनाने का विरोध किया। उसके सहयोग में प्रार्थना सभा में शामिल अन्य महिलाएं भी उतर गईं।

छठ घाटों पर विशेष व्यवस्था

मधुबनी। छठ पूजा के शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित आयोजन के लिए जिलाधिकारी आनंद शर्मा और पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने संयुक्त आदेश जारी किया है। जिले के 593 महत्वपूर्ण स्थानों पर 1186 दंडाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त, पर्याप्त संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत गश्ती दल और क्विक रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। सभी 21 प्रखंडों में वरीय अधिकारियों को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे जिले को पांच भागों में विभाजित किया गया है, जिसकी जिम्मेदारी अनुमंडल अधिकारी और अनुमंडल पुलिस अधिकारियों को सौंपी गई है।

संक्षिप्त डायरी

पीपराकोठी के छठ घाटों पर पूजा से पहले गंदगी: जन सहयोग से की गई घाटों की साफ-सफाई

मोतिहारी। पीपराकोठी प्रखंड में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर प्रशासनिक उदासीनता सामने आई है। प्रशासन ने छठ घाटों, नदियों और तालाबों की साफ-सफाई पर कोई ध्यान नहीं दिया। सलेमपुर, टिकैता गोविंदपुर, पंडितपुर, बीरछपरा, सूर्यपुर और दक्षिणी ठेकहां सहित विभिन्न पंचायतों के छठ घाटों पर गंदगी और दूषित पानी जमा रहा। इस स्थिति से छठ व्रतियों में निराशा है, क्योंकि उन्हें गंदे पानी में अर्घ्य देने की चिंता सता रही है। प्रशासनिक निष्क्रियता के बावजूद, इन क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने स्वयं पहल की। जन सहयोग और सामूहिक प्रयासों से सभी जगहों पर छठ घाटों की सफाई का कार्य किया गया। स्थानीय लोगों ने श्रमदान कर घाटों को पूजा योग्य बनाने का प्रयास किया। हालांकि, जलस्रोतों में भरे दूषित पानी की समस्या अभी भी बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन के इस रवैये पर आक्रोश व्यक्त किया है। अभय शर्मा, दीपू यादव, बोल्डर पासवान, शशिकांत शर्मा और पवन गुप्ता जैसे स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन छठ व्रतियों की सुविधा और पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए जलस्रोतों की जल्द से जल्द सफाई और शुद्धिकरण के कदम उठाए।

गोपालपुर विधायक गोपाल मंडल को जेडीयू से निकाला

भागलपुर। गोपालपुर विधानसभा सीट से चार बार विधायक रहे चुके गोपाल मंडल को जनता दल यूनाइटेड ने रविवार को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। जदयू प्रदेश महासचिव की ओर से रविवार को एक चिट्ठी जारी कर इसकी जानकारी दी गई। गोपाल मंडल गोपालपुर से चार बार विधायक रह चुके हैं। इस बार पार्टी ने उनका टिकट काट दिया था, जिसके बाद वे निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। प्रदेश महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह ने पत्र जारी कर गोपाल मंडल पर संगठन विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और पार्टी की विचारधारा के विपरीत कार्य करने का दोषी ठहराया। जारी पत्र में कहा गया है कि गोपाल मंडल पार्टी के संगठनात्मक अनुशासन का लगातार उल्लंघन कर रहे थे और बार-बार चेतावनी के बावजूद पार्टी की मर्यादा के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे थे। इस कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया जाता है। गोपाल मंडल भागलपुर जिले के गोपालपुर क्षेत्र के सक्रिय और चर्चित नेता माने जाते हैं। वे लंबे समय से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी रहे हैं। जेडीयू की इस कार्रवाई को विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में अनुशासन कायम करने के कदम के रूप में देखा जा रहा है।पार्टी के पत्र की प्रतिलिपि पूर्व मंत्री हिम्मत सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीराम चौधरी और प्रवक्ता को भी भेजी गई है।

9 महीने में क्षेत्र में दिखा विकास: तरारी विधायक

भोजपुर। तरारी विधानसभा क्षेत्र के एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी सह विधायक विशाल प्रशांत ने रविवार को क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर तरारी प्रखंड को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा का केंद्र बनाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र में उच्च शैक्षणिक संस्थान और तकनीकी शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी, ताकि यहां के बच्चों को पढ़ाई के लिए बाहर न जाना पड़े। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने राज्य एवं केंद्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और जनता से आशीर्वाद व समर्थन की अपील की। विशाल ने कहा कि कभी जिले का सबसे सुदूरवर्ती और पिछड़ा इलाका माने जाने वाला तरारी प्रखंड अब विकास की नई राह पर अग्रसर है। पहले यहां विकास की स्थिति बेहद खराब थी । न सड़क थी, न आवागमन के साधन। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था भी लचर थी। जब मेरे पिता सुनील पांडेय इस क्षेत्र के प्रतिनिधि बने, तब विकास की किरणें यहां पहुंचीं। लेकिन प्रतिनिधि बदलने के बाद क्षेत्र फिर पिछड़ गया। पिछले उपचुनाव में जब आपने मुझे आशीर्वाद दिया, तो मात्र नौ महीनों में ही विकास की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने में मैं दिन-रात लगा हूं। बता दें कि भाजपा प्रत्याशी विशाल प्रशांत ने तरारी प्रखंड के देव्हां पंचायत अंतर्गत देव्हां, बेलाडीहरी, एकरार, राजवार टोला, पकवान टोला, गंगटी, अमहरुआ, हरदिया और जेठवार गांवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान आयोजित नुक्कड़ सभाओं को संबोधित कर रहे थे।

रसोई में फिर से लौट रहे पीतल-तांबे के पारंपरिक बर्तन, औषधीय गुणों से होते हैं भरपूर

पटना। वर्तमान समय में जहां स्टील, प्लास्टिक और कांच के बर्तनों का उपयोग बढ़ गया है, वहीं आयुर्वेद फिर से हमें हमारे पारंपरिक धातु बर्तनों की ओर लौटने की प्रेरणा दे रहा है। राजकीय आयुर्वेद कॉलेज के काय चिकित्सा (मेडिसीन) विभाग के वरीय प्राध्यापक डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्राचीन काल में राजा-महाराजा जिन सोने-चांदी के बर्तनों का उपयोग करते थे, वह केवल ऐश्वर्य का प्रतीक नहीं था, बल्कि स्वास्थ्य संरक्षण का एक माध्यम भी था। उन्होंने कहा कि सोना शरीर की इम्युनिटी यानी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक है। यह शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और मानसिक संतुलन बनाए रखता है। चांदी के बर्तन पित्त प्रकृति वाले व्यक्तियों के लिए अत्यंत लाभकारी माने गए हैं। चांदी के बर्तनों में खाना खाने से शरीर में ठंडक बनी रहती है और यह त्वचा संबंधी रोगों से बचाव करता है। राजकीय आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. रमण रंजन का

कहना है कि मिट्टी के बर्तन आज भी सबसे सुरक्षित और प्राकृतिक विकल्प हैं। मिट्टी में बने भोजन में पृथ्वी तत्व का संचार होता है, जो हमें हमारी जड़ों से जोड़े रखता है। यह न केवल स्वाद को बढ़ाता है बल्कि भोजन को विषमुक्त भी बनाता है।आयुर्वेद में तांबे के बर्तन को विशेष स्थान दिया गया है। तांबे के बर्तन में रातभर रखा गया पानी सुबह खाली पेट पीना अत्यंत लाभदायक माना गया है।इससे गैस, अपच और कब्ज की समस्या दूर होती है। तांबे में एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो शरीर को संक्रमणों से बचाते हैं। पीतल के बर्तन में रखा पानी पीने से रोग-प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। पीतल के बर्तन में पका भोजन पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है और शरीर में स्फूर्ति लाता है। कांसा : इसमें कषाय और तिक्त रस पाया जाता है। यह कफ और पित्त दोनों का नाशक होता है। कांसे के बर्तन में बना भोजन नेत्रों के लिए हितकर और पाचन तंत्र को संतुलित करने वाला माना जाता है। कांसा पाण्डु (एनीमिया) और कृमि रोग में भी लाभकारी होता है। लौह : लौह का सेवन शरीर में रक्त की वृद्धि करता है और यकृत, श्वास, उदररोग, आमवात, क्षय जैसे रोगों को दूर करता है। यह शरीर में बल और वीर्य बढ़ाता है। तांबा : तांबा घाव भरने, ज्वर, कास, श्वास, पीनस और कृमि रोगों के नाश में सहायक है। यह लेखन (वसा घटाने वाला) और लघु (हल्का पचने वाला) गुण रखता है। आयुर्वेद के अनुसार, भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि औषधि का एक रूप है। जिस पात्र में भोजन तैयार किया जाए, उसका शरीर पर सीधा प्रभाव पड़ता है। आधुनिक युग में जहां जीवनशैली रोगों का खतरा बढ़ा रही है, वहीं धातु बर्तनों का पुनः उपयोग हमें न केवल स्वस्थ बना सकता है, बल्कि हमारी परंपराओं से भी जोड़े रख सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि यदि हम आधुनिकता के साथ परंपरा का समन्वय करें, तो आयुर्वेदिक ज्ञान हमें प्राकृतिक रूप से स्वस्थ जीवन जीने का मार्ग दिखा सकता है।

तेजस्वी का एलान: चुनाव जीते तो पंचायत प्रतिनिधियों को पेंशन देंगे

पटना। आगामी चुनाव को देखते हुए तेजस्वी यादव लगातार घोषणाएं कर रहे हैं। माई-बहिन मान योजना, हर घर नौकरी, जीविका और संविदाकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने के बाद अब तेजस्वी यादव ने छोटे कामगारों के लिए बड़ा एलान किया है। उन्होंने रविवार सुबह पोलो रोड स्थित आवास पर प्रेस वार्ता की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमलोग सबलोग आज कुछ घोषणाएं करने आए हैं। तेजस्वी ने किसी का नुकसान नहीं किया। तेजस्वी से किसी को कोई शिकायत भी नहीं है। जनता ने एनडीए को 20 साल दिया। हमलोग महज 20 महीने का वक्त मांगते हैं। मुझे बिहार की जनता पर पूरा भरोसा है कि इस बार बदलाव भी होगा और महागठबंधन के नेतृत्व में नई सरकार भी बनेगी। आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। तेजस्वी यादव ने कहा कि

महागठबंधन की सरकार बनते ही त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों का मानदेय भत्ता दोगुना होगा। पंचायत और ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों को पेंशन देने की शुरुआत की जाएगी। अन्य राज्यों में यह प्रावधान है। इसलिए अब बिहार में भी किया जाएगा। पंचायत और ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों का 50 लाख का बीमा करवाया जाएगा। जन वितरण प्रणाली के वितरकों के मानदेय को दिया जाएगा और प्रति क्विंटल मिलने वाली मार्जिन मनी को बढ़ाया जाएगा। अनुकंपा में लागू 58 साल की बाध्यता को लागू करेंगे। साथ ही नाई, बढ़ई, कुम्हार और लोहार समेत मेहनती वर्गों के उत्थान के लिए उन्हें पांच लाख रुपये एकमुश्त की आर्थिक सहायता दी जाएगी। ताकि इससे वह अपना स्वरोजगार शुरू कर सकें। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव के लिए बेसब्र है। कहीं भी हमलोग जा रहे हैं तो हर जाति, धर्म के लिए भारी संख्या में आ रहे हैं। वह कहते हैं कि वह मौजूदा सरकार से परेशान हैं। लोग बिहार सरकार को बदलना चाहते हैं। 20 साल पुरानी विजनलेस पुरानी खटारा सरकार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम है।

महाकाल गैंग में शामिल होने के लिए 5000 तक फीस

25 साल के युवा चलाते गैंग, पटना में प्रोटेक्शन देने की गारंटी से लेकर हत्या-रंगदारी की लेते जिम्मेदारी

पटना। महाकाल गैंग नाम का गैंग एक्टिव है। इस गैंग का मुख्य काम जमीन कब्जा करना, रंगदारी मांगना, किसी निर्दोष को रुपए लेकर बेवजह परेशान करना, राह चलते वर्चस्व की लड़ाई में मारपीट करना और अपने गैंग से जुड़े लोगों को प्रोटेक्शन देना, हत्या करना है। इस गैंग का नेटवर्क पटना के पूर्वी से पश्चिमी इलाके तक फैला है। गैंग के अधिकतर बदमाश युवा हैं, जिनकी उम्र महज 20 से 25 साल के बीच है। अब तक पटना के अलग-अलग इलाकों से गैंग के 20 से अधिक बदमाश पकड़े गए हैं। हाल में शहर के पूर्वी इलाके के धनरूआ से 2 महीने में 17-18 बदमाश पकड़े गए हैं। उन्होंने पुलिस की पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है। यह गैंग साल 2016-17 से एक्टिव है। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि अवैध हथियार के साथ धनरूआ इलाके से 17 से 18 बदमाश पकड़े गए थे। पूछताछ के दौरान पता चला कि सभी "महाकाल गैंग" से जुड़े हैं। ये गैंग संगठित गिरोह की तरह ऑपरेट होता है और पिछले 3 साल से इलाके में एक्टिव है। बदमाश गैंग का मेंबर बनाने के लिए मेंबरशिप चलाते हैं। इसके लिए 1000 से 5000 रुपए तक एंट्री फीस रखी गई थी। जो भी इस गैंग का मेंबर बनता था, उन लोगों की पूरी सुरक्षा का ख्याल यह गैंग रखता था। एक तरीके से अपने मेंबर को पूरे पटना में कहीं भी प्रोटेक्शन देने का जिम्मा इन बदमाशों ने लिया था। अगर इनके गैंग से जुड़े किसी भी मेंबर को इनकी जरूरत होती थी तो एक कॉल में 100-200 लड़के जुट जाते थे। हालांकि पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने दावा किया है कि पूर्वी इलाके में गैंग की कमर पुलिस ने तोड़ दी है। अधिकतर बदमाश पकड़े गए हैं। गैंग के सरगना नीतीश

जेल में है। सिर्फ बुलेट फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। महाकाल गैंग के बदमाश सोशल साइट्स पर भी एक्टिव हैं। एक पूरी चेन बनी हुई है। जो शहर के अलग अलग हिस्सों से जुड़ी है। फैंसी नाम से ग्रुप, पेज और व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। जिस पर स्टंट, दबंगई की फोटो और वीडियो डालते रहते हैं। इनके पास जो भी गाड़ियां हैं। सब पर महाकाल लिखा है। गैंग का मुख्य काम जमीन कब्जा के लिए भीड़ जुटाना, दबंगई दिखाना और मारपीट करना है। गैंग के सदस्य विवादित जमीनों के मालिक और शहर के कुछ बिल्डर्स के संपर्क में थे। जरूरत के मुताबिक जब भी किसी विवादित जमीन पर जबरन कब्जा करने की बारी आती भाड़े पर इस गैंग से लड़के हायर कर लेते थे। इसके लिए गैंग लड़कों के ऊपर होने वाले खर्च के लिए मोटी रकम लाख दो लाख रुपए की डिमांड करता था और गैंग को काम के एवज में रुपए मिलते भी थे। जो रुपए मिलते थे, वो गैंग के सदस्य काम होने पर आपस में बांट लेते थे। पूर्वी इलाके के बदमाशों की संपत्ति जब्त करने की तैयारी पूर्वी इलाके से जो 19 महाकाल गैंग के सदस्य पकड़े गए हैं। उनकी संपत्ति जब्त करने की तैयारी पुलिस की ओर से की जा रही है। क्योंकि इन बदमाशों ने रंगदारी, जमीन कब्जा कराने के नाम पर अपराध के जरिए आय से कई गुणा अधिक की संपत्ति अर्जित की है। गैंग की नींव बिहटा बसौढ़ा के अमित सिंह (2016-17) में रखी थी। घटना को अंजाम देने के बाद महाकाल सोशल साइट्स पर लिखता था। इसने बिहटा, नौबतपुर इलाके में अपनी धाक जमाने और बाप बेटा गैंग को दबाने के लिए महाकाल गैंग बनाया था। इस गैंग के जरिए हथियार सप्लाई, शूटर्स तैयार करना, बालू से लेवी वसूलना था। सबसे पहले इसने इलाके में पैठ जमाने के लिए पहली हत्या बिहटा के व्यवसायी संघ के अध्यक्ष और उदय चित्र मंदिर सिनेमाहॉल के मालिक निर्भय सिंह की गोली मारकर की।

चीन में बने एप का इस्तेमाल कर पुलिस को धोखा दे रहे थे साइबर ठग

जयपुर (एजेंसी)। । राजस्थान में साइबर ठग चीन में बने एक विशेष एप का उपयोग करके पुलिस से एक कदम आगे चल रहे हैं। दरअसल ठग चीन में बने एक एप का इस्तेमाल करते हैं जिसके जरिए उन्हें पहले ही पता चल जाता है कि पुलिस किस बैंक खाते को फ्रीज (जब्त) करवाने वाली है। राजस्थानियों से 9 महीने में 3 अरब 38 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। पुलिस अब तक केवल 2 करोड़ 22 लाख रुपये ही रिकवरी कर सकी है। भिवाड़ी पुलिस द्वारा पकड़े गए 122 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मास्टरमाइंड अंकित शर्मा ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया। वह बैंक खाते किराए पर लेकर चीन में बैठे ठगों को उपलब्ध कराता था। ठगी का पैसा जिन खातों में जाता था, वे सभी इस एप से जुड़े होते थे। ठग लाइव देख सकते थे कि किस खाते में कितना पैसा जमा हुआ और कितना निकाला गया। जब साइबर पुलिस खाता फ्रीज करवाने की कोशिश करती थी, तब इस चीनी एप के जरिए उन्हें पहले ही अलर्ट मिल जाता था। साइबर फ्रॉड का संचालन बड़े स्तर पर चीन, दुबई और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से हो रहा है। विदेशी ठग भारत में एजेंट तैयार करते हैं और उन्हें कमीशन का लालच देते हैं। विदेशी ठग भारतीय एजेंटों से कभी फोन पर बात नहीं करते, बल्कि केवल टेलीग्राम और वॉट्सएप चैट के जरिए संपर्क में रहते हैं। इतना ही नहीं साइबर ठग गिरोह का एक इन-हाउस लाइव-एप है जो म्यूल खातों (ठगी का पैसा ट्रांसफर करने में इस्तेमाल होने वाले खाते) को रियल-टाइम में ट्रैक करता है। यह एप उन्हें बताता है कि किस खाते में रकम आई, कौन-सा खाता पुलिस ने फ्रीज कर दिया है, और किस खाते से पैसे निकाले जा सकते हैं।

सोना तस्करी मामले में म्यांमार की महिला गिरफ्तार, अंडरगारमेंट में छिपाकर ला रही थी सोने की छड़ें

नई दिल्ली (एजेंसी)। । इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने सोने की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। विभाग ने म्यांमार की एक महिला यात्री को गिरफ्तार किया है, जो अपने अंत:वस्त्र में छिपाकर सोने की छड़ें भारत लाने की कोशिश कर रही थी। बरामद सोने का कुल मूल्य 1.17 करोड़ रुपये बताया गया है। सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, आरोपी महिला बीते दिवस यंगून (म्यांमार) से दिल्ली पहुंची थी। गुप्त सूचना के आधार पर उसे आईजीआई एयरपोर्ट पर रोका गया। जब उसकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई, तो उसके अंत:वस्त्र में छह सोने की छड़ें पाई गईं। अधिकारियों ने बताया कि छड़ें भूरे रंग के टेप में सावधानीपूर्वक लपेटकर छिपाई गई थीं ताकि स्कैनर में पकड़ न आएं। बरामद सोने का वजन 996.5 ग्राम है। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह मामला सोने की अवैध तस्करी से जुड़ा प्रतीत होता है। महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हिमाचल प्रदेश पुलिस में बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित

शिमला (एजेंसी)। । हिमाचल प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित होने वाली बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित हो गई है। यह परीक्षा करीब 8 साल के लंबे अंतराल के बाद आयोजित की जा रही थी। परीक्षा देने के लिए 4,461 (लगभग 4400) कांस्टेबल 14 केंद्रों पर पहुंचे थे। परीक्षा कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित हो रही है। पहले 21 सितंबर को होनी थी, जो बारिश के कारण 26 अक्टूबर को प्रस्तावित की गई थी। दो शिफ्टों में आयोजित होनी थी। (प्रात: कालीन- 2,696 उम्मीदवार और सायंकालीन- 1,765 उम्मीदवार)। डीजीपी अशोक तिवारी ने तकनीकी कारणों से व्यवधान की पुष्टि की और निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षा को अस्थायी रूप से स्थगित करने की जानकारी दी। विभाग ने हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। तकनीकी समस्याओं के समाधान के बाद जल्द ही घोषित की जाएगी।

निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त, सात लोग घायल

हरदोई (एजेंसी)। । उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर वाहन चलाना प्रतिबंधित होने के बावजूद एक तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना हरदोई, हरपालपुर के ग्राम इकनौरा के पास निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुई। शनिवार देर रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे से नीचे खाई में जा गिरी और पलट गई। पुलिस के अनुसार, चालक ने कार की अधिक रफ्तार के कारण संतुलन खो दिया। हादसे में सात लोग घायल हुए, जिसमें साले-बहनोई भी शामिल हैं। फर्रुखाबाद के ग्राम कनकापुर के मोहित मिश्रा (जो कार चला रहे थे), उनके साले संदीप पांडेय, साढ़ू पुनीत शुक्ला, बड़े भाई कुलदीप, भाभी कोमल, भतीजा यश, और भतीजी अंशिका। राहगीरों और पुलिस की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। कुलदीप, संदीप, और कोमल की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मोहित मिश्रा कानपुर से दवा लेकर घर (फर्रुखाबाद) लौट रहे थे। बता दें कि गंगा एक्सप्रेस-वे अभी यातायात के लिए बंद है और इस पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित है। जिलाधिकारी ने सभी थाना प्रभारियों, एसडीएम को इस पर आवागमन रोकने का निर्देश दिया था और नागरिकों से भी अपील की थी कि वे अपनी जान जोखिम में न डालें। इसके बावजूद लोग इस निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर रहे हैं।

37 दिन बाद भी जुबीन गर्ग की स्मारक पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता

गुवाहाटी (एजेंसी)। । असम के सोनपुर में 37 दिन पहले जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार हुआ था। लेकिन अभी भी लोक गायक जुबीन गर्ग के स्मारक में श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा हुआ है। जुबिन की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में डूबने के कारण हुई थी। 23 सितंबर को अमरकुची गांव में उनका अंतिम संस्कार हुआ था। हर दिन 5 से 10000 लोग श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पहुंच रहे हैं।

सीएम सिद्धारमैया ने दिए संकेत, नए साल से पहले कर्नाटक सरकार में होगा फेरबदल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने संकेत दिए हैं कि उनकी सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद, यानी नवंबर के बाद, कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है। मीडिया से बातचीत में सिद्धारमैया ने खुलासा किया कि कांग्रेस आलाकमान ने चार महीने पहले ही उन्हें कैबिनेट विस्तार का सुझाव दिया था। हालांकि, उन्होंने आलाकमान को सूचित किया कि यह फेरबदल सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद होगा। सीएम ने कहा, 'ढाई साल का पड़ाव पार होने के बाद मैं पार्टी आलाकमान से चर्चा करूंगा और उनके निर्देशों के अनुसार फैसला लूंगा।'

सिद्धारमैया 16 नवंबर को दिल्ली दौरे पर जाएंगे, जहां वे वरिष्ठ वकील और कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल की किताब के विमोचन समारोह में शामिल होंगे। इस दौरे के दौरान वे कांग्रेस आलाकमान से भी मुलाकात करेंगे और अपनी सरकार के विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र दिसंबर में आयोजित होगा।

यह फेरबदल ऐसे समय में प्रस्तावित है, जब सिद्धारमैया सरकार को ढाई साल पूरे हो रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही यह चर्चा जोरों पर रही है कि सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने की सहमति बनी थी। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने इस तरह की किसी औपचारिक सहमति से इनकार किया है, लेकिन कर्नाटक की सियासत में यह मुद्दा बार-बार सुर्खियां बटोरता रहा है।

2023 में कांग्रेस की जीत के बाद सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ही मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे। इस मुद्दे पर लंबी चर्चाओं के बाद दोनों नेताओं ने दिल्ली में पार्टी आलाकमान से मुलाकात की थी। अंतत: सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन तब से यह कयास लगाया जाता रहा है कि ढाई साल बाद डीके शिवकुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। अब, जब सरकार का ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है और कैबिनेट फेरबदल की बात सामने आ रही है, कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। क्या यह फेरबदल केवल मंत्रिमंडल तक सीमित रहेगा या मुख्यमंत्री पद में भी बदलाव होगा, यह देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल, सिद्धारमैया के दिल्ली दौरे और आलाकमान के साथ उनकी चर्चा पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

करूर भीषण भगदड़ मामले की जांच सीबीआई के हाथ में, विजय की पार्टी की रैली के दौरान हुई थी भगदड़

चेन्नई (एजेंसी)। साउथ अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) की राजनीतिक रैली के दौरान करूर में हुई भीषण भगदड़ की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ले ली है। सीबीआई अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम, करूर में हुई घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक घायल हुए थे। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके द्वारा स्वतंत्र जांच के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने संवेदनशील मामले को सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया।

सीबीआई की विशेष टीम ने तमिलनाडु के करूर स्थित घटनास्थल का दौरा किया है। प्रक्रिया के अनुसार, सीबीआई ने राज्य पुलिस की एफआईआर को फिर से दर्ज कर स्थानीय अदालत को इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी है।

मामले की निष्पक्षता और व्यापक प्रभाव को देखते हुए, शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति का गठन किया गया है। अदालत ने सीबीआई निदेशक को जांच की जिम्मेदारी संभालने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति करने और उनकी सहायता के लिए अन्य अधिकारियों को नियुक्त करने का भी निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जे के महेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि 27 सितंबर की भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन पर गहरी छाप छोड़ी है।

पीठ ने मामले के राजनीतिक निहितार्थों का उल्लेख करते हुए कुछ शीर्ष पुलिस अधिकारियों की मीडिया टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि इन टिप्पणियों से नागरिकों के मन में निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह पैदा हो सकता है।

महिला डॉक्टर आत्महत्या में कई खुलासे: रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर समेत इंजीनियर गिरफ्तार

सातारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सातारा जिले में एक सरकारी महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले ने पूरे क्षेत्र में सनसनी मचा दी है। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, बदने और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज था, लेकिन बदने लंबे समय तक फरार रहा। आखिरकार, उसने फलटण ग्रामीण पुलिस थाने में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। इससे पहले, पुलिस ने 28 वर्षीय महिला डॉक्टर की आत्महत्या के सिलसिले में सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बांकर को भी गिरफ्तार किया था। मृतका, जो मगठवाड़ के बीड जिले की रहने वाली थी, सातारा के सरकारी अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रही थी।

गुरुवार रात फलटण के एक होटल के कमरे में उसका शव पंखे से लटका मिला। मृतका की हथेली पर लिखे सुसाइड नोट ने मामले को और गंभीर बना दिया, जिसमें उसने सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने पर कई बार बलात्कार करने और बांकर पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ फलटण में बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि बांकर उस मकान का मालिक का बेटा है, जहां डॉक्टर किराए पर रहती थी। मामले में नाम सामने आने के बाद बदने को पहले ही निलंबित किया जा चुका था। इस बीच, शुक्रवार रात बीड जिले के लड़वानी तहसील में मृतका का अंतिम संस्कार किया गया। मृतका के रिश्तेदारों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश जताया और आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। एक रिश्तेदार ने दावा किया कि डॉक्टर ने उत्पीड़न की कई शिकायतें की थीं, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिसके चलते उसे यह कठोर कदम उठाना पड़ा। इस मामले ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए हैं, और स्थानीय लोग अब कठोर न्याय की मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है, और दोनों आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने न केवल सातारा, बल्कि पूरे महाराष्ट्र में महिलाओं की सुरक्षा और पुलिस की जवाबदेही पर बहस छेड़ दी है।

लेडी डॉक्टर पर बी उठने लगे सवाल

गिरफ्तार इंजीनियर के भाई और वहन ने बताया कि मीडिया में जो खबरें चल रही हैं कि उसे पुणे के फार्महाउस से पकड़ा गया, वो गलत है। क्योंकि हमने खुद पुलिस को बुलाकर फलटण स्थित हमारे घर से खुद सरेंडर कराया था। लेडी डॉक्टर लगातार मेरे भाई को फोन करती थीं और परेशान कर रही थीं। हमारे पास सारे कॉल रिकॉर्ड्स और सोशल मीडिया चैट्स हैं जो हमने पुलिस को दिए हैं। पिछले महीने उसका भाई डेंगू से बीमार था। डॉक्टर ने ही उसका इलाज किया और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। करीब 15 दिन पहले डॉक्टर ने भाई को शादी का प्रस्ताव दिया, लेकिन उसने मना कर दिया। दीवाली के समय डॉक्टर कुछ तनाव में थी, लेकिन हमें लगा काम का दबाव होगा।

पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर उस पर शादी और शारीरिक संबंध बनाए रखने का दबाव डाल रही थी। जांच में अब तक कई कॉल रिकॉर्डिंग्स और चैट्स मिले हैं जिनमें डॉक्टर तनाव, दबाव और भावनात्मक उत्पीड़न की बात करती दिख रही है।

लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक नहीं खुला इंडिगो फ्लाइट का गेट, यात्रियों में मची अफरातफरी

कानपुर (एजेंसी)। मुंबई से कानपुर आने वाली इंडिगो फ्लाइट (6E-824) शनिवार को यात्रियों के लिए डर और बेचैनी का सबब बन गई। दरअसल विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक गेट नहीं खुला, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। महिलाएं और बच्चे घबरा गए, वहीं यात्री बार-बार एयर होस्टेस से बाहर निकलने की गुहार लगाते रहे। जानकारी के अनुसार, विमान को दोपहर 3:58 बजे कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर उतारा गया था। लैंडिंग के बाद यात्रियों को बताया गया कि विमान में -तकनीकी खराबी- आ गई है, जिसके कारण गेट नहीं खोला जा सकता। करीब आधे घंटे तक यात्री विमान के भीतर ही फंसे रहे। फ्लाइट में सवार यात्रियों का कहना था कि लोग बार-बार पूछ रहे थे कि आखिर क्या हुआ? बच्चे रोने लगे थे, कुछ लोग सीटें छोड़कर इधर-उधर घूमने लगे और ऐसे में माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया था।

तकनीकी खराबी निकली वजह- सूचना पर एयरपोर्ट की तकनीकी टीम रनवे पर पहुंची। जांच में पता चला कि विमान की बैटरी डिस्चार्ज हो गई थी, जिसकी वजह से ऑटोमेटिक गेट सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया। बैटरी को चार्ज करने के बाद शाम 4:42 बजे गेट खोला गया और तब जाकर यात्री बाहर निकल पाए। कई लोगों ने बाहर आकर भगवान का धन्यवाद किया और राहत की सांस ली।

वापसी उड़ान में भी देरी- इसी विमान को कानपुर से मुंबई के लिए रवाना होना था, लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण यह उड़ान भी करीब डेढ़ घंटे लेट हो गई। जो फ्लाइट शाम 4 बजे उड़नी थी, वह 5:30 बजे रवाना हुई।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का गैंगस्टर लखविंदर कुमार को अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत लाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। । संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर गैंगस्टर लखविंदर कुमार जो लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है, अमेरिका से डिपोर्ट कर दिल्ली लाया गया है। सीबीआई ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर हरियाणा पुलिस ने लखविंदर को तुरंत हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, लखविंदर पर हरियाणा में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें फिरौती, धमकी, अवैध हथियार रखना और हत्या की कोशिश शामिल है। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया था। यह नोटिस 26 अक्टूबर 2024 को जारी हुआ था, जिसके बाद सघन प्रयासों से आरोपी को 25 अक्टूबर 2025 को भारत वापस लाया गया। सीबीआई ने बताया कि विदेश मंत्रालय (एमईए) और गृह मंत्रालय के सहयोग से इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सीबीआई ने भारत में अलग-अलग एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया ताकि लखविंदर को वापस लाया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में 130 से ज्यादा वांछित अपराधियों को भारत लाया गया है। पिछले महीने भी सीबीआई ने हरियाणा पुलिस, विदेश और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुख्यात अपराध मेनपाल भिल्ला उर्फ सोनू कुमार को कंबोडिया से वापस लाया था। भिल्ला को हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध हथियार और साजिश के मामलों में उम्रकैद की सजा मिली हुई है।

खुद को अकेला महसूस कर रहे कांग्रेस उम्मीदवार, राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार से बनाई दूरी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे कांग्रेस खेमे में यह सवाल गूंज रहा है कि विपक्ष के प्रमुख नेता राहुल गांधी चुनावी रणभूमि से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। राहुल गांधी ने आखिरी बार 1 सितंबर को पटना में अपनी 'मतदाता अधिकार यात्रा' के समापन के दौरान बिहार का दौरा किया था। यह यात्रा 15 दिनों में 1,300 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 20 जिलों तक पहुंची थी। इसके बाद से वे बिहार में नजर नहीं आए। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव इस बीच दिल्ली पहुंचे और सूत्रों के अनुसार, उन्होंने वहां मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की घोषणा की मांग की।

कांग्रेस के कई प्रत्याशियों ने पार्टी नेतृत्व और राहुल गांधी के कार्यालय से अपने क्षेत्रों में प्रचार के लिए उनके आगमन की मांग की है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति से स्थानीय कार्यकर्ताओं में भ्रम और निराशा का माहौल है। हालांकि, पार्टी के आंतरिक सूत्रों का दावा है कि महागठबंधन के भीतर ज्यादातर मुद्दों का समाधान हो चुका है और राहुल गांधी अगले सप्ताह से बिहार में चुनावी प्रचार शुरू कर सकते हैं। महागठबंधन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग ने शुरू में कांग्रेस को असमंजस में डाल दिया था। कांग्रेस को आशंका थी कि तेजस्वी यादव के खिलाफ हाल ही में एक नए मामले में आरोपपत्र दाखिल होने के कारण उनके नाम की घोषणा से गठबंधन और पार्टी की छवि को नुकसान हो सकता है।

इस मसले को सुलझाने के लिए कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बिहार भेजा। पटना में गहलोत ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की और इसके बाद एक संवाददाता सम्मेलन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। 'इंडिया' गठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया है, जबकि निषाद समुदाय के नेता और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा किया गया है। अशोक गहलोत ने घोषणा के दौरान कहा कि अन्य सामाजिक और धार्मिक समूहों से भी अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। हालांकि, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने आरोप लगाया है कि बिहार की 17 प्रतिशत मुस्लिम आबादी के बावजूद विपक्ष ने इस समुदाय की उपेक्षा की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों को उम्मीद है कि राहुल गांधी के प्रचार में उतरने से महागठबंधन को मजबूती मिलेगी। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आरजेडी पहले से ही आक्रामक प्रचार में जुटी है।

देहरादून में द केरल स्टोरी जैसा सनसनीखेज मामला: धर्मांतरण की साजिश नाकाम, चार गिरफ्तार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में फिल्म द केरल स्टोरी की तर्ज पर एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवती को झूठे वादों और प्रलोभन देकर धर्मांतरण और निकाह के लिए मजबूर करने की साजिश रची गई। रानीपोखरी की इस युवती को बहलाने की कोशिश में शामिल छांगुर गैंग के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि ये आरोपी पहले आगरा में एक अन्य धर्मांतरण मामले में भी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि पीड़िता की दोस्ती फेसबुक के जरिए अबू तालिब से हुई थी। अबू ने झूठे वादों और प्रलोभनों के जरिए उसे धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया। इसके बाद उसने युवती की मुलाकात अपने दोस्त अरबान से कराई, जिसके साथ दिल्ली में निकाह की योजना बनाई गई। साजिश के तहत युवती को आर्थिक मदद, ऑनलाइन कपड़े, मोबाइल फोन, और सिम दी गई। व्हाट्सएप बिजनेस ऐप डाउनलोड करवाकर संपर्क बनाए रखा गया। रानीपोखरी तक कैब भेजी गई, और उसे दिल्ली में अब्दुल के 'सेफ हाउस' में रखने की तैयारी थी। लेकिन, आखिरी समय पर युवती ने निकाह से इनकार कर दिया, जिससे एक बड़ी वारदात टल गई। शनिवार को देहरादून कोर्ट में चारों आरोपियों अब्दुल रहमान उर्फ मोहंद पाल सिंह (दिल्ली), एसवी कृष्णा उर्फ अवेश (गोवा), अब्दुर रहमान उर्फ रुपेंद्र सिंह (देहरादून, मूल निवासी मैनपुरी), और अबू तालिब (मुजफ्फरनगर) को अदालत में पेश किया गया। कोर्ट की सुनवाई के बाद उन्हें वापस आगरा ले जाया गया। देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि इनके खिलाफ कोर्ट से वारंट-बी जारी करवाया गया था, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, इस साजिश में शामिल सभी आरोपियों पर बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि यह गैंग संगठित तरीके से काम करता था और पहले भी आगरा में इसी तरह के मामले में लिप्त था। पुलिस ने इस मामले में गहन जांच शुरू कर दी है और अन्य संभावित पीड़ितों की तलाश कर रही है। इस घटना ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आ रहा तूफान, प्रशासन की सांसें फूलीं, 3 राज्यों में हाई अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बन रहे गहरे दबाव ने चक्रवाती तूफान मोंथा ने विकराल रूप ले लिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 28 अक्टूबर की शाम या रात को यह तूफान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम और कालिंगपट्टनम के बीच, काकीनाडा के पास टकरा सकता है। आईएमडी के वैज्ञानिक एस कलिंगासागर ने बताया कि इससे पहले आंध्र तट के पास 45 से 55 किमी/घंटा की हवाएं चलने लगेंगी, जो धीरे-धीरे 90-110 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं।' इसके असर को देखते हुए आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में प्रशासन ने हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में चक्रवात के खतरे को देखते हुए जिलों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और अधिकारियों को चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। विशाखापट्टनम कलेक्टरेट में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां लोग चक्रवात से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए मदद ले सकते हैं। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 0891-2590102 और 0891-2590100 जारी किए गए हैं। विशाखापट्टनम के कलेक्टर एमएन हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि स्टाफ शिफ्ट के आधार पर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा। आंध्र प्रदेश सरकार ने तटीय जिलों और रायलसीमा क्षेत्र में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ आपात बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि आवश्यक सेवाओं में किसी भी तरह की रुकावट नहीं आनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित की जाएं। सोएम ने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को संवेदनशील जिलों में तैनात किया जाए। काकीनाडा में 'हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' की व्यवस्था रखी जाए। बिजली और पेयजल आपूर्ति निर्बाध रहनी चाहिए। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि नुंदुर, नेल्लोर, चित्तूर, काकीनाडा, बापटला और वाईएसआर कडप्पा जिलों में विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। 27 और 28 अक्टूबर को सारे स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि 27 से 29 अक्टूबर तक तटीय और रायलसीमा जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश (210 मिमी से अधिक) हो सकती है।

थाईलैंड ने इस चक्रवाती तूफान का नाम मोंथा रखा है। थाई भाषा में इसका अर्थ है 'सुगंधित या सुंदर फूल' होता है। भारतीय मौसम विभाग ने इसे 'सीवियर साइक्लोनिक स्टॉर्म' यानी गंभीर चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखा है। इस दौरान 90 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और कई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा होगी। आईएमडी के अनुसार, यह तूफान फिलहाल दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में केंद्रित है और लगातार पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। शनिवार को यह पोर्ट ब्लेयर से 460 किमी पश्चिम-दक्षिण पश्चिम, चेन्नई से 950 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, और काकीनाडा से 970 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

वहीं ओडिशा सरकार ने भी अपनी आपदा प्रबंधन प्रणाली को सक्रिय कर दिया है। राज्य के 16 जिलों पर तूफान का प्रभाव पड़ने की आशंका है। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने 15 जिलों के कलेक्टरों के साथ समीक्षा बैठक की और कहा, 'लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। प्रशासन पूरी तैयारी में है। चक्रवात से पहले सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।' सरकार ने कोरापुट, मलकानगिरी, रायगड़ा, नबरंगपुर, कालाहांडी, गंजाम और गजपति जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि नौ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। संवेदनशील इलाकों में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और साइक्लोन शेल्टर तैयार रखे गए हैं। आईएमडी के अनुसार, सोमवार शाम से 80 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। तमिलनाडु के तटीय जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो चुकी है। चेन्नई, चेंगलपट्टनम, और कुड्डालोर जिलों में अगले चार से पांच दिन तक लगातार बारिश जारी रहने की संभावना है।